सुप्रभात
रांची, शनिवार
14.06.2025
* * नगर संस्करण। पेज :12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित | सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | आषाढ़, कृष्ण पक्ष, तृतीया, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 329

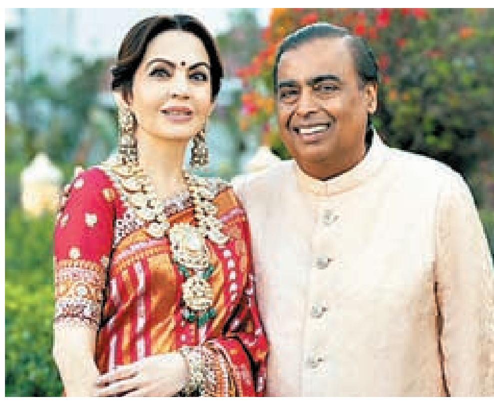

12 अंबानी परिवार की जेड+ सुरक्षा हटाने से इनकार

न्यूज डायरी

ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी जंग

नयी दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच सैन्य टकराव शुरू हो गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए हैं, जिससे इलाके में युद्ध जैसे हालात बन गये हैं। इजराइल ने तेहरान और उसके आसपास के इलाकों में हवाई हमले किये और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इजराइल के हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार करते हुए 100 से अधिक ड्रोन इजराइल की ओर भेजे। इजराइल ने इमरजेंसी घोषित कर दी है।

टीपीसी के एरिया कमांडर सहित पांच गिरफ्तार

हजारीबाग। पुलिस ने तरहेसा जंगल के घाटगोसाई इलाके से शुक्रवार को प्रशांतजी समेत पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक अमेरिकी एआर-15 एम-4 कार्बाइन राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद मिला है। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि चार अन्य गिरफ्तार उग्रवादियों में आदित्य गंझू, देवेन गंझू, धरम गंझू और रूपलाल गंझू शामिल हैं।

एटीएस ने भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त किया

पाकुड़। पाकुड़िया थाना क्षेत्र के डोमनगढ़िया गांव में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) एवं जिला पुलिस ने संयुक्त छापेमारी में भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त किया है। एटीएस ने एक विस्फोटक कारोबारी समसुल हसन को गिरफ्तार भी किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार को रांची से एटीएस की टीम पाकुड़ पहुंची थी। बरामद विस्फोटक लाखों रुपये का बताया जा रहा है।

गुमला में व्यवसायी को लूटा, गोली मारी

गुमला। चैनपुर थाना क्षेत्र के कांसीर बाजार में शुक्रवार को एक धान व्यवसायी को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार कर घायल कर दिया। स्थानीय लोग घायल व्यापारी को सदर अस्पताल ले गये, वहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। जख्मी व्यवसायी राजकुमार साहू की पत्नी मेनका देवी ने बताया कि अपराधी 4 लाख नगद और मोबाइल लूटकर फरार हो गये। उन्हें दो गोली लगी है। गुमला एसपी ने बताया कि पुलिस क्षेत्र में छानबीन कर रही है।

हाईकोर्ट ने मधु कोड़ा पर फिर लगाया जुर्माना

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर आठ हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट ने यह जुर्माना राशि झालसा में जमा करने का निर्देश दिया है। मधु कोड़ा राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में हुए कथित घोटाले के आरोपी हैं। उन्होंने निचली अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी है, लेकिन लगातार सुनवाई के दौरान उनके वकील की ओर से समय मांगे जाने पर कोर्ट ने आठ हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। इससे पहले भी उनपर तीन बार जुर्माना लगाया जा चुका है। हाईकोर्ट अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 सप्ताह बाद करेगा।

कार्टून कोना

विमान हादसे की जांच तेज, सरकार ने बनायी उच्चस्तरीय कमेटी

हादसे का मंजर भयावह : मोदी

अहमदाबाद विमान हादसा

■ विमान दुर्घटनास्थल का पीएम मोदी ने किया दौरा, घायलों से भी मिले

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अहमदाबाद के मेघानीनगर में विमान दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हादसे का मंजर देख चिंता जतायी। मोदी ने घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने विमान हादसे में क्षतिग्रस्त हुए मेडिकल हॉस्टल और मेस बिल्डिंग का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने कहा विमान हादसा हृदयविदारक है। उन्होंने अधिकारियों और राहत कार्य में जुटी टीम से भी मुलाकात की जो घटना के बाद अथक परिश्रम कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री के साथ केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और कई शीर्ष अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद रहे।

गौरतलब है कि गुरुवार दोपहर में एयर इंडिया का विमान बोईंग 786-8 एआई-171 उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत 241 लोगों की मौत हो गयी जबकि जिस बिल्डिंग से विमान टकराया, वहां भी कई लोग इस हादसे के शिकार हो गये। कुल मिलाकर इस हादसे में ढाई सौ से अधिक लोगों की मौत हो गयी।

दुर्घटना स्थल में अधिकारियों से हादसे की जानकारी लेते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

इलाजरत घायलों का हालचाल जाना, उच्चस्तरीय बैठक भी की

दुर्घटनास्थल का जायजा लेने के बाद वे सिविल अस्पताल पहुंचकर घायलों से भी मिले और परिजनों का ढांढस बंधाया। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। दुर्घटना में घायल हुए चिकित्सकों और हेल्थकेयर वर्कर्स से भी प्रधानमंत्री ने मुलाकात की और उपचार कर रहे डॉक्टरों से मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर हादसे के बाद की परिस्थितियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

पूर्व सीएम रूपाणी के परिवार से मिले

इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के परिवार से मुलाकात की और भाजपा के दिग्गज नेता की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा कि यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल है।

एयर इंडिया एआई-171 के मलबे से ब्लैक बॉक्स बरामद

अहमदाबाद में उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों के बाद क्रैश हुए एयर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर का ब्लैक बॉक्स मलबे से बरामद कर लिया गया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। तकनीकी रूप से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर के रूप में जाना जाने वाला ब्लैक बॉक्स, इस आपदा के कारणों का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसमें उड़ान की गति, ऊंचाई, इंजन का प्रदर्शन और कॉकपिट ऑडियो की जानकारी होती है, जिसमें पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच संचार शामिल है। **ब्लैक बॉक्स उपकरण के दो मुख्य घटक** : स्टील व टाइटेनियम जैसी अत्यधिक टिकाऊ सामग्री से निर्मित इस उपकरण में दो मुख्य घटक होते हैं। पहला डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (DFDR) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR)। डीएफडीआर तकनीकी उड़ान मापदंडों को लॉग करता है, जबकि सीवीआर कॉकपिट से ऑडियो रिकॉर्ड करता है, जिसमें पायलट चर्चा और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ रेडियो एक्सचेंज शामिल हैं। वहीं गुजरात एटीएस ने मलबे से एक डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर भी बरामद किया है।

बम की धमकी के बाद विमान की थाईलैंड में आपात लैंडिंग

एजेंसी

नयी दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से नयी दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान एआई-379 में शुक्रवार को बम होने की धमकी मिली, जिसके बाद विमान को थाईलैंड में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। इस विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। थाईलैंड एयरपोर्ट के एक अधिकारी के मुताबिक आपातकालीन योजना के अनुरूप एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-379 के सभी 156 यात्रियों को विमान से बाहर निकाला गया। प्रारंभिक तलाशी के बाद अधिकारियों को संबंधित एयर इंडिया के विमान के अंदर कोई बम नहीं मिला। हालांकि एओटी ने बम की धमकी के बारे में जानकारी नहीं दी। एयर इंडिया ने टिप्पणी के अनुरोध का फिलहाल जवाब नहीं दिया है। यह विमान ने शुक्रवार की सुबह 9.30 बजे फुकेट हवाई अड्डे से नयी दिल्ली के लिए उड़ान भरी, लेकिन अंडमान सागर के चारों ओर एक चक्कर लगाया और दक्षिणी थाई द्वीप पर वापस उतर गया।

बोइंग 787-8/9 ड्रीमलाइनर विमानों के मेंटेनेंस का अतिरिक्त निर्देश जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय-डीजीसीए ने एयर इंडिया के बोइंग 787-8/9 विमानों के रख-रखाव एवं उड़ान भरने के पूर्व अतिरिक्त सुरक्षा निरीक्षण एवं उपाय करने के दिशा-निर्देश जारी किये हैं। गुरुवार को एयर इंडिया बोईंग 787-8 विमान हादसे के बाद शुक्रवार को डीजीसीए ने एक आदेश में कहा कि निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस बी 787-8/9 विमानों पर अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करने का निर्देश देता है जो 15 जून से प्रभावी होंगे।

डीजीसीए ने कहा कि विमान रख-रखाव एवं उड़ान पूर्व ड्रिल के तहत ईंधन पैरामीटर निगरानी और संबंधित प्रणाली जांच का निरीक्षण, केबिन एयर कंप्रेसर और संबंधित प्रणालियों का निरीक्षण, इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्ट्यूएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली की जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच की जानी चाहिए। इसके अलावा उड़ान भरने के मापदंडों की समीक्षा करने, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाना चाहिए। दो सप्ताह के भीतर बिजली आश्वासन जांच की जानी चाहिए। उपर्युक्त जांच रिपोर्ट डीजीसीए को प्रस्तुत की जानी है।

राज्य सरकार ने केंद्र को भेजा था 591 करोड़ रुपये का प्रस्ताव

मनरेगा: मजदूरी भुगतान के लिए केंद्र से मिला 693 करोड़, जून तक का होगा पेमेंट

■ लाखों मनरेगा मजदूरों को उनका बकाया भुगतान का रास्ता हुआ साफ, एक सप्ताह में होगा भुगतान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मनरेगा मजदूरों के मजदूरी भुगतान का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार ने झारखंड को मांग के अनुरूप 693 करोड़ रुपये का आवंटन कर दिया है। इस राशि से मनरेगा मजदूरों के बकाये मजदूरी भुगतान के साथ-साथ जून तक के काम के बदले मजदूरी मिल जायेगी। ग्रामीण विकास विभाग ने उक्त राशि का आवंटन सभी जिलों में मांग के अनुरूप कर दिया है।

मनरेगा में विगत वित्त वर्ष से भी करीब 400 करोड़ और इस वित्तीय वर्ष के भी अप्रैल-मई व जून का भी कुछ बकाया था। राज्य सरकार ने 591 करोड़ का प्रस्ताव बनाकर भारत सरकार को भेजा था, जिसके विरुद्ध 693 करोड़ रुपये की राशि झारखंड को प्राप्त हुई है।

मनरेगा आयुक्त मृत्युजंय कुमार बर्णवाल ने बताया कि वेज से संबंधी मसला अब हल हो गया है। केंद्र सरकार से राशि मिलने से अब जून तक का सारा पेमेंट क्लीयर हो जायेगा। मनरेगा आयुक्त ने बताया कि राज्य के सभी प्रखंडों के मनरेगा कर्मियों के बकाया मानदेय का भुगतान अगले 6-7 दिनों में कर दिया जायेगा। बता दें कि केंद्र सरकार के समक्ष बकाया भुगतान का मसला उठा था। झारखंड से मुख्यमंत्री, ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री समेत ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने भी केंद्र से समय पर मनरेगा मजदूरी बकाया भुगतान मांगा था। अब राशि मिलने से लाखों मनरेगा मजदूरों को उनका बकाया भुगतान हो सकेगा।

इपीएफ पेमेंट के लिए खुलवाया जा रहा है खाता

मनरेगा आयुक्त ने बताया कि मनरेगा कर्मियों का इपीएफ पेमेंट के लिए खाता युद्धस्तर पर खुलवाया जा रहा है। उनके स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंस्यूरेंस के लिए प्रस्ताव वित्त विभाग को भेज दिया गया है। बता दें कि, लंबे समय से मनरेगा कर्मचारी इसकी मांग कर रहे हैं। साथ ही मानदेय वृद्धि की भी मांग कर रहे थे। इसके लिए पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के आग्रह पर मनरेगा कर्मचारी संघ व विभाग के बीच समझौता भी हुआ था। टाइम मोशन स्टडी का लाभ झारखंड को 1000 करोड़ अतिरिक्त राशि मिलेगी। इसके अलावा मनरेगा आयुक्त ने बताया कि टाइम मोशन स्टडी अब झारखंड में भी लागू हुई है। इसके कारण मनरेगा मजदूरों के मैन डेज के आकलन का आधार अब 73 सीएफटी की जगह 50 सीएफटी पर होगा। इससे 1,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि राज्य सरकार को प्राप्त होगी जो ग्रामीण विकास विभाग के प्रशासनिक क्षमता और जवाबदेही को दर्शाता है।

राज्य के शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा को लेकर डीजीपी एसओपी बनायें : हाईकोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा के लिए डीजीपी को स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने वर्ष 2024 में बीआईटी मेसरा परिसर में छात्रों के दो गुटों में हुई मारपीट में एक छात्र की मौत की जांच रिपोर्ट भी बीआईटी प्रबंधन को पेश करने का निर्देश दिया है। जस्टिस संजय प्रसाद की अदालत ने शुक्रवार को छात्र की मौत के मामले से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान बीआईटी मेसरा के कुलपति, डीन, रजिस्ट्रार और डीजीपी कोर्ट के आदेश पर सशरीर हाजिर भी हुए। मामले की अगली सुनवाई 24 जून को होगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कॉलेज कैंपस में इस तरह की घटना पर नाराजगी जतायी और कहा कि यह घटना कॉलेज में सुरक्षा की चूक और प्रबंधन की लापरवाही को उजागर करता है। इस घटना में आरोपी मौसम कुमार सिंह, अभिषेक कुमार, इरफान अंसारी एवं साहिल अंसारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित हो गया है एवं 12 आरोपियों के खिलाफ अनुसंधान चल रहा है। इससे पहले गुरुवार को सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि इस मामले की जांच डीएसपी रैंक के अधिकारी के जगह सब इंस्पेक्टर ने की है। यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम 1989 के नियम सात का उल्लंघन है। इस पर अदालत ने बीआईटी मेसरा के कुलपति, डीन, रजिस्ट्रार और डीजीपी को शुक्रवार को हाईकोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया था।

हाईकोर्ट ने जेपीएससी पर एक लाख का जुर्माना लगाया

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर एसटी उम्मीदवार मनोज कच्छप की नियुक्ति के एकलपीठ के आदेश को सही बताते हुए जेपीएससी की अपील याचिका खारिज करते हुए आयोग पर एक लाख का जुर्माना लगाया है। गौरतलब हो कि जुलाई 2018 में जेपीएससी ने नागपुरी भाषा के लिए एसटी उम्मीदवारों के लिए बैकलॉग वैकेंसी के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर के चार पदों के लिए विज्ञापन निकाला था। इसके बाद दस्तावेजों की स्क्रूटनी में प्रार्थी को 85 में से 72.10 अंक मिला, लेकिन इंटरव्यू लिस्ट जारी होने पर मनोज कुमार कच्छप का नाम उसमें शामिल नहीं था। इसके बाद मनोज ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। एकलपीठ ने मनोज कुमार कच्छप को इंटरव्यू में शामिल कराने का निर्देश जेपीएससी को दिया था। जेपीएससी ने 23 दिसंबर 2021 को रिजल्ट जारी किया, लेकिन कोर्ट के आदेश के आलोक में एक पद पर रिजल्ट को रोक दिया गया। बाद में कोर्ट ने मनोज कुमार कच्छप का रिजल्ट मंगाया। जेपीएससी ने प्रार्थी के अंक सीलबंद कर कोर्ट में पेश किया। जिसमें कोर्ट को पता चला कि मनोज कुमार कच्छप उस पूरी परीक्षा में सबसे अधिकतम नंबर लाने वाला अभ्यर्थी है। जेपीएससी की ओर से बताया गया कि जिस समय मनोज कुमार कच्छप ने परीक्षा फीस जमा की थी, उस समय स्टेटस फेल हो चुका था और पैसा जेपीएससी के अकाउंट में नहीं आ सका था, इसलिए इनका कैंडिडेचर रद्द किया गया। एकलपीठ के आदेश के खिलाफ जेपीएससी ने खंडपीठ में अपील दायर की थी।

वैश्विक शिखर सम्मेलन में योग और प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान पर जोर

आयुष मंत्रालय 'योग कनेक्ट' की करेगा मेजबानी

एजेंसी

नयी दिल्ली। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम के रूप में शनिवार को आयुष मंत्रालय विज्ञान भवन में हाइब्रिड रूप से वैश्विक शिखर सम्मेलन योग कनेक्ट की मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश दोनों से योग गुरुओं, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, व्यापारिक नेताओं, शोधकर्ताओं और वैश्विक प्रभावशाली लोगों का एक प्रतिष्ठित समूह एक साथ आयेगा। योग और प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद द्वारा इस कार्यक्रम का समन्वय किया जा रहा है, जो योग के क्षेत्र में शीर्ष शोध निकाय है।

योग कनेक्ट एक हाइब्रिड प्रारूप में होगा, जिसमें 1,000 से अधिक व्यक्तिगत प्रतिभागियों के साथ-साथ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय योग संस्थानों और कल्याण समुदायों के आभासी उपस्थितगण शामिल होंगे। बहरीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और दक्षिण कोरिया सहित चार से अधिक देशों के विशेषज्ञ इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

आयुष मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि शिखर सम्मेलन में योग प्रभाव रिपोर्ट का विमोचन होगा, जिसमें पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रभाव का आकलन करने वाला एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन शामिल होगा। यह रिपोर्ट शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, क्योंकि यह देशभर में आईडीवाई पहलों की पहुंच, प्रभावशीलता और परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करेगी। इस मौके पर भारतीय वृक्षों के महत्व और उनकी प्रासंगिकता पर आधारित एक पुस्तिका जारी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि योग कनेक्ट भारत के वैश्विक योग आंदोलन के दस साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसकी शुरूआत 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किए जाने के साथ हुई थी। योग को यूनेस्को द्वारा भी विश्व को भारत का उपहार माना गया है।

सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर सत्र होंगे : गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए योग, सामान्य योग प्रोटोकॉल पर अध्ययन और जीवन के विभिन्न चरणों में योग महिला स्वास्थ्य के लिए योग शामिल है। इस कार्यक्रम में स्वामी बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण, एचआर नागेंद्रजी, परम पावन बिक्खू संघसेना और भारत भूषण शामिल होंगे।

पश्चिम बंगाल में 22 रोहिंग्या गिरफ्तार

10 वर्षों से पहचान छुपा कर रह रहे थे

कोलकाता। म्यांमार से बांग्लादेश होते हुए भारत में दाखिल हुए 22 रोहिंग्या नागरिकों को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना ज़िले के शायस्ता नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन्हें उस समय पकड़ा जब वे गुपचुप तरीके से सीमा पार कर बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे। शुक्रवार को सभी आरोपितों को अदालत में पेश किया गया। बसीरहाट के एसपी हसन मेहदी रहमान ने बताया कि स्थानीय सूत्रों के अनुसार शायस्ता नगर के लवंग इलाके में 22 संदिग्ध लोगों को घूमते देखा गया। स्थानीय निवासियों को उन पर शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची बादुड़िया थाना पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। जांच में कोई वैध दस्तावेज न मिलने पर पुलिस को संदेह हुआ। बाद में पूछताछ में उन्होंने माना कि वे बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों में पांच महिलाएं, चार पुरुष और 13 नाबालिग शामिल हैं। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे करीब 10 वर्ष पहले म्यांमार से बांग्लादेश के रास्ते अवैध रूप से भारत आए थे और उसके बाद हैदराबाद सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे थे। इस दौरान उन्होंने नाम और पहचान छुपा रखा था।

झामुमो ने तीन जिलों के जिला समितियों का किया गठन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झामुमो ने चार जिलों के जिला समितियों का गठन किया है। इसमें पाकुड़, पश्चिम सिंहभूम और गोड्डा जिले शामिल हैं। यह आदेश पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। पाकुड़ का जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम को उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, समद अली और पीटर मरांडी को बनाया गया है।

सचिव की जिम्मेवारी माईकल मुर्मू को सौंपी गई है। संगठन सचिव अनारुदीन मियां, मुस्लोहुद्दीन अंसारी और मुनीराम मराण्डी को बनाया गया है। सहसचिव की जिम्मेवारी लाल मोहम्मद, जहूर आलम, कुणाल अल्फ्रेड हेमाम और तरूण मण्डल को बनाया गया है। कोषाध्यक्ष बाकुबल मुर्मू को बनाया गया है।

पश्चिम सिंहभूम जिला समिति का उपाध्यक्ष प्रेम मुण्डारी और अशोक दास को बनाया गया है। संगठन सचिव की जिम्मेवारी बन्द्र मोहन बिरुवा,मन्नाराम कुदादा,वृन्दावन गोप और विनय प्रधान को सौंपी गई है। सह सचिव हरिलाल करजी,कान्डे तियु,मो० मोजाहिद, संदेश सरदार और ज्योति सिजुई को बनाया गया है।

गोड्डा जिला अध्यक्ष प्रेम नंदन कुमार को और उपाध्यक्ष मो खुर्शीद मुन्ना, मृत्युंजय सिंह, इन्द्रजीत पंडित और श्याम हेम्ब्रम को बनाया गया है। वासुदेव सोरेन को सचिव बनाया गया है। संगठन सचिव संतोष कुमार महतो, ललित झा, मो शरीफ आलम और चन्दन हेम्ब्रम को बनाया गया है। सहसचिव की जिम्मेवारी शिवशंकर मंडल, गुलजारी दास, अनीर हमजा और शिवम कुमार दुबे को सौंपी गई है। कोषाध्यक्ष महेंद्र उरांव को बनाया गया है।

भू–अर्जन वाद सं०–69 / 2024–25
झारखण्ड सरकार
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)

प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30 / 2013 की धारा–11 (1) के अधीन)
"गोला–मूरी चार लेन पथ निर्माण परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार / समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है मौजा–मूरी, थाना संख्या–89, अंचल–सिल्ली, जिला–राँची में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **गोला–मूरी चार लेन पथ निर्माण परियोजना** हेतु अपेक्षित है, प्रभावित परिवारों के पुर्नवासन एवं पुर्नव्यस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम / मौजा–मूरी, थाना संख्या–89, अंचल–सिल्ली, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश कुल रकबा–**11.533784** एकड़ भूमि मानक माप का भू–खण्ड, जिसका विस्तृत विवरणी निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

मौजा–मूरी

क्र० सं०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
01	03	03	शिकमी	0.073536	अगोधी कुम्हार, पेसरान–मठवा कुम्हार वो कोलेश्वर कुम्हार, पेसरान–परेस कुम्हार वो नीसान कुम्हार, पेसरान–परेस कुम्हार वो पुसा कुम्हार, पेसरान–मठवा कुम्हार वो रघुनाथ कुम्हार, पेसरान–मठवा कुम्हार वो राखाल कुम्हार वल्द बाला कुम्हार वो रामबरन कुम्हार वल्द पुरन कुम्हार	4	5	2	1
02	27	04	रैयती	0.368273	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	5	6	3	2
03	27	08	रैयती	0.340208	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	9	10	7	6
04	27	50	रैयती	0.022934	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	51	52	49	48
05	27	52	रैयती	0.065479	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	53	54	51	50
06	27	53	रैयती	0.059928	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	54	55	52	51
07	27	54	रैयती	0.205749	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	55	56	53	52
08	27	61	रैयती	0.189641	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	62	63	60	59
09	27	62	रैयती	0.090514	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	63	64	61	60
10	27	63	रैयती	0.237935	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	64	65	62	61
11	27	101	रैयती	0.021960	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	102	103	100	99
12	27	128	रैयती	0.027624	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	129	130	127	126
13	27	131	रैयती	0.044203	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	132	133	130	129
14	27	133	रैयती	0.655295	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	134	135	132	131
15	27	134	रैयती	0.015722	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	135	136	133	132
16	27	135	रैयती	0.224387	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	136	137	134	133
17	27	136	रैयती	0.152743	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	137	138	135	134
18	27	137	रैयती	0.314638	छुदु महतो वल्द मेघु महतो	138	139	136	135
19	101	06	रैयती	0.490435	हरी कुरमी वल्द लखन कुरमी	7	8	5	4
20	75	07	रैयती	0.102378	धरमा कुरमी, पेसरान–रामु कुरमी वो मोहना कुरमी वल्द अमड़ कुरमी वो सुकुआ कुरमी, पेसरान–रामु कुरमी	8	9	6	5
21	75	12	रैयती	0.176613	धरमा कुरमी, पेसरान–रामु कुरमी वो मोहना कुरमी वल्द अमड़ कुरमी वो सुकुआ कुरमी, पेसरान–रामु कुरमी	13	14	11	10
22	102	09	रैयती	0.008946	हीरालाल मुण्डा वल्द रतु मुण्डा	10	11	8	7
23	102	10	रैयती	0.014019	हीरालाल मुण्डा वल्द रतु मुण्डा	11	12	9	8
24	53	13	रैयती	0.220796	पतीराम कुरमी वल्द मेघु कुरमी	14	15	12	11
25	53	112	रैयती	0.081798	पतीराम कुरमी वल्द मेघु कुरमी	113	114	111	110
26	53	126	रैयती	0.044622	पतीराम कुरमी वल्द मेघु कुरमी	127	128	125	124
27	53	127	रैयती	0.003778	पतीराम कुरमी वल्द मेघु कुरमी	128	129	126	125
28	53	143	रैयती	0.210252	पतीराम कुरमीवल्द मेघु कुरमी	144	145	142	141
29	103	14	रैयती	0.272916	हीरालाल मुण्डा वल्द रतु मुण्डा	15	16	13	12
30	103	15	रैयती	0.048151	हीरालाल मुण्डा वल्द रतु मुण्डा	16	17	14	13
31	108	19	गैरमजरूआ आम	0.008282	गैरमजरूआ आम	20	21	18	17
32	37	49	रैयती	0.030760	चन्दु कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो जोधा कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो पुसुआ कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो मोसमात रखलीआ कुरमीन, जौजे मोन्दु कुरमी	50	51	48	47
33	37	102	रैयती	0.008262	चन्दु कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो जोधा कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो पुसुआ कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो मोसमात रखलीआ कुरमीन, जौजे मोन्दु कुरमी	103	104	101	100
34	37	140	रैयती	0.042093	चन्दु कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो जोधा कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो पुसुआ कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो मोसमात रखलीआ कुरमीन, जौजे मोन्दु कुरमी	141	142	139	138
35	65	51	रैयती	0.144370	बुधु महतो, पेसरान–भगतु महतो वो सोधा महतो, पेसरान–भगतु महतो	52	53	50	49
36	65	95	रैयती	0.003850	बुधु महतो, पेसरान–भगतु महतो वो सोधा महतो, पेसरान–भगतु महतो	96	97	94	93
37	65	96	रैयती	0.388167	बुधु महतो, पेसरान–भगतु महतो वो सोधा महतो, पेसरान–भगतु महतो	97	98	95	94
38	65	97	रैयती	0.012389	बुधु महतो, पेसरान–भगतु महतो वो सोधा महतो, पेसरान–भगतु महतो	98	99	96	95
39	65	98	रैयती	0.317556	बुधु महतो, पेसरान–भगतु महतो वो सोधा महतो, पेसरान–भगतु महतो	99	100	97	96
40	65	129	रैयती	0.254393	बुधु महतो, पेसरान–भगतु महतो वो सोधा महतो, पेसरान–भगतु महतो	130	131	128	127
41	65	145	रैयती	0.339157	बुधु महतो, पेसरान–भगतु महतो वो सोधा महतो, पेसरान–भगतु महतो	146	147	144	143
42	30	139	रैयती	0.180267	चन्दु कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो छुदु महतो, पेसरान–मेघु कुरमी वो पती राम कुरमी, पेसरान–मेघु कुरमी वो पुसा कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो रखलीआ कुरमीन, जौजे मन्दु कुरमी वो बुधु महतो, पेसरान–भगतु कुरमी वो बोधा कुरमी, पेसरान–जगतु कुरमी वो सोखा महतो, पेसरान–भगतु कुरमी	140	141	138	137
43	38	141	रैयती	0.319222	चन्दु कुरमी, पेसरान–भगतु कुरमी वो पुसुआ कुरमी, पेसरान–भगतु कुरमी वो बोधा कुरमी, पेसरान–भगतु कुरमी वो मोसमात रखलीआ कुरमीन जौजे चन्दु कुरमी	142	143	140	139
44	107	142	गैरमजरूआ खास	0.101196	गैरमजरूआ मालिक	144	145	145	141
45	107	147	गैरमजरूआ खास	0.082999	गैरमजरूआ मालिक	148	149	146	145
46	107	152	गैरमजरूआ खास	0.294759	गैरमजरूआ मालिक	153	154	151	150
47	107	270	गैरमजरूआ खास	0.075534	गैरमजरूआ मालिक	271	272	269	268
48	107	633	गैरमजरूआ खास	0.283435	गैरमजरूआ मालिक	634	635	632	631
49	54	144	रैयत	0.208078	पतीराम कुरमी वल्द मेघु कुरमी	145	146	143	142
50	42	151	रैयत	0.504608	तेजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन, वो रजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन	152	153	150	149
51	42	155	रैयत	0.337732	तेजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन, वो रजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन	156	157	154	153
52	42	156	रैयती	0.276765	तेजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन, वो रजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन	157	158	155	154
53	42	157	रैयती	0.456286	तेजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन, वो रजला मोमीन, पेसरान–महमद मोमीन	158	159	156	155
54	45	160	रैयती	0.081438	धरमा कुरमी वल्द रामु कुरमी	161	162	159	158
55	11	264	रैयती	0.468436	गुना कुम्हार वल्द जगतु कुम्हार	265	266	263	262
56	49	265	रैयती	0.558369	नन्दा महतो वल्द दुखीआ महतो वो बनसिंह महतो वल्द जगला महतो	266	267	264	263
57	61	266	रैयती	0.415693	करमा महतो, पेसरान–गोगला महतो वो मानकी महतो वल्द विनोद महतो वो बादीआ महतो, पेसरान–गोगला महतो	267	268	265	264
58	100	267	रैयती	0.082246	खेदना पाहन, पेसरान–गोपाल पाहन वो चेतन पाहन, पेसरान–गोपाल पाहन वो हरी पदो पाहन वल्द भगतु पाहन	268	269	266	265
59	100	268	रैयती	0.471969	खेदना पाहन, पेसरान–गोपाल पाहन वो चेतन पाहन, पेसरान–गोपाल पाहन वो हरी पदो पाहन वल्द भगतु पाहन	269	270	267	266
			कुल	11.533784					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुर्नवास और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30 / 2013), की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार / समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय / विक्रय नही करेगा या ऐसा कोई अंतरण नही करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

उपायुक्त,
राँची

PR 354873 (Land Reforms)25-26*D

5 जुलाई तक श्रावणी मेले की सभी तैयारी पूरी करें : सुदिव्य

भक्तों की सुरक्षा, सुविधा सर्वोपरि, वीआइपी दर्शन- पूजन बंद रहेगा

मेला क्षेत्र में क्यू आर कोड से फीडबैक सिस्टम होगा डेवलप एआई बेस्ड इंटीग्रेटेड मेला कंट्रोल रूम

मेला 11 से 5 अगस्त तक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची, देवघर। 11 जुलाई से 09 अगस्त तक चलनेवाले राजकीय श्रावणी मेला की तैयारी को ले कर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों व कार्यपालक अभियंता को पांच जुलाई तक सभी कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में कहा गया कि इस विश्व प्रसिद्ध मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को लेकर वीआइपी, वीवीआइपी दर्शन पर पूर्ण रूप से रोक रहेगी। तकनीकी के क्षेत्र में एआई बेस्ड इंटीग्रेटेड मेला कंट्रोल रूम, एआई बेस्ड 200 कैमरा, चैट बोर्ड-इन्फॉरमेशन फीडबैक एंड हेल्पलाइन आदि का उपयोग किया जायेगा।

देवघर परिसदन के सभागार में शुक्रवार को आयोजित बैठक में मंत्री को देवघर के डीसी नमन प्रियेश लकड़ा एवं दुमका डीसी अभिजीत सिन्हा ने एक-एक कर विभागवार मेला क्षेत्र में किये जाने वाले विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व नये तकनीकों के उपयोग से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को पीपीटी के माध्यम से उन्हें अवगत कराया।

सुखद अनुभूति ले कर लौटें बम : श्री सोनू ने अधिकारियों से कहा कि ऐसी मुकम्मल व्यवस्था करें कि मेला के दौरान बाहर से आनेवाले श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की नगरी से मधुर स्मृति लेकर वापस लौटें। श्रद्धालु सुलभ व सुरक्षित जलार्पण के साथ एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर सकें। यह हम सभी की जिम्मेवारी व जवाबदेही है। श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष रूप से इंतजाम करने की आवश्यकता है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि यह झारखंड राज्य का सबसे बड़ा मेला है। उन्होंने राजकीय श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को लेकर (आउट ऑफ टर्न दर्शन) भीआईपी, भीभीआईपी दर्शन पर पूर्ण रूप से बंद रहने की बात कही।

तकनीक और समर्पण भाव से हो कार्य

बैठक में मंत्री ने मेला क्षेत्र में सुरक्षा के दृष्टिकोण से बनाये जाने वाले ओपी, ट्रैफिक ओपी, स्वास्थ्य केंद्र, सूचना सह सहायता केन्द्र, विद्युत केन्द्र, पर्यटन केन्द्र, मातृत्व विश्राम गृह, के अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु बनाये जाने वाले टेंट सीटी, मेला क्षेत्र में शौचालय, पेयजल, स्नानगृह, कूड़ेदान, साफ–सफाई व कचड़ा उठाव की व्यवस्थाओं को चौबिसों घंटे दुरूस्त रखने का निदेश दिया। साथ ही प्रकाश, साज–सज्जा, तोरण द्वार एवं विद्युत आपूर्ति को लेकर सुरक्षात्मक उपायों के अलावा वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था की स्थिति को दुरूस्त करने को कहा। तीन स्थलों पर बनाये जाने वाले टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के आवासन की सुविधा को बेहतर और वृहत करने का निर्देश दिया। इसके अलावा गर्मी से निजात के उद्देश्य से मिस्टकूलिंग और इंद्र वर्ष की संख्या में इजाफा करने का निर्देश दिया गया। देवघर और बासुकीनाथ के बीच आवागमन में श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल रखें। अधिकारियों एवं नेशनल हाइवे के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने बाबा मंदिर से निकलने वाले नीर के फिल्ट्रेशन प्लांट को मेला से पहले शुरू करने के साथ ही मंदिर से निकलने वाले फूल, बेलपत्र के निष्पादन वाले प्लांट को शुरू करने का निर्देश भी दिया।

राजद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 21 की जगह अब 19 जून को

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव करने के लिए अब 21 की जगह 19 जून को ही वोटिंग होगी। ज्ञात हो कि इसके पूर्व 12 जून को राज्य के सहायक निर्वाचन पदाधिकारी कलामुद्दीन खान ने 21 जून को वोटिंग कराए जाने की जानकारी मीडिया को दी थी।शुक्रवार को झारखंड राजद संगठन चुनाव के लिए राज्य निवार्ची पदाधिकारी गिरधारी गोप ने 19 जून को मतदान कराए जाने की घोषणा करते हुए चुनाव शेड्यूल की जानकारी सार्वजनिक की। उन्होंने बताया कि 14 जून से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। राज्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधित आदेश मिलने के बाद वोटिंग की नई तिथि घोषित की गई है। प्रदेश राजद के निवार्ची पदाधिकारी गिरधारी गोप ने बताया कि पहली बार अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार बनने के लिए नामांकन निशुल्क होगा। उन्होंने बताया कि राजद का कोई भी सक्रिय सदस्य अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ सकता है। इसके लिए नामांकन पत्र के साथ राज्य परिषद के कम से कम 10 सदस्यों का समर्थन जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि राज्य परिषद सदस्यों की सूची जल्द जारी कर दी जाएगी।

झारखंड प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में ये होते हैं वोटर : झारखंड राजद के सांगठनिक चुनाव संपन्न कराने के लिए राज्य निवार्ची पदाधिकारी बनाये गए गिरधारी गोप ने कहा कि पार्टी संविधान के अनुसार अगर प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए एक से अधिक नामांकन हुआ तो नए अध्यक्ष का चुनाव वोटिंग से होगा। ऐसे में झारखंड राज्य के सभी 24 जिलों के जिलाध्यक्ष और हर विधानसभा क्षेत्र से 01-01 राज्य परिषद सदस्य नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए मतदान करते हैं।

झारखंड राजद चुनाव का शेड्यूल

- प्रदेश कार्यकारिणी एवं प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि- 14 जून 2025 को पूर्वाहन 10:00 बजे से अपरा? 2:00 बजे तक।
- नामांकन पत्रों की जांच की तिथि एवं समय 15 जून पूर्वा?10 बजे से दोपहर 12 बजे तक।
- नामांकन पत्र वापसी की तिथि एवं समय- 15 जून अपरा? 01 बजे से अपरा? 03 बजे तक।
- प्रत्याशियों के नाम का प्रकाशन- 15 जून अपरा? 04 बजे।
- प्रदेश अध्यक्ष राज्य कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के चुनाव 19 जून पूर्वा? 11से अपरा? 03 तक।
- मतों की गिनती एवं परिणामों की घोषणा- 19 जून 2025 अपरा? 03 बजे से अपरा? 05 बजे तक।

खबर एक नजर में

पुलिस की लापरवाही के कारण दो आरोपी बरी

रांची। पुलिस की लापरवाही के कारण आठ साल पुराने अवैध हथियार रखने के आरोप में ट्रायल फेस कर रहा दो आरोपी संतोष उरांव और देव नारायण उरांव को अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार नंबर 2 की अदालत ने शुक्रवार को सबूत के अभाव में बरी कर दिया है। गवाही के दौरान पुलिस गवाह अदालत अपना बयान दर्ज कराने नहीं पहुंचा। चान्हो थाना के तत्कालीन थाना प्रभारी रूपेश कुमार सिंह ने दोनों आरोपियों को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया था। स्वयं ने ही प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस ने सिलागाई के निकट दोनों आरोपियों को अवैध हथियार के साथ 26 फरवरी 2017 को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दोनों के पास से एक देसी लोडेड कप्ता बरामद किया था। उसके निशानदेही पर दूसरा आरोपी के घर के पास जमीन में गाड़कर रखा एक लोडेड राइफल, एक कार्बाइन और एक देसी बम बरामद किया गया था। मामले के सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन पक्ष को केस साबित करने के लिये सात साल का लंबा समय दिया। बावजूद सिर्फ तीन गवाह पहुंचे। वह भी घटना को साबित नहीं कर सका। मामले में दो को छोड़ सभी पुलिस गवाह थे।

आरोपी की जमानत याचिका नामंजूर

रांची। रिश्वत लेने के आरोप में जेल में बंद रामगढ़ स्थित सीसीएल के सिरका कोलियरी के तैनात सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद को आगे जेल में रहना पड़ेगा। उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत शुक्रवार को खारिज कर दी है। अदालत ने याचिका पर गुरुवार को सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई ने बीते 14 मई को रामगढ़ स्थित सीसीएल के सिरका कोलियरी में छापेमारी कर राजेंद्र प्रसाद को 10 हजार रुपये घूस लेते हुये रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में ही है। कोलियरी के मैकेनिकल फिटर जगदीश तांती से इंक्वायरी सेटअप करने के मामले को लेकर राजेंद्र प्रसाद ने 10 हजार रुपये की मांग की थी। जगदीश तांती ने इसकी शिकायत सीबीआई से की।

पांच आरोपियों की एबीपी पर सुनवाई पूरी

रांची। जेपीएससी द्वितीय नियुक्ति घोटाले में चार्जशीटेड पांच आरोपियों की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सीबीआई की विशेष अदालत में हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। अदालत अपना आदेश 16 जून को सुनायेगी। मामले में आरोपी हरि शंकर सिंह मुंडा, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, कानू राम नाग, सियाराम सिंह यादव और रोहित सिन्हा की याचिका पर सुनवाई हुई है। इन लोगों ने अप्रैल महीने में अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुये याचिका दाखिल की है। वहीं, प्रकाश कुमार, मौसमी नागेश एवं हरि शंकर बड़ाईक की याचिका पर 17 जून को भी सुनवाई जारी रहेगी। अदालत ने बीते 7 मार्च को 26 भ्रष्ट अफसरों समेत 64 आरोपियों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए समन जारी किया है।

हत्या के पांच साल पुराने मामले में आरोपी दोषी करार

रांची। अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार नंबर 2 की अदालत ने शुक्रवार को पांच साल पुराने हत्या मामले की सुनवाई करते हुये सनातन बेदिया को दोषी करार दिया है। साथ ही, उसकी सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिये 16 जून की तारीख निर्धारित की है। इसी मामले में ट्रायल फेस कर रहा आरोपी सनातन बेदिया के पिता प्राण बेदिया और मां सरिता देवी को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। हत्या की घटना सिल्ली थाना क्षेत्र के बूढ़ाबेहरा गांव की है। घटना को लेकर मृतक की पत्नी सरस्वती देवी ने 26 जून 2020 को सिल्ली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

आलमगीर आलम की जमानत पर हाइकोर्ट में बहस पूरी, अब 20 जून को ईडी करेगी बहस

टेंडर कमीशन घोटाला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। टेंडर कमीशन घोटाला मामले में आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में आलमगीर आलम की ओर से बहस पूरी हो गई। अब अगली सुनवाई 20 जून को ईडी की ओर से बहस होगी। इस मामले में तत्कालीन चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम भी आरोपी है। 15 मई 2024 को ईडी ने आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वे अबतक जेल में बंद है। टेंडर आवंटन में कमिशन लेने का उनपर आरोप है। टेंडर कमीशन घोटाला मामले को लेकर ईडी ने सबसे पहले 21 फरवरी 2023 को बड़ी कार्रवाई की थी। निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के रांची जमशेदपुर पटना और दिल्ली समेत कई ठिकाने पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद वीरेंद्र राम समेत को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी की दूसरी बड़ी कार्रवाई 6 और 7 मई 2024 को हुई थी। इसमें कई इंजीनियर, कांट्रेक्टर ठेकेदार और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके पीएस संजीव लाल के ठिकाने पर ईडी ने छापेमारी की थी। संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने से ईडी ने 32 करोड़ कैश बरामद किए थे। जिसके बाद जांच की आंच पूर्व मंत्री आलमगीर आलम तक जा पहुंचा था। दो दिनों की पूछताछ के बाद ईडी ने अलमगीर को गिरफ्तार कर लिया था।

शपथ पत्र

मैं मेघनी मसोमात पति स्व. द्वारिका महतो उम्र करीब 53 वर्ष धर्म हिन्दू, पेशा गृहणी राष्ट्रीयता-भारतीय साकिन ग्राम कादोडीह, पो.पड़रिया, थाना मरकच्चो, जिला कोडरमा, इस शपथ के द्वारा निम्नलिखित घोषणा करती हूं किः-

1 यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। तथा मेरा आधार कार्ड न. 824176366905 है।

2 यह कि मेरा नाम मेघनी मसोमात (MEGHANI MASOMAT) हैं परंतु आज के बाद से मैं बेदनी देवी (BEDNI DEVI) के नाम से जानी जाऊंगी हमारा सभी सरकारी दस्तावेज अब से बेदनी देवी के नाम से होगी।

3 यह कि नाम परिवर्तन का कारण यह है कि मेरा पति द्वारिका महतो का वर्ष 1990 में सड़क दुर्घटना के कारण मृत्यु हो गई दुर्घटना से मिली मुआवजा राशि मेरा नाम बेदनी देवी के नाम से इलाहाबाद बैंक शाखा दिल्ली में जमा किया गया।परन्तु उस समय आधार कार्ड नही था, मेरे पति के मृत्यु के पश्चात जब आधार कार्ड बना तो समाजिक मान्यता के कारण मेरा नाम मेघनी मसोमात हो गया।तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर के गलती के कारण बेदनी के जगह पर मेघनी हो गया,तथा सामाजिक मान्यता के कारण देवी के जगह पर मसोमात लगाया गया।अब मुझे बैंक से फिक्स राशि नही मिल पा रहा है इसलिए नाम परिवर्तन कर रही हूं।

4 यह कि उपरोक्त विवरण सही वो सत्य है असत्य पाए जाने पर इसकी सारी जवाबदेही मेरी होगी।

Sl. No. 58
Date. 20/05/2025

सुदेश महतो के निर्देश पर पार्टी के संगठन विस्तार का अभियान तेज

कोल्हान के तीनों जिलों में आजसू की जिला संयोजक मंडली का गठन

संगठन विस्तार के अभियान को गति देगी जिला संयोजक मंडली

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के निर्देश पर संगठन विस्तार के लिए कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों में जिला संयोजक मंडली की नियुक्ति की गई है। केंद्रीय अध्यक्ष की सहमति के बाद पार्टी के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

श्री सहिस ने बताया कि पार्टी की पहले से गठित जिला समिति पूर्ववत अपना नियमित कार्य करती रहेगी, जबकि नवनियुक्त जिला संयोजक मंडली जिले में संगठन के पुनर्गठन के अभियान का नेतृत्व करेगी तथा ग्राम एवं प्रखंड समितियों के गठन तथा विस्तार के कार्यक्रमों के आयोजन को गति देने का काम करेगी। पार्टी ने राज्य के सभी ग्रामों में इकाई गठित करने की कवायद शुरू की है तथा युवाओं एवं महिलाओं को पार्टी से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

श्री सहिस ने बताया कि तीनों जिलों की संयोजक मंडली इस प्रकार है

पूर्वी सिंहभूम : सागेन हांसदा (संयोजक), सुखलाल हेंब्रम, आदित्य महतो, बीरबल महतो, क्रांति सिंह, श्रवण सिंह, डोमन टुडू, संजय मालाकार, बुद्धेश्वर मुर्मू, दीपक अग्रवाल, राजू कर्मकार एवं प्रकाश विश्वकर्मा।

पश्चिमी सिंहभूमः दामू बानरा (संयोजक), नंदलाल बिरुआ, चंद्रमोहन सिंकू, संतोष महतो, अजय कुमार महतो, दिनेश चंद्र महतो, डॉ आनंद महतो, दिनेश चंद्र बोइपाई, प्रताप सिंह देव एवं बिरसा मुंडा।

खरसावां–सरायकेला : सत्यनारायण महतो (संयोजक), अशोक साहू, प्रवीण महतो, सुषेण महतो, अनिल महतो, रामरतन महतो, दुर्गा महतो, दिनेश हांसदा, अंगूर महतो, दिलीप महतो, गौरी लायक, पुलक सत्पथी एवं डॉ सुधीर सिंह।

इसके अलावा जमशेदपुर नगर प्रभारी चंद्रगुप्त सिंह तथा आदित्यपुर नगर प्रभारी रविशंकर मौर्य को नियुक्त किया गया है।

एसआइआरबी-2 के आरक्षी सत्यप्रकाश हत्याकांड में सहकर्मी विलसन गिरफ्तार

कांके थाना में प्रतिनियुक्त है अभियुक्त, पैसा विवाद में हत्याकांड को दिया अंजाम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विधानसभा थाना की पुलिस ने आरक्षी सत्यप्रकाश देहीर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने घटना का अभियुक्त विलसन मालतो (एसआईआरबी-02 खुंटी, झारखण्ड स्थायी पता भतभंगा पहाड़, थाना तालझारी, साहेबगंज) को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त एसआईआरबी-2 का आरक्षी है। मृतक और अभियुक्त सहकर्मी थे। दोनों की प्रतिनियुक्ति कांके थाना में थी। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर हत्याकांड में प्रयुक्त लोहे की पाईप जब्त की है।

इस संबंध में विधानसभा थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह ने बताया कि 9 जून को टुण्डूल रिंग रोड में बने पुल के नीचे एसआईआरबी-2 खूंटी के आरक्षी सत्यप्रकाश देहरी का शव मिला था। पुलिस को अनुसंधान व तकनिकी सहायता से जानकारी मिली कि कांके थाना में प्रतिनियुक्त आरक्षी सत्यप्रकाश देहीर का स्मार्ट फोन चोरी कर इनके खाते से 19 हजार 999 रूपये गेंमिग एप में ट्रांस्फर किया गया था। सत्यप्रकाश देहरी ने सहकर्मी विलसन मालतो पर आरोप लगाया कि इनके मोबाईल का यूपीआई आईडी पासवर्ड जानकर मोबाईल से पैसा ट्रांसफर कर लिया है, जिसको लेकर दोनों में काफी विवाद था। सात जून को विलसन मालतो अपना मोबाईल कांके थाना में छोड़कर स्कूटी से सत्यप्रकाश को खूंटी बजार टांड लेकर गया और वापस लौटने के क्रम में ग्राम टुण्डूल रिंग रोड पुल के पास दोनों में पैसा को लेकर विवाद हो गया, अभियुक्त विलसन मालतो के द्वारा सत्यप्रकाश देहरी को पुल के उपर से नीचे धक्का दे दिया और स्कूटी में रखे लोहे के पाईप से पुल के नीचे जाकर सत्यप्रकाश के सिर पर मारकर हत्या कर दी। विलसन के द्वारा शव को झाड़ी में छुपा दिया गया और फिर वहां से स्कूटी से कांके थाना आकर ड्यूटी करने लगा। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे की पाईप को जब्त किया गया है। पुलिस टीम में पुनि सह थाना प्रभारी प्रकाश रजक, कांके थाना, पुअनि सह थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह, विधानसभा थाना, पुअनि आनन्द पंडित सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

पुलिस ने प्लास्टिक के सौ बोरे में 2900 किलोग्राम डोडा किया जब्त

खरसीदाग क्षेत्र में बंद पड़े घर से ₹43 करोड़ मूल्य का डोडा बरामद

▶▶ घर मालिक मेठो मुंडा फरार, छापामारी जारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। खरसीदाग ओपी क्षेत्र में बंद पड़े घर से पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा बरामद किया है। पुलिस ने प्लास्टिक के 100 बोरे में कुल 2900 किलोग्राम डोडा (पोस्ता का फल) जब्त की है।

रांची पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खरसीदाग ओपी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोविंदपुर निवासी मेठो मुण्डा के घर में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ के रूप में अफीम डोडा का भंडारण किया गया है। उक्त सूचना पुलिस टीम का गठन किया गया और गोविंदपुर स्थित मेठो मुंडा के घर की घेरा बंदी की गयी। घर में कोई भी व्यक्ति उपस्थित नहीं था। घर में ताला बंद पाया गया। स्थानीय गवाह और छापामारी दल में शामिल दण्डाधिकारी की उपस्थिति में घर का ताला तोड़कर विधिवत तलाशी ली गयी। तलाशी में घर में भारी मात्रा में मादक पदार्थ डोडा का भण्डारण पाया गया जो सफेद रंग के कई प्लाष्टिक के बोरे में बंद कर रखा हुआ था। सभी 100 बोरे का वजन करने पर कुल 2900 किलोग्राम डोडा पाया गया। उपस्थित आस पास के लोगों से मेठो मुण्डा के बारे में पूछताछ करने पर बताया कि ये मेठो मुण्डा का यह पुराना घर है, नया घर मांगुबांध में है। घटना स्थल घर को काफी दिनों से बंद होना बताया गया तथा किसी भी व्यक्ति को इस घर में काफी समय से निवास नहीं करने की बात बतयी गयी। उसके बाद मेठो मुंडा कि गिरफ्तारी के लिए मांगुबांध स्थित उसके दूसरे घर पर छापामारी की गयी लेकिन, वह घर से फरार मिला।

बरामद डोडा का अनुमानित बाजार मूल्य 43 करोड़ पांच लाख रुपया है। मकान मालिक तथा आपूर्ति कर्ता, भण्डारण कर्ता एवं शामिल अन्य को चिन्हित कर उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में अरविंद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-2, भवेश कुमार ओपी प्रभारी खरसीदाग सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

रांची रेलवे स्टेशन से छह नाबालिग का हुआ रेस्क्यू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आरपीएफ पोस्ट रांची एवं एंटी हयूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) व नन्हे फरिश्ते टीम ने गुरुवार को रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान छह नाबालिग लड़कों को संदिग्ध अवस्था में बैठा पाया गया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम व पता पवन कुमार (14 वर्ष), पिता- गौरकी मांझी, निवासी - रसूना, जिला गया (बिहार), रोहित कुमार (17 वर्ष), पिता- वीरू मांझी, निवासी - शिवराजपुर, थाना मुफस्सिल, जिला गया (बिहार), नीतेश कुमार (16 वर्ष), पिता- पप्पू मांझी, निवासी - मोचरिम, पोस्ट - बोधगया, जिला गया (बिहार), करन कुमार (16 वर्ष), पिता- दिनेश मांझी, निवासी - लोडीपुर, थाना मुफस्सिल, जिला गया (बिहार), विक्रम कुमार (16 वर्ष), पिता- महेश मांझी, निवासी - भोला बिगहा, पोस्ट एवं थाना - मोचरिम, जिला गया (बिहार), रौशन कुमार (14 वर्ष), पिता- बलकुमान मांझी, निवासी- सियाजपुर, थाना - बोधगया, जिला गया (बिहार) बताया। पूछताछ में सभी बालकों ने बताया कि वे काम की तलाश में गया से बाहर निकले थे। कार्रवाई करते हुए आरपीएफ टीम ने सभी बच्चों को रेस्क्यू किया। सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर उन्हें चाइल्डलाइन रांची को सौंपा गया, ताकि उन्हें उचित देखभाल, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिल सके।

टीम में उप निरीक्षक सोहन लाल, उप निरीक्षिका सुनीता तिर्की, स्टाफ अभिषेक कुमार यादव, सुचिता प्रभा टोप्पो, संगीता कच्छप सहित अन्य शामिल थे।

आईजी ने एसएसपी कार्यालय में की समीक्षा बैठक, दिये कई निर्देश

ट्रैफिक व्यवस्था में होगा सुधार : आइजी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। दक्षिणी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, रांची के आईजी मनोज कौशिक ने शुक्रवार को डीआईजी सह एसएसपी रांची के कार्यालय स्थित सभागार में डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर, ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली, रांची और सभी डीएसपी के साथ रांची जिला के यातायात एवं विधि-व्यवस्था संधारण के विषय पर एक समीक्षा बैठक किया गया। इस बैठक में रांची जिला अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण यातायात संधारण एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गये हैं।

1. राजधानी रांची में ट्रैफिक हेल्पलाइन/व्हाट्सएप नंबर जारी किया जाएगा, जिसमें आम जनता की ट्रैफिक से संबंधित समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा।
2. सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम, संबंधित थाना और यातायात थाना के परस्पर समन्वय से अभियान चलाया जाएगा।
3. ट्रैफिक जाम की समस्या का निवारण के लिए संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी एवं यातायात थाना पदाधिकारी की संयुक्त जिम्मेवारी तय की जाएगी।
4. रोड इंजीनियरिंग से संबंधित समस्या को भी जिला प्रशासन के सहयोग से सुचारु रुप से चालू किया जाएगा।
5. बच्चों के स्कूल में आगमन और प्रस्थान के समय में भी ट्रैफिक संबंधित समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
6. अनावश्यक कट, जिससे यातायात नियमों के पालन करने में बाधाएं उत्पन्न कर रही है, को चिन्हित करते हुए बंद किया जाएगा।
7. जनता से अपील की गई है कि अपने लंबित चालान शुल्क को यथाशीघ्र जमा करवाकर चालान का निष्पादन करें।
8. ट्रैफिक वॉलेंटियर बनकर यातयात संधारण में सहभागिता हेतु आम जनता के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी किया जाएगा।
9. गूगल इंडिया के साथ जल्द ही मीटिंग कर गूगल मैप में रूट-लाइन की जानकारी अपडेट की जाएगी।

खबर एक नजर में

सीएम हेमंत से मिले बिहार के भवन मंत्री

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में बिहार सरकार में भवन निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ अशोक चौधरी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

राज्यपाल से पुलिस अफसरों ने की मुलाकात

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में शुक्रवार को रांची के सिटी एसपी अजीत कुमार एवं एसपी ग्रामीण पुष्कर ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने रांची में विधि व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। दोनों पदाधिकारियों को कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाये रखने के निर्देश दिये। कहा कि प्रभावी पुलिसिंग से ही कानून व्यवस्था ठीक रखी जा सकती है।

स्टेशन पर अवैध शराब सहित युवक गिरफ्तार

रांची। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को आरपीएफ पोस्ट रांची व फ्लाइंग टीम द्वारा ऑपरेशन 'सतर्क' के तहत रांची रेलवे स्टेशन पर प्रतिबंधित वस्तुओं, संदिग्ध गतिविधियों तथा अपराधियों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेन संख्या 15027 एक्सप्रेस जब प्लेटफॉर्म पर पहुंची, तो आरपीएफ टीम ने कोच नंबर बी-2 में बैठे एक व्यक्ति को संदेह के आधार पर जांच हेतु रोका। पूछताछ और जांच के दौरान उसके पिट्ठू बैग से कुल 13 शराब की बोतलें बरामद की गई, जिसकी कुल बाजार मूल्य 11,670 रूपये है। पूछताछ में व्यक्ति ने अपनी पहचान अमित कुमार, 36 वर्ष, पिता रामपबोध सिंह, निवासी महेन्द्रपुर, थाना-नयागांव, जिला-बेगूसराय (बिहार) के रूप में दी है। गिरफ्त में आये अभियुक्त ने बताया कि वह उक्त शराब को ओड़िशा के जगदलपुर से खरीदकर बिहार के बरौनी ले जा रहा था, जहां उसे अधिक कीमत पर बेचने की योजना थी। एएसआईअनिल कुमार द्वारा विधिक प्रक्रिया के तहत मौके पर ही शराब जब्त की गई तथा आरोपी को गिरफ़्तार कर आरपीएफ पोस्ट रांची लाया गया। टीम में उप निरीक्षक सोहन लाल, एएसआई अनिल कुमार, स्टाफ आर. सिंह, डी.के. जीतारवाल, प्रदीप कुमार, हेमंत सहित अन्य शामिल थे।

अवैध निकासी मामले में चालक गिरफ्तार

रांची। साईबर क्राइम थाना की पुलिस ने चार लाख 96 हजार की अवैध निकासी करने के आरोप में अभियुक्त नवीन बनर्जी को सिमलिया, कटहल मोड़ से गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आया अभियुक्त मांझी टोली, बुण्डु का रहनेवाला है। अभियुक्त के पास से विभिन्न कंपनी के सिम व मोबाइल जब्त की गई है। जिसमें एक सिम पीड़ित का है। बता दें कि 14 अक्टूबर 2024 को बरियातु थाना क्षेत्र में रहनेवाले वादी अभिशीर्ष प्रसाद ने साईबर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी कि इनके पिताजी का मोबाईल नंबर-8825289392 अचानक काम करना बंद कर दिया। दिनांक 12 अक्टूबर 2024 को वादी बैलेन्स चेक करने के लिए बैंक गये तो पाये कि इनके पिता जी का स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता सं०-36714683570 जिसके साथ मोबाईल नम्बर-8825289392 पंजीकृत है, से अवैध रूप से दिनांक 7 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2024 तक कुल राशि 4 लाख 96 हजार 701 रूपये की निकासी की गयी है। इस घटना के अनुसंधान के दौरान ज्ञात हुआ कि पीड़ित के ड्राईवर ने अपने सहयोगी हर्षित के साथ मिलकर उनके खाते से पैसे की निकासी की है। पीड़ित लकवा रोग से ग्रसित है, जिसका फायदा उठाते हुए पीड़ित के मोबाईल फोन से उनके ड्राईवर नवीन बनर्जी ने पहले उनके सीम को निकाल कर अपने फोन में लगाया, उसके बाद फोन-पे यूपीआई बनाकर पैसा की निकासी कर विभिन्न सीएसपी संचालकों एवं अपने मित्रों के खातों में पैसे भेजा। अभियुक्त को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम में पुनि राहुल कुमार मिश्रा, साईबर अपराध थाना, पुनि कुमार गौरव, साईबर अपराध थाना, पुनि पंकज कुमार, साईबर अपराध थाना, रांची शामिल थे।

ग्रामीण क्षेत्र में रांची पुलिस की बनायी गयी थी 60 टीम

पुलिस ने फरार 121 वारंटियों को भेजा जेल

216 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों ने 181 ठिकानों पर की छापेमारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में रांची पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न आपराधिक मामलों में फरार चल रहे 121 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसमें 21 लोगों के बेल के दस्तावेज दिखाने के बाद छोड़ दिया गया। जेल भेजे जाने वाले प्रतिबंधित अपराधी और उग्रवादी संगठन से संबद्ध लोग भी शामिल हैं, जो लंबे समय से फरार थे। सभी की गिरफ्तारी जिला के ग्रामीण थाना क्षेत्र से हुई है। 25 थाना और ओपी पुलिस की ओर से गुरुवार की रात में वारंट निष्पादन करने को लेकर एस ड्राइव चलाया गया। सभी वारंटियों को शुक्रवार को कांके रोड स्थित न्यू पुलिस लाइन लाया गया, जहां से सभी को शाम में न्यायिक हिरासत में होटवार जेल भेज दिया गया। जेल भेजे गये वांछितों में बुंडू, नगड़ी और लापुंग थाना क्षेत्र में घटित नक्सल घटना में शामिल तीन लोग भी शामिल हैं। इसके अलावा गिरफ्तार वारंटियों में हत्या, आर्म्स एक्ट, चेक बाउंस, धोखाधड़ी, ठगी, रंगदारी, प्रताड़ना, मारपीट, चोरी, लूट, डकैती, हत्या की नीयत से हमला, अपहरण, अवैध खनन, मोटर दुर्घटना समेत विविध आपराधिक मामलों में शामिल अपराधी भी हैं। इनमें से कई लंबे समय से फरार थे और कई जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद से पुलिस की नजरों से बचते फिर रहे थे। वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिसकर्मियों की 60 टीम बनाई गई थी। इसमें शामिल पुलिसकर्मियों ने वारंटियों की धर-पकड़ के लिए 181 स्थानों पर छापामारी की थी। इसी क्रम में सभी की गिरफ्तारी हुई।

डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि पुलिस टीम के द्वारा रांची जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 25 थाना क्षेत्र में गुरुवार से लेकर शुक्रवार तक अभियान चलाया गया था। इस अभियान को लेकर कुल 60 टीम बनाया गया था, जिसमें 216 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे। इन टीमों के द्वारा 181 ठिकानों पर छापेमारी कर 121 वारंटी को पकड़ कर जेल भेजा गया है। यह कार्रवाई रांची में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण के उद्देश्य किया गया है।

जगन्नाथपुर रथ मेला का टेंडर 51.51 लाख रुपये में फाइनल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची के एचईसी क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला को लेकर मंदिर न्यास समिति द्वारा आयोजित टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है और इस बार 51.51 लाख रुपये की बोली लगाकर मेला आयोजन का जिम्मा एक स्थानीय वेंडर को सौंपा गया है। इस बार रथ मेला 27 जून से 6 जुलाई 2025 तक आयोजित होगा और करीब 41.27 एकड़ क्षेत्रफल में भव्य रूप से सजाया जाएगा।

31 लाख से शुरू हुई थी बोली, 51.51 लाख पर जाकर रुकी : इस बार न्यूनतम बोली 31 लाख तय की गई थी, लेकिन कई दावेदारों के बीच मुकाबले के बाद 51.51 लाख रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाकर यह टेंडर फाइनल हुआ। टेंडर जीतने वाले वेंडर को मेले में दुकानें, बाजार, झूले और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति मिलेगी, हालांकि सभी कार्य मंदिर न्यास समिति की निगरानी में होंगे।

इन व्यवस्था पर वेंडर की होगी जिम्मेवारी

- मेला परिसर में सीसीटीवी और रोशनी की उचित व्यवस्था
- रथ मार्ग से तय दूरी पर ही स्टॉल और दुकानें लगाना अनिवार्य
- भीड़ प्रबंधन, सफाई और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था
- टेंडर फाइनल होने के बाद तीन दिन में 50% राशि बैंक ड्राफ्ट से जमा, शेष के लिए बैंक गारंटी देना अनिवार्य
- मेला समाप्त होने के बाद 6 जुलाई तक शेष राशि का भुगतान

पिछले वर्ष की तुलना में बोली

2025: इस बार 51.51 लाख में हुआ टेंडर

मंदिर न्यास समिति ने कहा है कि इस बार का मेला पहले से अधिक व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक होगा। भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और साफ-सफाई पर खास ध्यान दिया जाएगा।

सीसीएल और अर्पिता महिला मंडल ने मिलकर लगाये पेड़, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस- 2025 पखवाड़ा के समापन समारोह में अर्पिता महिला मंडल ने किया पोधरोपण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सीसीएल ने अर्पिता महिला मंडल के सहयोग से गांधी नगर स्थित कार्यकारी छात्रावास प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस-2025 पखवाड़ा का समापन समारोह का आयोजन किया। इस वर्ष आयोजन की थीम था 'एक पेड़ माँ के नाम'।

कार्यक्रम में सीसीएल परिवार के 250 से अधिक सदस्य, जिनमें अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएं एवं बच्चे शामिल थे। भवनात्मक जुड़ाव से प्रेरित इस अभियान के तहत 75 पौधे रोपे गए और 100 से अधिक पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अपने घरों में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया गया।

ज्ञात हो कि यह आयोजन 1 जून से चल रहे 'पर्यावरण जागरूकता पखवाड़ा' का समापन कार्यक्रम था। इस दिन कर्मचारियों के लिए क्विज प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करने हेतु भव्य पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह ने किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, 'प्रकृति की रक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सभी को प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर अगली पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने फलों के बीजों के पुनः उपयोग द्वारा प्राकृतिक बीज प्रसार को प्रोत्साहित करने की अपील की, और एकल-प्रयोग प्लास्टिक के उन्मूलन को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। कार्यक्रम में अर्पिता महिला मंडल की उपाध्यक्ष रीता तिवारी, रूपा रानी और इंदु मिश्रा ने पर्यावरण संतुलन, महिला सहभागिता और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखायी।

सीएमपीडीआई ने दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के बीच एड्स और सहायक डिवाइस का किया वितरण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-4, नागपुर ने अपनी सीएसआर पहल के तहत महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से एड्स एवं सहायक डिवाइस वितरित किया। सीएमपीडीआई ने भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) और चंद्रपुर जिला प्रशासन के सहयोग से क्रमशः राजुरा, चंद्रपुर शहर और वरोरा में डिवाइस एवं यंत्रों का वितरण किया। इस अवसर पर राजुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवराव विठोबा भोंगले, क्षेत्रीय निदेशक राजेश रल्हान, सीएमपीडीआई व एलिम्को तथा चंद्रपुर जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सीएमपीडीआई समावेशी विकास, सामाजिक समावेश और सामुदायिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए सीएसआर पहल से चंद्रपुर जिले के 442 दिव्यांग लाभार्थियों तथा 186 वरिष्ठ नागरिक लाभार्थियों सहित कुल 628 चयनित लाभार्थी के बीच उनके जरूरत के मुताबिक 42 मोटराज्ड बैटरी चालित ट्राइसाइकल्स, 144 तिपहिया साइकल्स, 208 व्हील चेयर्स, 07 सीपी चेयर्स, 280 वॉकिंग स्टिक, 50 स्मार्ट केन, दृष्टिबाधित जनों के लिए 15 स्मार्ट फोन, 208 श्रवण यंत्र, 372 घुटने के ब्रेस, 127 सिलिकॉन कुशन और 19 कमोड स्टूल वितरित किए गए। सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-4, नागपुर ने इसके लिए फरवरी, 2025 में एलिम्को के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था और मार्च, 2025 में आयोजित मूल्यांकन शिविरों के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान की गयी थी।

सफलता की उड़ान भरने वाले विद्यार्थियों का सम्मान जरूरी : शिल्पी नेहा तिर्की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि सफलता की उड़ान भरने वाले विद्यार्थियों का सम्मान जरूरी है। वह शुक्रवार को मांडर कॉलेज परिसर में 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण विभिन्न स्कूलों के करीब 300 मेधावी छात्रों को राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि साल 2005 में पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर अंक लाकर उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए प्रतिभा सम्मान की शुरुआत की थी। सफलता की उड़ान भरने वाले मांडर प्रखंड के छात्रों को शुक्रवार को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, कड़ी मेहनत, लगन और लक्ष्य को पाने की जिद से सफलता हासिल की जा सकती है। इसका ताजा उदाहरण दिहाड़ी मजदूर की बेटी से लेकर खोमचा वाले परिवार के बेटा- बेटी के नाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को मिलने वाला ये सम्मान और प्रमाण पत्र छात्रों को हर दिन अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा कि छात्रों का आचरण ही उनकी सफलता की राह तय करेगा। लेकिन भविष्य की सफलता के लिये सही सोच और दिशा का चयन करना होगा। उन्होंने मांडर कॉलेज को विश्वविद्यालय के तौर पर तैयार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 13 करोड़ की लागत से भवन का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के लिए जरूरी मापदंड को पूरा करने का काम किया जा रहा है। ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा के सफल छात्रों को हवाई जहाज से एजुकेशन टूर भी कराया जायेगा। प्रतिभा सम्मान समारोह में मांडर कॉलेज के प्राचार्य एएन शाहदेव, बीडीओ चंचला कुमारी, फिलिप सहाय एक्का, अमानत अंसारी, मंगा उरांव, मोजिबुल्ला, सेराफिना मिंज, सरिता देवी, नसीम अंसारी, जुएब अंसारी, होसे उरांव, जुवेल तिग्गा, अर्जुन महतो, चिंतामणि सहित स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक मौजूद थे।

पीएनबी अंचल प्रमुख ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

रांची। पंजाब नैशनल बैंक रायपुर अंचल के अंचल प्रबंधक आशीष कुमार चतुर्वेदी ने शुक्रवार को रांची मंडल का आधिकारिक दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने झारखंड राज्य की मुख्य सचिव अल्का तिवारी से शिष्टाचार भेंट की और बैंक को सरकारी व्यवसाय उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया। अपने दौरे के पहले दिन श्री चतुर्वेदी ने रांची मंडल के समस्त विभागों अंतर्गत शाखाओं की व्यावसायिक प्रगति की गहन समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने शाखा प्रबंधकों को उनके लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रेरित किया तथा अभियानात्मक कार्यप्रणाली अपनाने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने एसएनजी रोड, रांची स्थित बैंक के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन किया। इस समारोह में रांची मंडल प्रमुख अवधेश कुमार झा, उप-मंडल प्रमुख नितिन कुमार बंका सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर एक नजर में

मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह हुई शामिल

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह शुक्रवार को रांची में वर्ल्ड ब्लड डोनर डे के उपलक्ष्य में बीएनआई रांची द्वारा आयोजित मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में सम्मिलित हुईं। उन्होंने कहा कि रक्तदाताओं का उत्साह और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अत्यंत प्रेरणादायक रही। हर एक यूनिट रक्त, किसी ज़िंदगी के लिए नई आशा, नया जीवन बन सकता है। आप सभी का यह योगदान न केवल सराहनीय है, बल्कि समाज के लिए एक मिसाल भी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह प्रयास कर रही है कि बेस्ट क्वालिटी के ब्लड सभी मरीजों को मिले, ताकि जीवन को बचाया जा सके।

विमान दुर्घटना के मृतकों को सरला बिरला विश्वविद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

रांची। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के मृतकों को शुक्रवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो सी जगनाथन ने कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत दुखद है, जिसने न केवल उन परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, बल्कि समूचे राष्ट्र को भी शोकाकुल कर दिया है। बांग्लादेश में एक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हिंसक भीड़ द्वारा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास में तोड़फोड़ किए जाने की घटना पर भी उन्होंने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि अपराधियों को यह स्मरण होना चाहिए कि गुरुदेव किसी मजहब या जाति के नहीं, बल्कि एक वैश्विक व्यक्तित्व हैं। कार्यक्रम में विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने कहा कि हम सभी की संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं। कार्यक्रम के अंत में अहमदाबाद विमान दुर्घटना के मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राज्यपाल से मिला वाल्मीकि महासभा का प्रतिनिधिमंडल

रांची। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के शिष्टमंडल ने शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे समाज की समस्याओं को गंभीरता से लेंगे और उनके समाधान के लिये आवश्यक कदम उठायेंगे।

डॉ शोभा चक्रवर्ती की याद में शोकसभा का आयोजन

रांची। डॉक्टर्स वाइव्स एसोसिएशन ने अपनी संरक्षिका प्रोफेसर डॉ शोभा चक्रवर्ती की याद में शोकसभा का आयोजन शुक्रवार को आईएमए हॉल में किया। मौके पर एसोसिएशन की चेयरपर्सन विनीता शरण और फाउंडर एंड को-चेयरपर्सन झूमा सरकार ने कहा कि डॉ चक्रवर्ती का निधन मेडिकल जगत और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मौके पर अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए यात्रियों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर डॉक्टर निवेदिता चक्रवर्ती, अध्यक्ष आरती सिंह, सचिव अंजू कुमारी सिंह उपस्थित थीं।

मोरहाबादी में ऑटो चालकों की बैठक 29 जून को

रांची। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह प्रदेश सचिव रमाशंकर सिंह प्रदेश कोषाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह प्रदेश सलाहकार मंत्री आनंद वर्मा एवं महासंघ के सदस्य मुन्ना गिरी, पाठक जी, शर्मा जी व लेबर यूनियन चतरा जिला के महासचिव महेश साहू उर्फ भगत जी की उपस्थिति में शुक्रवार को एक बैठक की गई। इस बैठक में 14 जून को मोरहाबादी में बैठक में होने वाले कार्यक्रम को स्थागित करते हुए 29 जून को आयोजित करने व कार्यक्रम में यातायात एसपी, डीटीओ, रांची सहित अन्य अधिकारियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि बैठक में अधिकारियों के साथ रांची शहर के हर प्रमुख चौक चौराहा पर अवैध वसूली से मुक्ति दिलाने हेतु चर्चा की जाएगी। शनिवार को यातायात एसपी, परिवहन सचिव, रांची डीटीओ व नगर निगम आयुक्त से महासंघ के प्रतिनिधि मुलाकात करेंगे।

मानवधिकार मिशन का मना स्थापना दिवस

रांची। रेड क्रॉस भवन में शुक्रवार को मानवधिकार मिशन झारखंड का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिशन के प्रदेश अध्यक्ष पी.के. लाला एवं महासचिव दीपक कुमार ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में समाजसेवी अशुतोष द्विवेदी एवं नर सेवा नारायण सेवा संस्था से जुड़े बीरेंद्र गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

झारखंड राज्य जल संसाधन आयोग के गठन का संकल्प जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जल संसाधन विभाग ने झारखंड राज्य जल संसाधन आयोग के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। आयोग का कार्यकाल दो वर्षों का होगा। इस अवधि में आयोग पर कुल 23.97 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सरकार द्वारा जारी संकल्प में आयोग के लिए टर्म ऑफ रिफ्रेंस निर्धारित किया गया है। साध ही आयोग के लिए त्रिस्तरीय समिति का स्वरूप भी निर्धारित किया गया है।

त्रिस्तरीय समिति का स्वरूप : विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति में विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष के अलावा जल संसाधन सचिव और अभियंता प्रमुख एक और दो सदस्य के रूप में शामिल होंगे। आयोग के कार्यकारी समिति में अनुभवी अभियंता, जल संसाधन विशेषज्ञ, वन पर्यावरण विशेषज्ञ, कृषक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य के ख्याती प्राप्त विशेषज्ञ, उपकुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा नामित व्यक्ति सदस्य के रूप में शामिल होंगे। आयोग के लिए एक तकनीकी समिति का गठन होगा। इसमें जल संसाधन विभाग के कार्यरत कर्मचारियों व पदाधिकारियों को शामिल किया जायेगा।

इंटरमीडिएट साइंस, कॉमर्स और ऑट्‌र्स डिस्ट्रिक्ट टॉपर्स को सम्मान

- **उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने तीनों संकायों के जिला टॉपर को शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो प्रदान कर किया सम्मानित**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जैक इंटरमीडिएट के डिस्ट्रिक्ट टॉपर के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा। साइंस, कॉमर्स और ऑट्‌र्स के जिला टॉपर को उनकी उपलब्धि पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा तीनों संकायों के जिला टॉपर को शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी होनहार बेटियों से बारी-बारी से बात की। सभी से उन्होंने पूछा कि आगे क्या बनना चाहती हो। उपायुक्त ने जिला टॉपर्स से कहा कि सभी कड़ी मेहनत करें और भविष्य में जो बनने का इरादा है, उसे प्राप्त करें। उन्होंने जिला टॉपर्स के माता-पिता की विकट परिस्थितियों में भी अपने बच्चों को शिक्षित करने की मंशा की प्रशंसा की।

उपायुक्त द्वारा इन्हें किया गया सम्मानित

1. मुस्कान कुमारी, पिता- जितेन्द्र साव, योगदा सत्संग महाविद्यालय की छात्रा हैं। वाणिज्य संकाय में इन्होंने 94.2 प्रतिशत के साथ जिला में पहला और राज्य में पांचवां स्थान प्राप्त किया है।
2. विज्ञान संकाय में जिया श्रीवास्तव, पिता-गौतम कुमार श्रीवास्तव एवं मुस्कान कुमारी, पिता- महेन्द्र प्रसाद, उसुर्लाइन इंटर कॉलेज की छात्रा हैं। जिया ने 94.6 प्रतिशत अंकों के साथ जिला में पहला और राज्य में चौथा स्थान हासिल किया है।
3. कला संकाय में उसुर्लाइन इंटर कॉलेज की छात्रा अनन्या पॉल, पिता- नवीन पॉल ने 92.6 प्रतिशत अंक के साथ जिला में प्रथम और राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया है।

भक्ति की व्याख्या नहीं हो सकती, व्याख्या ज्ञान की होती है : श्रीकांत महाराज

रांची। अग्रसेन भवन के सभागार में श्री मद्भागवत कथा के पहले दिन शुक्रवार को श्रीमति लता देवी केडिया, ओम प्रकाश केडिया, निरंजन, अजय, संजय केडिया संग परिवार द्वारा श्री मदभागवत व ब्यास पूजन किया गया। कथा वाचक श्रीकांत महाराज ने कहा भक्ति की व्याख्या नहीं हो सकती व्याख्या ज्ञान की होती है। गुरु कहते हैं भगवत स्मरण ही जीवन का सार है। मानव परम शांति को प्राप्त कर धन्य धन्य हो जाता है। आध्यात्मिक, आधी भौतिक, आधी दैविक तीनों दुखों की समूल निवृत्ति भगवन नाम से ही है। भागवत में सनक, सनन्दन, सनकादि भी दंड कमंडल छोड़कर भक्ति की ही शरणागति चाहते हैं। संसार रूपी महासागर से भक्ति रूपी नौका गंतव्य तक पहुंचा ही देगी। योग और ज्ञान से भी भक्ति सर्वोच्च है। भक्ति का सर्वोच्च शिखर भी यही है कि भक्त और भगवान में एक तत्वता हो जाए। जो आप हैं वही मैं हूं। इसके पूर्व प्रातः 8:00 बजे रातू रोड स्थित श्री राणी सती मंदिर प्रांगण से श्रीमद् भागवत मंगल कलश शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में मुख्य रूप से ओमप्रकाश केडिया, निरंजन, अजय, संजय केडिया, राजेश गोयल, निर्मल बुधिया, मनोज अग्रवाल, प्रमोद सारस्वत, दीपक अग्रवाल, श्रेष्ठ केडिया, देवांश केडिया, नवीन सराफ, स्वाति राजगढ़िया, संगीता गोयल, श्वेता सरावगी, संगीता बुधिया, निशा राजगढ़िया, मोनिका चौधरी, मीणा बंसल, पायल, महेंद्र जालान, महेंद्र राजगढ़िया, मुकेश कुमार सहित काफी संख्या में लोग थे।

23 जून को कृषक मित्रों का महाजुटान, मानदेय को लेकर होगा कृषि मंत्री आवास का घेराव

रांची। राज्यभर के कृषक मित्रों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। 23 जून को पंडरा बाजार स्थित कृषि मंत्री आवास के समक्ष एकदिवसीय घेराव प्रदर्शन आयोजित किया जायेगा। इस महाजुटान में प्रदेश के कोने-कोने से हजारों कृषक मित्रों के शामिल होने की संभावना है। प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार भगत ने कहा कि यह आर-पार की लड़ाई है। जब तक हमें सरकार की ओर से सम्मानजनक मानदेय नहीं दिया जाता, हमारा आंदोलन लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि वे पिछले 15 वर्षों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन अब तक सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। गौरतलब है कि 27 मई से राज्यभर के कृषक मित्र हड़ताल पर हैं। इससे खरीफ फसल की तैयारी सहित मिट्टी जांच जैसे अहम कृषि कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। स्थिति यह है कि सिर्फ औपचारिकतायें पूरी की जा रही हैं। जबकि जमीनी स्तर पर काम ठप पड़ा है।

पेप्स इंडस्ट्रीज लेकर आया नई पीढ़ी के लिए स्लीप सॉल्यूशंस

- **नई परिभाषा गढ़ने के लिए ब्रांड ने चार नई प्रोडक्ट सीरीज लॉन्च की**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भारत के अग्रणी स्लीप सॉल्यूशंस ब्रांड पेप्स इंडस्ट्रीज ने झारखंड और बिहार के उपभोक्ताओं के लिए विशिष्ट रूप से डिजाइन किए गए शानदार गद्दों की नवीनतम श्रृंखला लॉन्च की है, जो विश्वस्तरीय नींद का अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। नवाचार और किफायती मूल्य निर्धारण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, पेप्स ने पेप्स कम्फर्ट, पेप्स सुप्रीम और पेप्स रेस्टोनिक मेमोरी फोम नामक तीन नई प्रोडक्ट सीरीज पेश की हैं, जो आराम, सहारे और स्थायित्व की परिभाषा को एक नई दिशा देती हैं।

शुक्रवार को पेप्स इंडस्ट्रीजके सीईओ जी. शंकर राम ने कहा हमारी नई गद्दों की रेंज का लॉन्च नवाचार, गुणवत्ता और किफायतीपन के प्रति पेप्स की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। उपभोक्ता जब बेहतर नींद के विकल्प खोज रहे हैं, ऐसे में पेप्स कम्फर्ट, पेप्स सुप्रीम और पेप्स रेस्टोनिक मेमोरी फोम उनकी सभी जरूरतों को पूरा करते हैं। इस मौके पर कंपनी के राजेश एस, संजय झा, गोविंद सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आजसू के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिलकर कानून-व्यवस्था पर जताई चिंता

रांची। आजसू पार्टी के एक शिष्टमंडल ने शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि वर्ष 2025 में अब तक राज्य में लगभग 400 लोगों की हत्या हो चुकी है, जो चिंताजनक है। शिष्टमंडल ने हाल के दिनों में घटित विभिन्न हत्या की घटनाओं की ओर भी राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया।

प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री पर राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग

- **कागजों पर बंद, बाजार में चालू- मादक पदार्थों की बेलगाम बिक्री चिंतनीय : अबुआ अधिकार मंच**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में प्रतिबंधित मादक पदार्थों जैसे गुटखा, पान मसाला, तंबाकू आदि की खुलेआम बिक्री और इसके चलते युवाओं पर पड़ रहे गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर शुक्रवार को अबुआ अधिकार मंच के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में मुलाकात कर हस्तक्षेप की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मंच के अध्यक्ष गौतम सिंह ने किया, जिनके साथ अंजना कुमारी, नीरज वर्मा, शौविक भट्टाचार्य एवं शगुफ्ता उपस्थित रहीं। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि राज्य सरकार द्वारा इन घातक उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंध केवल आदेशों और फाइलों तक सीमित रह गए हैं। झारखंड के हर गली-मोहल्ले, चौक-चौराहे, बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और यहां तक कि विद्यालयों व महाविद्यालयों के आस-पास भी इन पदार्थों की धड़ल्ले से बिक्री जारी है।

अबुआ अधिकार मंच के अध्यक्ष गौतम सिंह ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन पदार्थों पर राज्य में पूर्ण प्रतिबंध है, वे आज बेरोकटोक बिक रहे हैं।

मंच ने राज्यपाल से मांग की है कि इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए राज्य स्तर पर एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए, जिसकी कमान एक ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी को सौंपी जाए। यह टास्क फोर्स राज्य के सभी जिलों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण और तस्करी की निगरानी कर दोषियों पर त्वरित व कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे।

पत्रकारों पर प्रतिबंध, दलालों बिचौलियों को खुली छूट : विजय

- **भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के आदेश को बताया तुगलकी फरमान**
- **खामियां उजागर होने नहीं देना चाहती राज्य सरकार**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता बिजय चौरसिया ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के यू ट्यूबरों और पत्रकारों के अस्पतालों में प्रवेश पर प्रतिबंध को तुगलकी फरमान करार दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों में मंत्री ने दलालों, बिचौलियों के हस्तक्षेप और प्रवेश पर खुली छूट दे रखी है, दूसरी ओर सच्चाई उजागर करते राज्य के यू ट्यूबरों और पत्रकारों पर प्रतिबंध लगाने का तुगलकी फरमान जारी किये हैं। उन्होंने कहा सरकार अपनी ही नाकामियों से डरी हुई है। राज्य सरकार चीजों को सुधारने के बजाय उसे छिपाने के घृणित प्रयास में लगी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपने बड़बोले स्वास्थ्य मंत्री को आगे करते हुये सेंसरशिप का जनविरोधी कदम उठाया है। प्रेस की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जनता की सूचना के अधिकार पर क्रूर प्रहार है। उन्होंने कहा यह सेंसरशिप का नंगा नाच न केवल हेमंत सरकार की नाकामियों और भ्रष्टाचार को छिपाने की साजिश है। बल्कि, दलालों-बिचौलियों को संरक्षण देने की उसकी कुत्सित मंशा को भी उजागर करता है। भाजपा इस फरमान की कड़े शब्दों में निंदा करती है और इसे शीघ्र वापस लेने की मांग करती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और केंद्र सरकार की महती योजना आयुष्मान पर पर्दा डालने का यह संवेदनहीन कार्य है।

उन्होंने बताया कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। रिम्स में नवजात शिशुओं की मौत, दवाइयों व बेड की कमी और चिकित्सकों की लापरवाही रोजमर्रा की बात है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में रिम्स 2 परियोजना के बहाने आदिवासी समुदायों की जमीनों को लूटने की साजिश चल रही है।

उन्होंने बताया कि हेमंत सरकार में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। सरकारी अस्पतालों में दलालों और बिचौलियों की पैठ इतनी गहरी है कि मरीजों को बेड, दवाइयां और इलाज के लिये उनकी मनमानी सहनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि इस तानाशाही सेंसरशिप आदेश को माफी मांगते हुये स्वास्थ्य मंत्री तत्काल रद्द करें। यूट्यूबर्स और स्वतंत्र पत्रकारों को नैतिक दिशानिर्देशों के तहत स्वास्थ्य केंद्रों में प्रवेश और समाचार संकलन की अनुमति दी जाये।

बजार के अन्दर बने अस्थायी शेड को नही तोड़ने के लिए विधायक से लगाई गुहार

अनगड़ा। गोन्दली पोखर बाजार में दुकन्दारों के द्वारा साप्ताहिक हाट करने के लिए बनाए गए छोटे छोटे अस्वेस्टस और खपरैल शेड को प्रशासन के द्वारा नहीं तोड़ने के लिए दुकानदारों ने विधायक राजेश कच्छप से गुहार लगाई है । दुकानदारों का कहना है कि वे बारिस थूप और आंधी तूफान रमे बचने के लिए छोटे शेड बना कर दुकानदारी करते हैं वे लोग बाजार की जमीन का स्थायी रूप से अतिक्रमण नहीं किए हैं। मलुम हो कि गत बुधवार को स्थानीय पुलिस और प्रशासन के द्वारा गोन्दली पोखर बाजार स्थल का निरीक्षण कर बाजार क्षेत्र की जमीन पर बने शेड और अवैध निर्माण को 14 अप्रेल तक हटा लेने का निर्देश और अल्टिमेटम दिया गया है। जिसको लेकर बाजार में बने शेड में सप्ताहिक हाट में दुकान लगाने वाले दुकानदार भयभीत और आशंकित हैं।

आदित्य विक्रम जयसवाल ने किया डीएसआर क्रिकेट क्लब का उद्‌घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डीएसआर क्रिकेट क्लब का उद्घाटन शुक्रवार को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में समाजसेवी आदित्य विक्रम जयसवाल ने किया। मालूम हो कि यह क्रिकेट क्लब को आज से शुरू किया गया है, जहां हजारों बच्चे प्रशिक्षण लेकर राज्य एवं देश का नाम रौशन करने की ओर अग्रसर होंगे। आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि मैं क्रिकेट क्लब के डायरेक्टर दिव्याश्री एवं कोच दिवे शिवराम को बधाई देता हूं कि उन्होंने शहर के बीचों बीच यह कार्य शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इस क्लब के खुल जाने से हजारों प्रतिभाशाली बच्चों को प्रशिक्षण मिलेगा और वे अपने कैरियर में आगे बढ़ेंगे और राज्य एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

आदित्य विक्रम ने यह भी कहा कि आज के समय में क्रिकेट एक अनोखा और रोमांचक खेल बन गया है, जिसका आनंद दुनिया भर के लाखों-करोड़ों लोग उठा रहे हैं। हमारे देश में आज गली-मुहल्ला में भी क्रिकेट का क्रेज काफी बढ़ा है। हर कोई क्रिकेट के दिवाने हैं। युवा वर्ग खेल-खेल में अपना करियर भी तलाश रहे हैं और कामयाब हो रहे हैं।

क्लब की डायरेक्टर दिव्या श्री ने कहा कि हमने आज से यहां क्रिकेट की कोचिंग की शुरुआत की है और यहां काफी लोगों को बेहतर सुविधा के साथ प्रशिक्षण मिलेगा और वो खेल की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम में अनिल सिंह, लाल प्रवीण नाथ शाहदेव, अमित बाबुल, कोच दिवे शिवराम, सुनील पाल, खिलाड़ियों में विकाश कुमार, अक्षय कुमार, अमनश्री, सुनील कुमार, कमल वर्मा, शिवानंद सिंह मौजूद थे।

समकालीन अभियान में 13 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार, ग्रामीण एसपी के कुशल नेतृत्व में पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो की टीम ने गुरुवार को एक विशेष समकालीन अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लंबित कांडों में फरार चल रहे वांछित अभियुक्तों, स्थायी वारंटियों और अजमानतीय वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना था। जहां शुक्रवार को डीएसपी कार्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम ने बताया कि इस विशेष अभियान के दौरान बेड़ो,इटकी,लापुंग और नरकोपी की पुलिस टीम ने बेहतर कार्य करते हुए कुल 13 वांछित अभियुक्तों और वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसके अतिरिक्त, अभियान के दौरान 41 अन्य वारंटों का भी सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। डीएसपी ने आगे जानकारी दी कि गिरफ्तार किए गए सभी 13 अभियुक्तों को शुक्रवार को आवश्यक मेडिकल और कोरोना जांच के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर एक सकारात्मक संदेश गया है। डीएसपी ने कहा कि इस प्रकार के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे ताकि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा सके और फरार अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा सके। वहीं इस दौरान पुलिस ने अजमानतीय वारंटियों में बेड़ो थाना क्षेत्र के केशा गांव के कोनेन राय पिता हैदर राय,सगीर राय पिता अली राय, तुको अम्बा टोली के सनी उरांव पिता स्व बिरसा उरांव, इटकी थाना क्षेत्र के जोजरो कुडू निवासी नेमुल अंसारी पिता स्व जहूर अंसरी, मोरो इटकी के सज्जाद अंसारी पिता बहु अंसारी, गड़गांव इटकी के सुकरा उरांव पिता सुखु उरांव, नारी नीचे टोला इटकी के बुधवा उरांव पिता चावा उरांव, रानी बगीचा इटकी के साजिद खान पिता रियासत खान, नरकोपी थाना क्षेत्र के टंगरा टोली नरकोपी के सरफराज अंसारी पिता हुसैन अंसारी, करकरी टंगरा टोली नरकोपी के सनीफ अंसारी पिता हुसैन अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं कांड में वांछित बेड़ो थाना क्षेत्र के चचकोपी बेड़ो के तहमीद मलिक पिता फलेश्वर मलिक,विनय बगीचा बेड़ो के दिलीप उरांव पिता स्व बिरसा उरांव, स्थायी वारंट में लापुंग थाना क्षेत्र के पवीरा लापुंग के जेम्स मुंडा पिता पदेया मुंडा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।वहीं अभियान को सफल बनाने में पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम,पुलिस निरीक्षक उत्तम कुमार उपाध्याय बेड़ो थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार लापुंग थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव नरकोपी थाना प्रभारी नागेश्वर साव एसआई नंदु पैरा, विवेक कुमार दुबे,सुमित कुमार दास, राजेंद्र कुमार महतो,विश्वजीत पाठक एएसआई अक्षय कुमार सिंह,आशीष रंजन, सुनील कुमार मुर्मू,किरण बारला, बाल किशोर हेम्ब्रम, मणिभूषण कुमार, कृपा सिंह,दिलोज हेमरन सोय, कंचन कुमार सिंह, रामनगीना प्रसाद चालक व सशस्त्र बल ने योगदान दिया।

गिरफ्तार अभियुक्त के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करते डीएसपी व अन्य।

प्रज्ञा केंद्र संचालक पर फर्जी जन्म प्रमाणत्र बनाने का आरोप

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के एक प्रज्ञा केंद्र संचालक द्वारा जाली प्रमाण पत्र बनवाया जाता है। शुक्रवार को इसका पदार्फाश तब हुआ, जब जयडीहा पंचायत की कुछ माताएं अपने बच्चों का आधर कार्ड बनवाने बैंक ऑफ इंडिया में पहुंची। बैंक ऑफ इंडिया में ग्राहकों की सुविधा के लिए अलग से एक कंप्युटर ऑप्रेट बैठाया गया है। जो आधार कार्ड से संबंधित सुधार आदि कार्य करता है। जहां क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव गणेषपुर से कई अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने पहुचीं महिलाओं ने जैसे ही कंप्यूटर आप्रेटर योगेश्व वर्मा को बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र देखाया, वह फर्जी प्रमाण पत्र बता आधर बनाने से इंकार कर दिया। फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बताये जाने से महिलाएं परेशान हो गयीं। गीता देवी, सलिखा देवी, बीना देवी, संजू देवी, ममता देवी, नमिता देवी व उनके साथ पहुंचे लोगों ने बताया कि जयडिहा पंचायत के प्रज्ञा केंद्र संचालक संतोष महतो का कार्यालय भी नही है। वह चलता-फिरता प्रज्ञा केंद्र संचालित करता है। उसने सभी से एक हजार से दो हजार रूपए लेकर जन्म प्रमाण पत्र बनावा कर दिया गया है। वह ज्यादतर क्षेत्र के नव जन्मे बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बनवाया है। वहीं संचालक ने बताया वह आनंदी गांव से किसी के माध्यम से जन्मप्रमाण पत्र बनाया है। उसी से सभी का आधार कार्ड भी बनवा देगा। इस संबंध में बीडीओ कामेष्वर बेदिया ने आष्चर्य जताते हुए कहा फर्जी जन्मप्रमाण पत्र बनाना अपराध है। प्रज्ञा केंद्र संचालक के खिलाफ कार्रवायी की जाएगी, उसका केंद्र भी सीज कर लिया जाएगा। वहीं महिलाएं अपने बच्चों के आधार कार्ड बनवाने को लेकर चितित हैं।

भाजपा खलारी मंडल के देवतूल्य कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

खलारी। भाजपा खलारी मंडल के देवतूल्य कार्यकर्ताओ से मिलने के लिए केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार संजय सेठ का एक दिवसीय दौरा हुआ। मंत्री का एकदिवसीय दौरा की शुरूआत निर्मल महतो चौक बमने से शुरूआत हुआ। इस दौरान निर्मल महतो चौक पर भाजपा के सैकड़ो कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। श्री रक्षा मंत्री ने कार्यकताओं से जर्मजोशी के साथ मुलाकात करते हुए स्व निर्मल महतो के प्रतिमा पर पुष्पर्पित कर निर्मल महतो अमर रहे का नारा लगाया गया। इसके बाद कार्यकताओं से मिलने के लिए राय चौक पहुँचे। पहुँचकर नए और पुराने वरिष्ठ कार्यकताओं मिलकर हाल जाना। खलारी मंडल के सभी कार्यकताओं के साथ एनके एरिया डकरा भीआईपी में भोजन कर मंडल के कार्यकताओं से मिलने निकल गए। माननीय राज्य रक्षा मंत्री ने मोहननगर निवासी स्व रेणु देवी भाजपा नेत्री रही दिवंगत कार्यकर्ता के घर पहुँचे। पहुँचकर श्रधांजलि देते हुए दिवंगत परिवार से मिले। वही मैक्लुस्कीगंज के भाजपा कार्यकर्ता रविन्द्र मुंडा को अचानक लकवाग्रस्त हो जाने मंत्री ने उनके आवास जाकर उनका स्वास्थ्य का हाल चाल लिया। अथवा गुलजारबाग में बीते कुछ दिन पहले अचानक अंधी बारिश होने से एक वृद्ध महिला के ऊपर पेड़ गिर जाने से कमर टूट जाने गया था। जो कि अब तक इलाज के अभाव से ग्रसित थी। जिसे श्री सेठ ने त्वरित कार्यवाही कर ईलाज आग्रह किया। इससे पूर्व केडी अम्बेडकर चौक पहुँचकर डॉ0 आंबेडकर के प्रतिमा पर फूलमाल पहनकर नमन किया। श्री सेठ ने मैक्लुस्कीगंज, नावाडीह, खलारी बाजार टाँड, हेसालोंग, लपरा के कार्यकताओं से मिलकर हाल जानते हुए व मंदिरो का दर्शन किया। उसके बाद वरिष्ठ कार्यकर्ता शशि प्रसाद के पेट्रोल पंप में नए पुराने कार्यकर्ताओ से मुलाकात किये।

जमीन विवाद में मारपीट करने तथा रंगदारी मांगने के आरोपी को भेजा जेल

चान्हो। चान्हो पुलिस द्वारा जमीन विवाद में मारपीट करने तथा रंगदारी मांगने के एक आरोपी चटवल निवासी मो शहनवाज को शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। आरोप है कि गुरुवार शाम को रकाडीह गांव में जमीन विवाद में मो शहनवाज ने पहले मो अमरारुल से रंगदारी की मांग करते हुए मारपीट की, इसके बाद बीचबचाव में पहुंचे मो अमरारुल के चालक बलसोकरा निवासी जसीम अंसारी को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।प्राथमिक उपचार के बाद जसीम को रिम्स रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शहनवाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके साथ ही शुक्रवार को पुराने कांड में वारंटी लुंडरी निवासी जैनुल अंसारी तथा पतरातु तेतरतोली निवासी बूसोहराइ उरांव को भी जेल भेज दिया गया है।

एसजीआरएस एकेडमिक प्रालि का प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित

रातू। झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत एसजी आरएस एकेडमिक प्रालि की ओर से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षित युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसमें ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन, ऑटोमोटिव सर्विस टेक्नीशियन व सोलर पीवी इंस्टॉलर ट्रेड के प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया। ड्राइव में डिस्टिल एजुकेशन की सहभागिता रही। इसके जरिये 67 प्रशिक्षुओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुये। उन्हें याजाकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, स्पार्क मिंडा और धाश पीवी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड बेंगलुरु जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में नियुक्त किया गया।

इन्होंने रखी अपनी बातें : समारोह में डिस्टिल एजुकेशन के ऑपरेशनल हेड राहुल पोलाई, विनायक बिसोई, झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी जिला संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम परियोजना सहायक अमित कुमार विजय व ऋषिकेश आर्यन आदि। मौके पर नैना रॉय, प्रशिक्षक हिमांशु रंजन, इश्तेखार हुसैन, सैयद आफताब, उमेश कुमार व कर्मचारी आदि मौजूद थे।

पांच फरार अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

इटकी। इटकी पुलिस ने अंतर जिला तार चोर गिरोह के सरगना नैमुल अंसारी पिता स्व० जहूर अंसारी सहित विभिन्न कांडों से संबंधित पांच फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है। जेल जाने वालों में सज्जाद अंसारी पिता बुधू अंसारी गांव मोरो थाना इटकी, सुकरा उरांव पिता सुखू उरांव गढ़गांव थाना इटकी, बुधवा उरांव पिता चावा उरांव नारी थाना इटकी, मो साजिद खान पिता रेयासत खान रानी बगीचा इटकी का निवासी हैं। वहीं नैमुल अंसारी कुडू थाना क्षेत्र के जोंजरो गांव जिला लोहरदगा का रहने वाला है। नैमुल गत दिनों इटकी थाना क्षेत्र के सुगदा गांव में हुई विद्युत तार चोरी कांड में संलिप्त गिरोह का फरार आरोपी था। इसके पूर्व गिरोह के तीन अपराध कर्मियों के अलावा एक तार खरीदार कबाड़ी दुकान संचालक को पुलिस जेल भेज चुकी है। थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया गुप्त सूचना के आधार पर तार चोर गिरोह के सरगना नैमूल अंसारी को कुडू थाना क्षेत्र के जोजरों गांव से गिरफ्तार किया गया। बाकी बचे गिरोह के चार अन्य अपराध कीर्मी भी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सर्टिफिकेट निर्गत नहीं होने से छात्र परेशान

राहे। आजसू पार्टी राहे प्रखंड कमिटी का प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को राहे सीओ जया शंखी मुरमू से मुलाकात के प्रखंड में लंबित जाति, आवासीय, आय प्रमाण निर्गत करने की ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से राहे आजसू पार्टी ने कहा कि स्कूल, कॉलेज में नामांकन होने के समय कार्यालय के लापरवाही से सैकड़ों प्रमाण पत्र लंबित है। समय पर निर्गत होने से छात्राओं को सहूलियत होगी। प्रतिनिधि मंडल ने राहे सीओ को लंबित सभी प्रमाण पत्रों को जल्द से जल्द बनाने का आग्रह किया। आवेदन लंबित होने से छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधि मंडल ने चेतावनी दी है कि 1 सप्ताह के अंदर सभी लंबित प्रमाण पत्र नहीं बनते है तो आजसू पार्टी राहे प्रखंड का घेराव करने के लिए बाध्य होगी ।

पुलिस ने आकाश ज्वेलर्स के मालिक गोलीकांड का किया खुलासा, एदलहातु से एक अपराधकर्मी गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू (रांची)। पुलिस ने रातू थाना कांड संख्या 162/25 का खुलासा करते हुये मोरहाबादी स्थित एदलहातु रामनगर निवासी अशोक सिंह का पुत्र 22 वर्षीय चंदन कुमार सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि, स्व नरेश दास का पुत्र बिक्की कुमार फरार है। उसकी धर-पकड़ के लिये छापेमारी की जा रही है। चंदन के पास से कांड में प्रयुक्त एक अवैध देशी कट्टा और मोटर साइकिल जेएच 01एफजेड 1781 को भी जब्त कर लिया गया है। उस पर 18 अप्रैल को चटकपुर सिंह मार्केट में आकाश ज्वेलर्स के मालिक 55 साल के बसंत कुमार, पिता स्व दामोदर राम से उनके दुकान के गल्ले से रुपये के लूटपाट के दौरान गोली मार जख्मी कर दिये जाने का आरोप है। चंदन कुमार सिंह शातिर किस्म का अपराधकर्मी है। वह गोंदा थाना कांड संख्या 55/25 में पहले भी जेल जा चुका है। यह जानकारी सीनियर एसपी ने दी।

कैसे दिया घटना को अंजाम : श्री सिन्हा ने बताया कि बसंत कुमार, पंडरा ओपी इलाके के ओझा मार्केट स्थित विकास नगर के रहने वाले हैं। उनकी दुकान में लूटपाट के उद्देश्य से मोटर साईकिल पर सवार होकर चंदन और बिक्की पहुंचे। दुकानदार से लॉकर खोलने को कहा। उन्होंने इससे इंकार किया, तो उन पर फायरिंग कर दी। गोली उनके कंधे में गोली और गंभीर रूप से जख्मी हो गये। इसके बाद दोनों फरार हो गये थे।

चक्रधरपुर मंडल के तहत विभिन्न सम्पत्तियों के लिए ई-नीलामी सूचना

सं.: सीओएम.18/एनएफआर/ई-ऑक्शन कैटलॉग/जून/25 दिनांक: 13.06.2025

राष्ट्रपति, भारत संघ के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, चक्रधरपुर मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा चक्रधरपुर मंडल के तहत नीचे उल्लिखित सम्पत्ति श्रेणियों के लिए ई-नीलामी प्रणाली के अधीन ई-नीलामी लीजिंग आमंत्रित की जाती है। इस संबंध में ई-नीलामी सूचनाओं का मसौदा संलग्न है। जिसे **https://www.ireps.gov.in/** वेबसाइट पर अधिसूचित किया गया है। ई-नीलामी का विवरण नीचे उल्लेखित है: **क्रमांक एवं श्रेणी; सूचीपत्र सं.; नीलामी की तारीख; नीलामी शुरू होने का समय; नीलामी बंद होने का समय** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **(1)** विविध; एमएसएस-सीकेपी-जून-25; 20.06.2025; दोपहर 12.00 बजे; अपराह्न 01.50 बजे। **(2)** विज्ञापन; एडीवीटी-सीकेपीडीआईवी-25; 26.06.2025; पूर्वाह्न 11.30 बजे; अपराह्न 03.00 बजे। **(3)** हाईब्रिड एनएफआर; हाईब्रिड-टीएसवी-25; 26.06.2025; दोपहर 12.00 बजे; दोपहर 12.30 बजे। इच्छुक पार्टियां कृपया इस पर ध्यान दें एवं ई-नीलामी सूचना के बारे में संबंधित जानकारी तथा साइट के विवरण के लिए ऊपर उल्लेखित वेबसाइट देखें। अनुसंधान/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-272) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, चक्रधरपुर**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

झारखण्ड सरकार भू–अर्जन वाद सं०–67/2024–25

राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग

(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)

प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम–30/2013 की धारा–11 (1) के अधीन)

"गोला–मूरी चार लेन पथ निर्माण परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है मौजा–कुतरू, थाना संख्या–22, अंचल–सिल्ली, जिला–राँची मे भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **गोला–मूरी चार लेन पथ निर्माण परियोजना** हेतु अपेक्षित है, प्रभावित परिवारों के पुर्नवासन एवं पुर्नव्यस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम/मौजा–कुतरू, थाना संख्या–22, अंचल–सिल्ली, जिला–राँची मे उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश कुल रकबा–**11.161452** एकड़ भूमि मानक माप का भू–खण्ड, जिसका विस्तृत विवरणी निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

मौजा–कुतरू

क्र० सं०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
51	92	246	रैयती	0.126203	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	247	248	245	244
52	92	247	रैयती	0.167061	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	248	249	246	245
53	92	248	रैयती	0.035682	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	249	250	247	246
54	92	254	रैयती	0.028489	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	255	256	253	250
55	92	255	रैयती	0.175732	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	256	257	254	253
56	92	282	रैयती	0.106825	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	283	284	281	280
57	92	283	रैयती	0.099314	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	284	285	282	281
58	92	284	रैयती	0.007007	गोविन्द माझी वल्द शीतल माझी वो छुटुआ माझी, पेशरान–दलशु माझी वो वीरशु माझी, पेशरान–दलशु माझी वो शुफुल माझी, पेशरान–फगु माझी वो शिबु माझी, पेशरान–फगु माझी	285	286	283	282
59	45	258	रैयती	0.018888	करमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो धरमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो फेक माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो हगरीचरन माझी वल्द जीतु माझी	259	260	257	256
60	45	259	रैयती	0.060244	करमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो धरमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो फेक माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो हगरीचरन माझी वल्द जीतु माझी	260	261	258	257
61	45	300	रैयती	0.145517	करमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो धरमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो फेक माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो हगरीचरन माझी वल्द जीतु माझी	301	302	299	298
62	45	728	रैयती	0.081805	करमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो धरमा माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो फेक माझी, पेशरान–दुलाल माझी वो हगरीचरन माझी वल्द जीतु माझी	729	730	727	726
63	74	260	रैयती	0.192234	लाल माझी वल्द चन्दनु माझी	261	262	259	258
64	74	609	रैयती	0.375234	लाल माझी वल्द चन्दनु माझी	610	611	608	607
65	107	261	रैयती	0.281764	राम शाए माझी, पेशरान–बालुक माझी वो बीघुट माझी, पेशरान–बालकु माझी	262	263	260	259
66	37	262	रैयती	0.042436	नन्दु माझी वल्द बाबुराम माझी	263	264	261	260
67	07	285	रैयती	0.256909	गमदनु माझी वल्द मगादु माझी	286	287	284	283
68	07	286	रैयती	0.227960	गमदनु माझी वल्द मगादु माझी	287	288	285	284
69	41	516	रैयती	0.248268	जुगु पाहन वल्द सुकु पाहन	517	518	515	514
70	82	517	रैयती	0.323860	शलखन माझी वल्द नुनु माझी	518	519	516	515
71	82	518	रैयती	0.100695	शलखन माझी वल्द नुनु माझी	519	520	517	516
72	82	519	रैयती	0.098616	शलखन माझी वल्द नुनु माझी	520	521	518	517
73	82	523	रैयती	0.001248	शलखन माझी वल्द नुनु माझी	524	525	522	521
74	82	531	रैयती	0.085144	शलखन माझी वल्द नुनु माझी	532	533	530	529
75	82	532	रैयती	0.170102	शलखन माझी वल्द नुनु माझी	533	534	531	530
76	82	533	रैयती	0.106375	शलखन माझी वल्द नुनु माझी	534	535	532	531
77	94	530	रैयती	0.009457	शोहराई माझी वल्द शलखन माझी	531	532	529	528
78	64	540	रैयती	0.202505	घासी राम माझी, पेशरान–रामचरन माझी वो मानकी शाही, पेशरान–मुजनु माझी वो रामा माझी, पेशरान–रामचरन माझी वो लखीराम माझी वल्द मनशा माझी वो बालकु माझी, पेशरान–मुजनु माझी	541	542	539	538
79	06	541	रैयती	0.004580	गनसु पाहन, पेशरान–झुडरा पाहन वो झरी पाहन, पेशरान–झुडरा पाहन वो पुरन पाहन, पेशरान–झुडरा पाहन	542	543	540	539
80	108	542	रैयती	0.044616	बकाशत	543	544	541	540
81	108	543	रैयती	0.154753	बकाशत	544	545	542	541
82	108	559	रैयती	0.414969	बकाशत	560	561	558	557
83	84	592	रैयती	0.008698	शाम मण्डल वल्द रीदु मण्डल	593	594	591	590
84	84	730	रैयती	0.090914	शाम मण्डल वल्द रीदु मण्डल	731	732	729	728
85	11	593	रैयती	0.094589	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशरान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	594	595	592	591
86	11	594	रैयती	0.025587	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	595	596	593	592
87	11	596	रैयती	0.082475	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	597	598	595	594
88	11	597	रैयती	0.110997	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	598	599	596	595
89	11	598	रैयती	0.057187	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	599	600	597	596
90	11	599	रैयती	0.167551	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	600	601	598	597
91	11	601	रैयती	0.134933	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	602	603	600	599
92	11	731	रैयती	0.076774	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	732	733	730	729
93	11	732	रैयती	0.248522	अकलु माझी वल्द गुहीआ माझी वो गआ माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो गागवा माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो जगना माझी, पेशरान–घासीआ माझी, वो तुलसी माझी, पेशरान–मोतीआ माझी वो धनु माझी, पेशरान–मोतीआ माझी, वो नन्धु माझी वल्द गोबर्धन माझी वो पतीआ माझी, पेशररान–घासीआ माझी वो भीमा माझी वल्द महीराम माझी वो मधनु माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी वो मोचीआ माझी वल्द मंगला माझी वो मोहन माझी, पेशरान–सोमरा माझी वो बोलाइ माझी, पेशरान–आशीर्वाद माझी	733	734	731	730
94	53	608	रैयती	0.267074	बेनुआ पासी वल्द बैजनाथ पासी	609	610	607	606
95	77	721	रैयती	0.009975	लालो महली वल्द शिव दयाल महली	722	723	720	719
96	97	727	रैयती	0.003558	शहनु माझी, पेशरान–चुनकु माझी वो हराधन माझी, पेशरान–चुनकु माझी	728	729	726	725
97	99	729	रैयती	0.035747	हरीचरन माझी वल्द जीतु माझी	730	731	728	727
98	NA	1641	अज्ञात	0.108212	अज्ञात	1642	1643	1640	1639
99	NA	1646	अज्ञात	0.313479	अज्ञात	1647	1648	1645	1644
100	NA	1654	अज्ञात	0.232829	अज्ञात	1655	1656	1653	1652
			कुल	**11.161452**					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुर्नवास और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नही करेगा या ऐसा कोई अंतरण नही करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

उपायुक्त,
राँची

PR 354937 Land Reforms(25-26).D

अब जंग होगा : ईरान

इजरायल ने आखिर वो कर दिखाया जिसकी धमकी सालों से देता आ रहा था। तेहरान में विस्फोट, नतांज की परमाणु साइट पर हमला, और ईरान के टॉप मिलिट्री जनरल व दो प्रमुख न्यूक्लियर वैज्ञानिकों की हमले में मारे जाने की बात सामने आ रही है। इजरायल ने दावा किया है कि यह ऑपरेशन उसकी आखिरी चेतावनी थी। नतांज एनरिचमेंट फैसिलिटी, मिसाइल भंडार और हाई-प्रोफाइल वैज्ञानिकों को निशाना बनाकर उसने ईरान के न्यूक्लियर सपने को नेस्तनाबूद करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुलकर कहा, ख़तरा बात वजूद की है। ईरान ने इजरायल के खिलाफ जंग की घोषणा कर दी है। ईरान ने शुरूआत ड्रोन हमलों से की। मगर ये महज ट्रेलर था। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एलान किया, इजरायल को इसका सख्त और ऐतिहासिक दंड मिलेगा। अब जब ईरान की राजधानी में धमाके हो चुके हैं, जनरल हुसैन सलामी के मारे जाने की पुष्टि ईरान की की मीडिया ने किया है। दूसरी ओर इजरायल के साथ अमेरिका खुलकर खड़ा दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के कई जंगी जहाज इजरायल के सहयोग के लिये रवाना किये जा चुके हैं। दूसरी ओर इजरायल का आरोप है कि ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम से उसे खतरा है और इसी कारण वो अपनी सुरक्षा का अधिकार रखता है। ईरान हमेशा से कहता रहा है कि उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम शांतिपूर्ण है। लेकिन जैसे-जैसे हमले तेज हो रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ता जा रहा है, ईरान के भीतर से आवाजें उठ रही हैं कि अगर वजूद को खतरा हुआ, तो हथियार बनाना शुरू कर देंगे। यानी जो इजरायल रोकना चाहता था, उसका उल्टा हो सकता है। वैसे ईरान के जंग घोषणा से एक बड़ा संकट खड़ा हो सकता है जो पहले से धधकते वैश्विक स्थिति को चिंताजनक बना सकता है।

आज का राशिफल

मेष : व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष : सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़ें अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु : सुख आरोग्य प्रभावित होगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर : स्वविवेक से कार्य करें। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन : श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास, अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह हैं। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं।भारतीय जनसंघ ने अपने 1964 के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयास करने चाहिए। सिद्धांत एवं नीतियां नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी-देवता धर्म संस्थापन के लिये शस्त्रधारी है। इसलिए भारत माता भी परमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था। फिर 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति इसी का उदाहरण है। जहां कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए जी जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग एवं बिरयानी खिलाना जैसे उपक्रम चल रहे थे, वहीं मोदी सरकार में सेना और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए गए।रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए यह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी

रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिए लंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रों की खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुके हैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है। एस -400, सुखोई -30, इजरायल से ड्रोन, हैमर मिसाइल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाइल को मार गिराने में हम सक्षम हुए हैं।11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है।

अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, टाटा -डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174% की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023-24 में 127265 करोड़ हुआ है।रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन रए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 24 में 88,319 करोड़ का हुआ है। 2024 - 25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है। आयात में 21% की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34% की वृद्धि करने में देर सक्षम हुआ है। आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गयी है।देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांस गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में यह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े-बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं। सरकार के नक्सलमुक्त देश के संकल्प से लगता है कि भावी पीढ़ी नक्सलवाद नाम ही भूल जाएगी।प्रत्येक प्रकार की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया, जिसमें औपनिवेशिक 'सेंट जॉर्ज क्रॉस' को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित अष्टकोणीय प्रतीक को स्थान दिया गया। इसमें अशोक स्तंभ, लंगर और नौसेना का आदर्श वाक्य श्शं नो वरुणःश्अंकित है, जो भारत की समुद्री विरासत और आत्मगौरव का प्रतीक है। नए भारत का संकल्प- घर में घुसकर आतंकियों को मारेंगे केवल कहना मात्र नहीं, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर में हमने यह करके दिखाया है। खून एवं पानी एक साथ नहीं बहेगा, सिंधु नदी समझौता रद्द कर हमने आतंक के प्रति अपने दृष्टिकोण को विश्व के सामने स्पष्ट किया है। पूर्व सैनिकों के कल्याण, अग्निवीर योजना, विजयदशमी पर राफेल जैसे शस्त्रों का पूजन एवं दीपावली त्योहार में सैनिकों के मध्य प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति, सीमावर्ती सैनिक चौकियों पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का प्रवास यह सभी उपक्रम हमारे सुरक्षित भारत के संकल्प को प्रकट करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति, पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने, आतंकवाद के प्रति भारत के दृष्टिकोण को विश्व के सम्मुख रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल देश की एकजुटता को प्रकट करने का कूटनीतिक सराहनीय प्रयास है।

भारत को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के यह प्रयास देश की जनता में यह विश्वास जगाने में सफल हुए हैं कि मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है।

(लेखक- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।)

- शिवप्रकाश

> एस -400, सुखोई -30, इजरायल से ड्रोन, हैमर मिसाइल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाइल को मार गिराने में हम सक्षम हुए हैं।

लेटर टू एडिटर

आशातीत सफलता

प्रयागराज महाकुंभ के आशातीत सफल समापन पर विचार प्रकट करने वाला था। महाकुंभ में संगम में लगभग 66 करोड़ देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने सनातनी परंपरा को जीवंत कर दिया। श्रद्धालुओं का कुंभ पर्व पर एकत्रित होना सामाजिक, आध्यात्मिक एकता समरसता का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश सरकार की कुशल शासन प्रशासन व्यवस्था से महाकुंभ को सफल बनाया उल्लेखनीय है।

-अनिल कौशिक,रांची

जेनेरिक दवाइयां को बढ़ावा

ब्रांडेड दवाइयां महंगी होती हैं, जिससे हर साल लाखों लोग गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। जेनेरिक दवाएं, जो उसी साल्ट से बनती हैं, 10 से 20 गुना सस्ती होती हैं और इन्हें सरकारी योजनाओं में बढ़ावा दिया जा रहा है। डॉक्टरों को जेनेरिक दवाइयों का प्रयोग के लिए बढ़ावा देना चाहिए। जिससे गरीबों को राहत मिले।

- श्यामलाल सिंह, गढ़वा

ट्वीट

अहमदाबाद में हवाई जहाज की विभत्स दुर्घटना से पूरा देश व्यथित है, स्तब्ध है। आज इस दुर्घटना में हमने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री विजय रुपाणी जी समेत कई लोगों को खो दिया। देश के लिए यह विपदा अपूरणीय क्षति है।

मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें। दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ।

- हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री झारखंड

अरुणाचल पर चीन के दावे बेबुनियाद

-ओम प्रकाश सिंह

सामयिक

भारत के सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन ने एक बार फिर बड़े-बड़े दावे किए हैं, लेकिन उसके सारे दावे ऐतिहासिक, भौगोलिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के आधार पर बेबुनियाद हैं। अरुणाचल सदियों से भारतीय संस्कृति से जुड़ा रहा है। ऐतिहासिक तथ्यों देखा जाए तो अरुणाचल प्रदेश का भारत से संबंध हजारों साल पुराना है।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में उल्लेख इसका उल्लेख मिलता है। अरुणाचल प्रदेश का उल्लेख महाभारत और रामायण में है। माना जाता है कि भगवान परशुराम ने यहां तपस्या की थी और यह स्थान भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहा है। तवांग मठ का ऐतिहासिक महत्व भी रहा है। तवांग मठ, जो दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध मठों में से एक है, भारत से सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से जुड़ा है। यह दलाई लामा के भारत आगमन से पहले ही बौद्ध धर्म के पवित्र केंद्रों में गिना जाता था।

अहोम शासकों ने इस क्षेत्र को कभी चीन के अधीन नहीं माना। ब्रिटिश शासन में दौरान भी यही वास्तविकता थी। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन के दौरान अरुणाचल प्रदेश को भारत के पूर्वी क्षेत्र का हिस्सा माना गया। साल 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच हुए शिमला समझौते में मैकमोहन रेखा को भारत और तिब्बत की सीमा के रूप में मान्यता दी गई थी। भौगोलिक तर्कों को अगर देखा जाय तो अरुणाचल, भारत की प्राकृतिक सीमा में आता है। 1914 में तय की गई मैकमोहन रेखा भारत और तिब्बत की सीमा को स्पष्ट रूप से निर्धारित करती है। चीन कभी इस समझौते का हिस्सा नहीं था इसलिए उसका दावा पूरी तरह से बेबुनियाद है। अरुणाचल की प्राकृतिक स्थिति पर नजर डालने पर भी यही स्थिति सामने आती है। अरुणाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और भारत की भौगोलिक संरचना से जुड़ाव इसे भारत का अभिन्न हिस्सा साबित करते हैं। खास बात यह है कि चीन इस मुद्दे पर एक लंबे कालखंड तक चुप्पी साधे रहा। 1962 के भारत-चीन युद्ध से पहले चीन ने कभी अरुणाचल प्रदेश पर दावा नहीं किया। यह दिखाता है कि चीन का दावा पूरी तरह से राजनीतिक है, न कि ऐतिहासिक या भौगोलिक आधार पर सही। लिहाजा, चीन का दावा कानूनी तर्कों पर भी नहीं ठहरता। चीन का दावा अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है। चीन का यह दावा संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय संधियों के खिलाफ है।

यह भारत की संसद द्वारा स्वीकृत राज्य है। 1987 में अरुणाचल प्रदेश को भारतीय संसद द्वारा पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। यह दर्शाता है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का संवैधानिक हिस्सा है। भारत अरुणाचल प्रदेश पर प्रशासनिक नियंत्रण रखता है, वहां लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार है और वहां की जनता स्वयं को भारतीय मानती है।

चीन की दोहरी नीति है।चीन, ताइवान और तिब्बत पर ऐतिहासिक आधार पर दावा करता है लेकिन जब भारत अपने ऐतिहासिक तर्क प्रस्तुत करता है, तो वह उन्हें नजरअंदाज करता है। चीन ने तिब्बत का जबरन विलय कराया। चीन ने 1950 में तिब्बत पर कब्जा किया लेकिन भारत ने कभी भी तिब्बत की स्वतंत्रता को चुनौती नहीं दी। अब चीन अरुणाचल प्रदेश पर दावा करके अपनी विस्तारवादी नीति को आगे बढ़ा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस विवाद को लेकर स्पष्ट किया है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। चीन के झूठे दावों से यह सच्चाई नहीं बदलेगी।

भारत में सभी राजनीतिक दल चीन के इस दावे का विरोध कर रहे हैं। संसद में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई और सभी सांसदों ने चीन की विस्तारवादी नीति की आलोचना की। सीमा पर भारत की कड़ी चौकसी है। भारतीय सेना अरुणाचल प्रदेश में पूरी तरह सतर्क है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। भारत सरकार ने हाल के वर्षों में सड़कों, पुलों और सैन्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया है। भारत पहले ही चीन की घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम कर चुका है, और यह जता दिया है कि भविष्य में भी ऐसी किसी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।भारत ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर चीन के झूठे दावों का विरोध किया है। भारत ने क्वाड और अन्य सुरक्षा संगठनों में अपनी भूमिका मजबूत की है, जिससे चीन पर रणनीतिक दबाव बढ़ेगा। भारत ने चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाकर और आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देकर चीन को कड़ा आर्थिक संदेश दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि अरुणाचल प्रदेश पर कोई समझौता नहीं होगा।

हिन्दी की स्वीकार्यता में सभी भारतीय भाषाओं का विकास जुड़ा है

हृदयनारायण दीक्षित

विज्ञान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने केन्द्र पर हिन्दी थोपने का आरोप दोहराया है। इस बयान से राष्ट्रभाषा प्रेमी आहत हैं। हिन्दी हमारा जीवनरस है। प्राण और आत्म भी। मां के गर्भ से संसार में आए तो रोये हिन्दी में। सोए हिन्दी के आंचल में। जागे तो हिन्दी सुने। उठे, बैठे, चले, लुढ़के, गिरे, रोए हिन्दी में। मां ने उठाया और मनाया भी हिन्दी में। गुस्साए और रूठे भी हिन्दी में। बालक से तरुण हुए, गांव, क्षेत्र, नगर हिन्दी में। प्रीति, रीति, नीति हिन्दी की। हमारी प्रकृति हिन्दी है। स्वाभाविक ही हमारी संस्कृति भी हिन्दी में ही खिलती है। उल्लास और उत्साह का रस हिन्दी है। अंग्रेजी हमारे परिवार की भाषा नहीं है। हमें बताया जाता है कि अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा है। हम यह उपदेश मान भी लेते लेकिन क्या करें? एशिया महाद्वीप के 48 देशों में से भारत छोड़ किसी भी देश की मुख्य भाषा अंग्रेजी नहीं है। अजरबैजान की भाषा अजेरी, अर्मेनिया की अर्मेनियन, इजराइल की हिब्रू, ईरान की फारसी, उज्बेकिस्तान की उज्बेक, ओमान, सऊदी अरब, सीरिया, ईराक, जार्डन, यमन, बहरीन, कतर व कुवैत की भाषा अरबी है। चीन, ताईवान, सिंगापुर की मंदारिन, इण्डोनेशिया की डच, दोनों कोरिया की कोरियाई, श्रीलंका की सिंहली व तमिल, कम्बोडिया की खमेर, अफगानिस्तान की पश्तो, पाकिस्तान की उर्दू और तुर्किए की तुर्की है।

यूरोप को अंग्रेजी भाषी क्षेत्र माना जाता है लेकिन यूरोप के 43 देशों में से 40 की भाषा अंग्रेजी नहीं है। यहां डेनमार्क की डेनिस, चेक गणराज्य की चेक, रूस की रूसी, स्वीडन की स्वीडिस, जर्मनी की जर्मन, स्विटजरलैण्ड व पोलैण्ड की पोलिस, इटली की इटैलियन, ग्रीस की ग्रीक, बुल्गारिया की बल्गेरियन, मोल्दोवा की रोमानियन, यूक्रेन की यूक्रेनियन, फ्रांस की फ्रेंच, स्पेन की स्पेनिस है। सिर्फ ब्रिटेन की ही भाषा अंग्रेजी है। आयरलैण्ड की आयरिश व अंग्रेजी है। अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के क्षेत्रों में भी अंग्रेजी मूल भाषा नहीं है। बावजूद इसके अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा क्यों है?

लार्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था उच्चतर जीवन मूल्य और क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक परम्परा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छानुरूप शासित हो जाएं।ह्न महात्मा गांधी ने आहत मन कहा था, ह्नपृथ्वी पर हिन्दुस्तान ही ऐसा देश है जहां मां-बाप बच्चों को मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना-लिखाना पसंद करेंगे।

भारत की संविधान सभा में राजभाषा पर तीन दिन बहस हुई। एनजी आयंगर ने सभा (12.9.1949) में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखा, ह्नहम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिन्दी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह सम्मुन्नत भाषा नहीं है।

डॉ. धुलेकर ने बहस (13.9.1949) में कहा, ह्नअंग्रेजी वीरों की भाषा नहीं है। वह वैज्ञानिकों की भी भाषा नहीं है। विज्ञान का एक शब्द भी अंग्रेजी भाषा का नहीं कहा जा सकता और न अंग्रेजी भाषा में प्रयुक्त अंक उस भाषा के अंक हैं। आप कहते हैं अगले 15 वर्षों तक अंग्रेजी भाषा को देश की राजभाषा के रूप में रहने दिया जाये। स्वराज्य के पश्चात भी हमारे स्कूल, विश्वविद्यालय तथा वैज्ञानिक अंग्रेजी में ही काम करते रहेंगे तो यह सुनकर मैं कांप उठता हूं। सेठ गोविंददास ने कहा हमने सेक्युलर स्टेट मान लिया है। मगर इसका यह अर्थ कभी नहीं समझा कि सेक्युलर स्टेट मानना अनेक संस्कृतियां मानना है। यह एक प्राचीन देश है और इसका पुराना इतिहास है। इस देश में हजारों वर्षों से एक ही संस्कृति चली आई है।

701 किमी लंबा देश का प्रमुख एक्सप्रेस वे जनता को समर्पित। विकास की गति देगा यह महाराष्ट्र का एक्सप्रेस वे।

मुंबई समृद्धि एक्सप्रेसवे

कार्टून वर्ल्ड

रेलवे साइडिंग में ताबड़तोड़ फायरिंग

भुरकुंडा में दो अपराधियों ने दिनदहाड़े लिफ्टर ऑफिस को बनाया निशाना

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में गोलाबारी करता अपराधी।

घटना के बारे में लोगों से पूछताछ करती पुलिस

भदानीनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में शुक्रवार सुबह करीब 8:10 बजे अपराधियों ने दिनदहाड़े अंधाधुंध फायरिंग की। बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधियों ने लिफ्टर ऑफिस पर ताबड़तोड़ पांच गोलियां फायरिंग कर फरार हो गए। घटना में कोई हताहत नही हुआ। सूचना मिलते ही भदानीनगर ओपी प्रभारी ब्रह्मव्रत कुमार दल-बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर छानबीन शुरू की दी। पुलिस ने घटना स्थल से पांच खोखा बरामद किया।

जानकारी के अनुसार सुबह 8.10 बजे ग्लैमर बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधी रामगढ़-पतरातू फोरलेन के किनारे स्थित रेलवे साइडिंग के मेन गेट तक पहुंचे। एक अपराधी बाइक से उतरकर पिस्टल लेकर लिफ्टर ऑफिस के पास आया और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। उस समय कार्यालय में लोडिंग अनलोडिंग का कार्य देखने वाले भोला यादव, चंदन बनर्जी, बालेश्वर करमाली, संजय बेदिया सहित आसपास में कई कर्मचारी व मजदूर मौजूद थे। गोली चलते ही ऑफिस में बैठे लोग भाग कर अपनी जान बचाई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

फायरिंग के बाद दोनों अपराधी बाइक में सवार होकर 48 यूनिट होते हुए पटेलनगर की ओर भाग निकले। भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में दिनदहाड़े हुई फायरिंग की यह घटना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। अपराधियों का इस कदर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देना चिंताजनक है। पुलिस को इस मामले में शीघ्र खुलासा करना होगा, वहीं प्रशासन को भी इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस मामले की छानबीन जुटी है।

घटना की सूचना मिलते ही भदानीनगर ओपी प्रभारी ब्रह्मवत कुमार दल-बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से 7.65 बोर का पांच खोखा बरामद किया है। वहीं, पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एसडीपीओ गौरव गोस्वामी, सर्कल इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय गुप्ता, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता, बासल थाना प्रभारी कैलास प्रसाद सहित कई वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की बारीकी से जांच में जुट गये।

प्राथमिक जांच के आधार पर पुलिस को संदेह है कि यह घटना लेवी वसूली से जुड़ी हो सकती है। भुरकुंडा रेलवे साइडिंग पर कोयला लोडिंग का कार्य होता है, जहां कई लिफ्टर कंपनियां सक्रिय हैं। आशंका है कि किसी संगठित आपराधिक गिरोह ने लेवी के लिये दहशत कायम करने के उद्देश्य से इस वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल जांच जारी है, और सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। अनुसंधान के बाद ही स्थाई रूप से कुछ कहा जा सकता है। पतरातु एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने कहा कि घटना की हर एंगल से जांच की जा रही है। अपराधियों की मंशा और उनकी पहचान को लेकर अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। अनुसंधान के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

- पांच खोखा बरामद, घटना की हो रही जांच : एसडीपीओ

राहुल दुबे के गुर्गो ने ली गोलीबारी की जिम्मेदारी

रेलवे साइडिंग पर गोलीबारी की जिम्मेदारी राहुल दुबे गैंग ने ली है। गैंग के सदस्यों ने इस संबंध में एक मैसेज भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है। इसमें फायरिंग की आवाज आ रही है। राहुल दुबे के मैसेज में यह लिखा गया है कि गोलीबारी की घटना की पूरी जिम्मेदारी वे ले रहे हैं। रेलवे साइडिंग के ठेकेदार नेपाल यादव, बबलू यादव को भी धमकी इस संदेश के माध्यम से दी गई है। गैंग के लोगों ने कहा कि भुरकुंडा रेलवे साइडिंग से भी बड़ा धमाका बरकाकाना में होगा। मुंशी और मैनेजर को भी चेतावनी दी गई है।

रामगढ़ में 15 लाख का डोडा जब्त

- जमशेदपुर के चौका से ट्रक पर लादा गया था डोडा चूर्ण
- ड्राइबर व खलासी गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। पुलिस ने मांडू थाना क्षेत्र में 128 किलो डोडा लदा एक ट्रक पकड़ा । इस मामले की जानकारी शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एसपी अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 33 से होकर डोडा लदा एक ट्रक हजारीबाग की तरफ जाने की गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर मांडू में जांच अभियान चलाया गया। एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, प्रशिक्षु डीएसपी फौजान अहमद, मांडू इंस्पेक्टर रजत कुमार, मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने संदिग्ध ट्रक पीबी 13 बीएफ 8675 को रोका। साथ ही चालक और खलासी को गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान ट्रक चालक सह मालिक परमैल सिंह गिल को पकड़ा गया। वह पंजाब राज्य के लुधियाना जिला अंतर्गत डूगरी गांव का रहने वाला है। उसके साथ खलासी रेशम सिंह भी मौजूद था। उन दोनों ने बताया कि ट्रक में केमिकल के पीछे आठ बोरियों में भरकर 128 किलोग्राम डोडा छुपाया गया था। उक्त ट्रक पर डोडा चूर्ण जमशेदपुर के चौका से लादा गया था। जब्त डोडा का बाजार मूल्य लगभग 15 लाख बताया जा रहा है। पुलिस ने गाड़ी की जांच की तो 125 बोरा केमिकल पाउडर भी बरामद किया गया है। इसके अलावा ड्राइवर के पास से 50,800 रुपये भी जब्त किये गये हैं। पुलिस को उस ट्रक से अन्य सामान और दस्तावेज मिले हैं।

हजारीबाग सांसद की नयी पहल

खबर मन्त्र संवाददाता

सांसद तीर्थ दर्शन योजना

29 जून से मुफ्त में अयोध्या, काशी, प्रयागराज व विंध्याचल जायेंगे वृद्ध

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सांसद तीर्थ दर्शन 2025 योजना की घोषणा की है, जिसका शुभारंभ 29 जून को कटकमदाग स्थित नृसिंह स्थान मंदिर प्रांगण से होगा। इस योजना के तहत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त में धार्मिक स्थलों की यात्रा कराई जाएगी। प्रत्येक माह छह यात्राएं होंगी, जिसमें एक ट्रिप में 65 श्रद्धालु शामिल होंगे। वातानुकूलित बस में यात्रियों को काशी, अयोध्या, प्रयागराज संगम और विंध्याचल ले जाया जाएगा। सांसद सेवा कार्यालय की टीम चयन से लेकर यात्रा व्यवस्था तक सक्रिय भूमिका निभाएगी। यूपी सरकार से भी सहयोग की बात चल रही है। इस योजना को सांसद ने अपने पैतृक गांव से डेमो यात्रा कर शुरू किया है। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि यह सिर्फ तीर्थ नहीं, बुजुर्गों के सम्मान और समाज के संस्कारों का यात्रा है। योजना पूरी तरह निःशुल्क होगी, केवल प्रसाद व ट्रैवलिंग शुल्क श्रद्धालु वहन करेंगे। मौके पर उन्होंने अहमदाबाद विमान हादसे में मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया और राज्य सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब तक हम घंटी नहीं बजाते, सरकार नहीं जागती। कार्यक्रम में कई भाजपा नेता व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

हजारीबाग में हथियार तस्करी का पर्दाफाश

खबर मन्त्र संवाददाता

जिंदा गोली, अर्ध-निर्मित पिस्टल और पुर्जा बरामद

हजारीबाग। हजारीबाग के शांत माहौल के पीछे एक खतरनाक साजिश चल रही थी, अवैध हथियारों की तस्करी। 12 जून को पुलिस को मिली गुप्त सूचना ने पूरे इलाके में खलबली मचा दी। बड़ा बाजार विस्तिया मोहल्ला में हथियार और गोलियों की डीलिंग की खबर मिलते ही सदर थाना क्षेत्र में पुलिस ने दबिश दी।

छापेमारी के दौरान दो-तीन लोग भाग निकले, लेकिन एक शख्स पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसका नाम मो. अशरफ खान (32 वर्ष, निवासी जैन मंदिर गली, हजारीबाग) है। उसके पास से अवैध जिंदा गोली बरामद हुई। पूछताछ में उसने पुलिस को बिजली ऑफिस के पास झाड़ियों में छिपा एक झोला दिखाया, जिसमें अर्ध-निर्मित पिस्टल और उसके पुर्जे मिले। अशरफ की निशानदेही पर पुलिस रामगढ़ के गोलपार निवासी मो. आरिफ उर्फ शेरु के घर पहुंची। वहां से 1,40,000 नकद, एक डायरी और श्रीवास्तव ग्रुप से जुड़े बैंक अकाउंट्स की जानकारी हाथ लगी। डायरी में हथियार बेचने, भुगतान लेने और श्रीवास्तव ग्रुप के सदस्यों को पैसे भेजने का पूरा हिसाब-किताब लिखा था। पुलिस अब पूरे रैकेट की जड़ों को उखाड़ने की तैयारी में है। ये छापेमारी हजारीबाग की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा संदेश है– गुनहगार चाहे जहां भी छिपे हों, अब बचना नामुमकिन है।

तरहेसा जंगल से टीपीसी के 5 नक्सली धराए

- एरिया कमांडर प्रशांत जी, आदित्य गंझू, देवेन गंझू, धरम गंझू और रूपलाल गंझू हजारीबाग पुलिस के हत्थे चढ़े
- अमेरिकी कार्बाइन, पिस्टल, तीन देशी कट्टा, 28 कारतूस, और नौ मोबाइल बरामद

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। जिले के बड़कागांव इलाके में पुलिस ने एक बार फिर बड़ा नक्सली हमला टाल दिया है। तरहेसा जंगल में गुप्त सूचना पर शुरू हुए सर्च ऑपरेशन में पुलिस ने जिस तरह से योजनाबद्ध कार्रवाई की, उसने एक खतरनाक साजिश को वक्त रहते विफल कर दिया। गुप्तचर सूचना के आधार पर जब पुलिस की टीम घाटगोसाई के पास सर्च अभियान में जुटी थी, तब घने जंगलों में मौजूद उग्रवादी कुछ बड़ा करने की फिराक में थे। लेकिन पुलिस की तेज कार्रवाई ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। गिरफ्तार उग्रवादियों में टीपीसी का एरिया कमांडर प्रशांत जी उर्फ अवधेश सिंह समेत चार अन्य आदित्य गंझू, देवेन गंझू, धरम गंझू और रूपलाल गंझू शामिल हैं। इनके पास से अमेरिकी एआर -15 एम 4 कार्बाइन, पिस्टल, तीन देशी कट्टा, 28 कारतूस, नौ मोबाइल, टीपीसी के पर्चे और कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए हैं। शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि 1 जून को बीजीआर कंपनी के दो हाइवा ट्रकों को जलाने में भी इनकी भूमिका थी। हजारीबाग पुलिस की इस कार्रवाई ने सिर्फ एक हमले को टाला नहीं, बल्कि टीपीसी के नेटवर्क को भी गहरा झटका दिया है। गिरफ्तार उग्रवादियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हर घर नल योजना बनी हर गली हलकान योजना

अभय कुमार सिंह

- एलएनटी का ठेका बनी लोगों की मुसीबत
- कर्मचारी बेहाल, जनता बेजार और सड़कें बर्बाद

हजारीबाग। हजारीबाग की धरती पर केंद्र सरकार की बहुप्रचारित हर घर जल योजना आज मजाक बनकर रह गई है। जिले के हर कोने तक नल का जल पहुंचाने का सपना एलएनटी कंपनी के हाथों ऐसा टूटा कि उसके खुद के कर्मचारी भी सड़क पर आ गए, और जनता गलियों की धूल फांक रही है। नाम नहीं छापने के शर्त पर एक कर्मचारी ने बताया की यह योजना दम तोड़ती नजर आ रही है, चार महीने से तनख्वाह नहीं मिली है। हाल बूरा है। अब किसी और कंपनी में नौकरी ढूंढनी होगी। तनख्वाह के लिए मोहताज हो चुके इस कंपनी के कई कर्मचारी आज अपने परिवार चलाने में असमर्थ हैं, जबकि कंपनी को लगातार एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन मिलता जा रहा है। निर्धारित कार्यावधि बीत चुकी है, और न तो पाइपलाइन पूरी हुई, न ही पानी की एक बूँद नल से टपकी है। इसके बावजूद अधिकारियों की मेहरबानी देखिए कि कंपनी को बिना सवाल पूछे नए डेडलाइन मिलते जा रहे हैं लेकिन असली गुस्सा वहां भड़का है जहां एलएनटी ने हजारीबाग की सुंदर पीसीसी सड़कों का हुलिया ही बदल डाला है। न पानी आया, न पाइप ठीक से बिछा, लेकिन मजबूत सड़कों को बेवजह तोड़ कर रख दिया गया। सोचने वाली बात यह है कि जब इन सड़कों को फिर से तोड़ना ही था तो चंद महीने पहले ढलाई और मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये क्यों झोंके गए? यह दोहरी लापरवाही नहीं, यह सिस्टम की उस बीमारी का नमूना है जिसमें जनता की गाढ़ी कमाई से बनी सड़कें, योजनाएं और भविष्य, सब कुछ ठेकेदारों और प्रशासनिक लापरवाही की बलि चढ़ जाते हैं। अब सवाल सीधा है कि काम अधूरा, पैसा खत्म, कर्मचारी लाचार फिर भी एक्सटेंशन क्यों? क्या हजारीबाग की जनता सिर्फ योजनाओं के शोर में उलझी रहेगी, या अब कोई जवाबदेही तय होगी? सड़कें टूटी, सपने टूटे, भरोसा टूटा, अब वक्त है कि इस 'तोड़ो-बनाओ-तोड़ो' के खेल का पदार्फाश हो। जनता पूछ रही है: हर घर नल कब आएगा? या फिर हर गली बर्बाद होती रहेगी?

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा।

(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद चतरा द्वारा प्रखण्ड मयूरहण्ड, कुन्दा एवं लावालौंग में निर्मित डाकबंगला को एक वर्ष के लिए बंदोबस्ती /लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् है:–

क्र. स.	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राशि एक वर्ष का	जमानत की राशि तीन माह का
1	2	3	4	5
2	डाकबंगला मयूरहण्ड	1439.26 sqft	48000/	12000/
	डाकबंगला कुन्दा	1874 sqft	48000/	12000/
	डाकबंगला लावालौंग	1874 sqft	48000/	12000/

अतएव सूचित करना है कि दिनांक 23.06.2025 को 3:00 बजे अपराह्न में उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद,चतरा के सभागार में अधोहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्रक्रिया की जायेगी।

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 2000.00 (दो हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिशद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते हैं,जो लौटाया नहीं जायेगा।

शर्त :–

1. बन्दोबस्ती एक वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम–5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक ड्राफ्ट द्वारा उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद,चतरा के पदनाम से जिला परिषद,कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्ताओं की जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र /पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोवस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अविवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात् डाकबंगला आवंटित होगा।
6. बन्दोबस्तीधारी को बन्दोबस्ती राशि का 25% जमानत राशि एवं 25% भवन का संचालन हेतु एकरारनामा के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
7. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना होगा।
8. अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, चतरा।

PR 354972 District(25-26)D

कार्यालय अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग

-:आम सूचना:-

एतत् द्वारा सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि खास महाल लीज भूमि के लीज नवीकरण /नामान्तरण हेतु झारखण्ड सरकार के विभागीय परिपत्रांक 5727/रा0, दिनांक 30.11.2017 के आलोक में वंशावली प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। उक्त परिपत्रांक के आलोक में निम्न लीजधारियों का वंशावली प्रमाण पत्र अंचल अधिकारी, सदर के कार्यालय से प्राप्त है।

अंचल अधिकारी, सदर द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि उक्त वंशावली प्रमाण पत्र विहित प्रक्रिया का पालन करते हुए निर्गत किया गया है, लेकिन खासमहाल की लीज भूमि के लीज नवीकरण/नामान्तरण हेतु उक्त वंशावली प्रमाण पत्र का सत्यापन अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग के स्तर से कराना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः उक्त के आलोक में खास महाल भूमि के लीज नवीकरण/ नामान्तरण हेतु प्रेस–विज्ञप्ति के माध्यम से वंशावली की आम सूचना प्रकाशित की जा रही है। यदि उक्त वशावली के संबंध में किसी भी आम एवं खास को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सूचना प्रकाशन के पन्द्रह दिनों के अन्दर साक्ष्यों के साथ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में समर्पित करना सुनिश्चित करें। सूचना प्रकाशन के पंद्रह दिनों बाद कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगा।

स्व0 बरूण कुमार घोश पिता स्व0 पंकज कुमार घोश
↓
स्व0 सुलेखा घोश पति स्व0 बरूण कुमार घोश
↓
सुबीर घोश

अनुमण्डल पदाधिकारी,
सदर, हजारीबाग।

PR.NO.354974 District(25-26):D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा

(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद द्वारा मयुरहण्ड एवं कान्हाचट्टी प्रखण्ड अन्तर्गत निर्मित विवाह मण्डप को एक वर्ष के लिए बंदोबस्ती/लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् है:–

क्र.स.	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राशि एक वर्ष का	जमानत की राशि तीन माह का
1	2	3	4	5
2	विवाह मण्डप मयुरहण्ड	2336.25 sqft	60000/	15000/
2	विवाह मण्डप कान्हाचट्टी	2246 sqft	60000/	15000/

अतएव सूचित करना है कि दिनांक 23.06.2025 3:00 बजे अपराह्न में उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा के सभागार में अधोहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्रक्रिया की जायेगी।

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 2000.00 (दो हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते हैं, जो लौटाया नहीं जायेगा।

शर्त :–

1. बन्दोबस्ती एक वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम–5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक ड्राफ्ट द्वारा उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा के पदनाम से जिला परिषद, कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्ताओं की जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र /पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोवस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अविवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात् डाकबंगला आवंटित होगा।
6. बन्दोबस्तीधारी को बन्दोबस्ती राशि का 25% जमानत राशि एवं 25% भवन का संचालन हेतु एकरारनामा के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
7. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना होगा।
8. अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा

PR 354975 District (25-26)_D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा।

(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद चतरा द्वारा प्रखण्ड मयूरहण्ड, कुन्दा एवं लावालौंग में निर्मित डाकबंगला को एक वर्ष के लिए बंदोबस्ती /लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् है:–

क्र. स.	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राशि एक वर्ष का	जमानत की राशि तीन माह का
1	2	3	4	5
2	डाकबंगला मयूरहण्ड	1439.26 sqft	48000/	12000/
	डाकबंगला कुन्दा	1874 sqft	48000/	12000/
	डाकबंगला लावालौंग	1874 sqft	48000/	12000/

अतएव सूचित करना है कि दिनांक 23.06.2025 को 3:00 बजे अपराह्न में उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद,चतरा के सभागार में अधोहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्रक्रिया की जायेगी।

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 2000.00 (दो हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिशद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते हैं,जो लौटाया नहीं जायेगा।

शर्त :–

1. बन्दोबस्ती एक वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम–5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक ड्राफ्ट द्वारा उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद,चतरा के पदनाम से जिला परिषद,कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्ताओं की जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र /पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोवस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अविवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात् डाकबंगला आवंटित होगा।
6. बन्दोबस्तीधारी को बन्दोबस्ती राशि का 25% जमानत राशि एवं 25% भवन का संचालन हेतु एकरारनामा के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
7. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना होगा।
8. अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, चतरा।

PR 354972 District(25-26)D

नीली- मीठी क्रांति और खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा के प्रति समर्पित सरकार

नरेन्द्र मोदी

यह क्षेत्र अब संगठित विनिर्माण क्षेत्र में कुल रोजगार में 12.41% का योगदान देता है, जिससे ग्रामीण परिवारों के लिए वैकल्पिक आय स्त्रोत उपलब्ध होते है.

नीली क्रांति:

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है, जिसकी वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग 8% हिस्सेदारी है।

पिछले दो दशकों में, भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि और परिवर्तन देखा गया है। तकनीकी प्रगति से लेकर नीतिगत सुधारों तक, 2014 से 2024 के बीच के वर्ष ऐसे मील के पत्थर रहे हैं, जिन्होंने वैश्विक मत्स्य पालन और जलीय कृषि में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक कुल वार्षिक बजटीय समर्थन 2,703.67 करोड़ रुपये प्रस्तावित किया गया है। उत्पादन बढ़ाने और क्षेत्र को मजबूत करने के लिए, सरकार ने मत्स्य पालन के लिए एक समर्पित विभाग बनाया।

उपलब्धियां (2014-2024):

* उत्पादन में वृद्धिः मछली उत्पादन 95.79 लाख टन (2013-14) और 63.99 लाख टन (2003-04) से बढ़कर 184.02 लाख टन (2023-24) हो गया, जो 10 वर्षों (2014-24) में 88.23 लाख टन की वृद्धि दशार्ता है, जबकि 2004-14 में 31.80 लाख टन की वृद्धि हुई थी।

* अंतदेर्शीय और जलीय कृषि मछली उत्पादन में वृद्धिः अंतदेर्शीय और जलीय कृषि मछली उत्पादन में 2004-14 में 26.78 लाख टन की तुलना में 2014-24 में 77.71 लाख टन की जबरदस्त वृद्धि हुई।

* समुद्री मछली उत्पादन 5.02 लाख टन (2004-14) से दोगुना होकर 10.52 लाख टन (2014-24) हो गया।

डेयरी क्षेत्र:

इस क्षेत्र में 5.7% की औसत वार्षिक वृद्धि दर देखी गई है, जो वैश्विक औसत 2% से काफी अधिक है।

भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले स्थान पर है, जो वैश्विक उत्पादन में 25% का योगदान देता है। देश में दूध उत्पादन पिछले 10 वर्षों में 63.56% बढ़ा है - 2014-15 में 146.3 मिलियन टन से 2023-24 में 239.2 मिलियन टन तक। इसके अतिरिक्त, भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 48% बढ़कर 2023-24 में 471 ग्राम/व्यक्ति/दिन हो गई है, जबकि वैश्विक औसत 322 ग्राम/व्यक्ति/दिन है।

डेयरी दुनिया के लिए एक व्यवसाय है, लेकिन भारत जैसे विशाल देश में, यह रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करता है, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक विकल्प है, कुपोषण की समस्याओं का समाधान प्रदान करता है और महिला सशक्तिकरण करता है।

19 मार्च, 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021-22 से 2025-26 के लिए 2,790 करोड़ रु के कुल परिव्यय के साथ संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) 400 और 3, करोड़ रु के साथ संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) को मंजूरी दी। इन योजनाओं का उद्देश्य दूध की खरीद, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, देशी मवेशियों के प्रजनन को बढ़ावा देना, डेयरी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और ग्रामीण आय और विकास को बढ़ाना है।

* दूध उत्पादन में 63.56% की वृद्धि हुई, जो 146.3 मीट्रिक टन से बढ़कर 239.3 मीट्रिक टन हो गया।

* देशी मवेशियों के दूध में 69.27% ??की वृद्धि हुई, जो 29.48 मीट्रिक टन से बढ़कर 49.90 मीट्रिक टन हो गया।

* भैंस के दूध में 39.73% की वृद्धि हुई, जो 74.70 मीट्रिक टन से बढ़कर 104.38 मीट्रिक टन हो गया।

* दुधारू पशुओं की संख्या में 30.46% की वृद्धि हुई, जो 85.66 मिलियन से बढ़कर 111.76 मिलियन हो गई।

* डेयरी क्षेत्र में 8 करोड़ से अधिक किसान कार्यरत हैं।

मीठी क्रांति:

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) को 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत लॉन्च किया गया था, जिसका कुल परिव्यय 2020-21 से 2022-23 की अवधि के लिए 500 करोड़ रु था। इस योजना को 2023-24 से 2025-26 तक तीन और वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है, जिसका शेष बजट 370 करोड़ रु है। इसका उद्देश्य ₹मीठी क्रांति₹ को प्राप्त करने और आय सृजन और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

मोदी सरकार के तहत शहद का निर्यात तीन गुना हो गया।

एनबीएचएम की प्रमुख उपलब्धियाँः

भारत ने 2022-23 में 1.42 लाख मीट्रिक टन शहद का उत्पादन किया और 79,929 मीट्रिक टन का निर्यात किया।

सशक्तिकरण के लिए 167 महिला एसएचजी गतिविधियों का समर्थन किया गया।

मधुमक्खी पालन केंद्रों की बढ़ती मांग के साथ, 31.12.2025 तक 2,000 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया गया है।

6 विश्व स्तरीय और 47 मिनी शहद परीक्षण प्रयोगशालाएँ, साथ ही 6 रोग प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं।

8 कस्टम हायरिंग सेंटर, 26 शहद प्रसंस्करण इकाइयाँ और अन्य बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया गया है।

ऑनलाइन पंजीकरण और ट्रेसबिलिटी के लिए मधुक्रांति पोर्टल लॉन्च किया गया - 14,800 से अधिक मधुमक्खी पालक और 22.39 लाख कॉलोनियाँ पंजीकृत हैं।

ट्राइफेड, नेफेड और एनडीडीबी के तहत मधुमक्खी पालकों के लिए 100 एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) में से 7 का गठन किया गया।

इथेनॉल खरीद

इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि

भारत सरकार वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता को कम करने के लिए इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को लागू कर रही है। इस कार्यक्रम के तहत, तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसी) मुख्य रूप से गन्ने से उत्पादित इथेनॉल को पेट्रोल के साथ मिलाती हैं। सरकार का लक्ष्य ईएसवाई 2025-26 तक पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण प्राप्त करना है, जो 2030 के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है। 28 फरवरी 2025 तक, इथेनॉल मिश्रण 17.98% तक पहुँच गया है, जो जून 2022 में प्राप्त 10% से लगातार आगे बढ़ रहा है। यह पहल न केवल स्वच्छ ऊर्जा का समर्थन करती है, बल्कि इथेनॉल की निरंतर मांग पैदा करके गन्ना किसानों को एक स्थिर आय स्रोत भी प्रदान करती है। इथेनॉल की कीमतों में वृद्धि और जीएसटी और परिवहन शुल्क का अलग से भुगतान किसानों की आय को और मजबूत करता है। प्रमुख उपलब्धियाँ

* इथेनॉल की खरीद 2013-14 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर 2023-24 में 441 करोड़ लीटर हो गई।

* चीनी सीजन 2023-24 में गन्ना किसानों को 1,11,703 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

* किसानों के लिए बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करने के लिए सी-हैवी मोलासेस (सीएचएम) इथेनॉल की कीमत में 3% की बढ़ोतरी।

* अलग-अलग जीएसटी और परिवहन शुल्क से किसानों की कमाई में सीधा लाभ होता है।

यह कार्यक्रम किसानों की आय दोगुनी करने, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, विदेशी मुद्रा बचाने और पर्यावरण की सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बंजर भूमि पर सौर पैनल प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान

(पीएम-कुसुम) का उद्देश्य कृषि में डीजल के उपयोग को कम करना और किसानों की आय को बढ़ाना है। यह स्टैंडअलोन सोलर पंप लगाने और मौजूदा पंपों को सोलराइज करने के लिए 30-50% केंद्रीय सब्सिडी प्रदान करता है। किसान बंजर भूमि पर 2 मेगावाट तक के सोलर प्लांट भी लगा सकते हैं और डिस्कॉम को बिजली बेच सकते हैं। यह योजना स्वच्छ ऊर्जा और आय सृजन को बढ़ावा देती है और इसे राज्य सरकार के विभागों द्वारा लागू किया जाता है।

पीएम-कुसुम योजना के तहत उपलब्धियां

₹ किसानों के लिए सौर पंपों की संख्या में 92 गुना से अधिक की वृद्धि देखी गई।

₹ इस योजना के तहत 49 लाख कृषि पंपों को सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा।

स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, डीजल पर निर्भरता कम होगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

अहमदाबाद में 'सपनों की उड़ान' से सुलगते सवाल

प्रियंका सौरभ

अहमदाबाद में 12 जून की सुबह आम दिनों की तरह सामान्य थी। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आज की दोपहर रुलाने वाली होगी। एअर इंडिया की फ्लाइट ए1-171 लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने कुछ ही सेकंड बाद क्रैश हो गई। यह हादसा सिर्फ अहमदाबाद को ही नहीं, पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर गया। इस विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर थे। सभी की अपनी-अपनी कहानियां थीं। कोई पहली बार विदेश जा रहा था। किसी को बेटी की शादी में शामिल होना था। कोई नौकरी के लिए लंदन जा रहा था तो कोई अपने बेटे से मिलने। किसी ने शायद दरवाजा बंद करते समय पीछे मुड़कर देखा हो। मगर अधिकांश ने आखिरी बार कहा होगा-पहुंचकर फोन करना। लेकिन इसका मौका 'सपनों की उड़ान' भरने वालों को नहीं मिला।

इस विमान का बड़ा हिस्सा मेघानी नगर के मेडिकल छात्रावास पर भी गिरा। इससे वहा रह रहे छह छात्र भी मौत के मुंह में समा गए। यह युवा भविष्य में किसी की जान बचा सकते थे। दुर्भाग्य देखिए, उनकी अपनी जानें ही नहीं बच सकीं। किसी मोबाइल फोन की स्क्रीन पर शायद अभी भी ममता का ह्यमिस्ड कॉलह्न दिख रहा होगा। किसी के व्हाट्स ऐप पर अब भी लैंड करते ही मैसेज करना लिखा होगा।

हादसे में मर जाना अलग बात है, लेकिन बिना अलविदा कहे दुनिया छोड़ जाना एक अकल्पनीय दुःख होता है। एअर इंडिया का यह ड्रीमलाइनर विमान आधुनिकतम सुरक्षा तकनीक से लैस था। ड्रीमलाइनर 787 को उड्डयन जगत में विश्वसनीय माना जाता है। फिर सवाल उठता है- कैसे हुआ ये हादसा? क्या विमान में पहले से कोई तकनीकी गड़बड़ी थी? क्या मेंटेनेंस में लापरवाही बरती गई? या फिर यह एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग है?

कैप्टन सुमीत सबरवाल इस विमान को उड़ा रहे थे। वे 8200 घंटे के उड़ान अनुभव वाले वरिष्ठ पायलट थे। उनके साथ सह-पायलट क्लाइव कुन्दर भी थे। उनके पास भी पर्याप्त उड़ान अनुभव था। कहते हैं कि दोनों ने आखिरी क्षण तक विमान को कंट्रोल करने की कोशिश की। ब्लैक बॉक्स से मिली रिकॉर्डिंग में कैप्टन की अंतिम आवाज 'मेडे कॉल' के रूप मे दर्ज है। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में देर नहीं की। खबर फैलते ही अस्पतालों के बाहर परिजनों की चीखें सुनाई देने लगीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। हादसों के बाद हम अकसर संवेदनाएं प्रकट करते हैं। मोमबत्तियाँ जलाते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और फिर भूल जाते हैं। लेकिन इस बार कुछ बदलना होगा। कई परिवार ऐसे हैं जिनका एकमात्र कमाने वाला सदस्य इस हादसे में चला गया। कुछ ऐसे हैं जिनके तीन-तीन सदस्य एकसाथ उड़ान पर थे और अब उनकी कोई स्मृति शेष नहीं।

एक छह साल की बच्ची की तस्वीर वायरल हो रही है जो अपने दादा-दादी के साथ पहली बार विदेश जा रही थी। अब उसकी गुलाबी गुड़िया राख में मिली है। एक नवविवाहिता जो ससुराल के लिए रवाना हुई थी, अब ताबूत में लौटेगी। यह कहानियां तकलीफदेह हैं। इस हादसे के बाद हमें दो काम जरूर करने चाहिए। पहला-पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी, कानूनी और मानसिक सहायता दी जाए। दूसरा-यह सुनिश्चित किया जाए कि भारत की कोई भी उड़ान हो, उसे उड़ने से पहले सौ बार जांचा जाए।

एक शोक रचना याद आ रही है-जो उड़ने चले थे सितारे बन के, वो राख में अब निशान बन के रह गए। यह दुर्घटना उन सभी यात्रियों को श्रद्धांजलि है जो सिर्फ मंज्ल की आशा लेकर चले थे और अब हमारी यादों का हिस्सा बन गए हैं। वे लौटकर नहीं आएंगे, लेकिन अगर हमने उनकी याद में सिस्टम को बेहतर बना दिया, तो शायद उनके जाने का कोई अर्थ रह जाएगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

10 जून से आंरभ जेपीएससी इंटरव्यू के संभावित सवाल

रानी राज

आपका पसंदीदा शौक क्या है और इसमें आपकी रुचि कैसे विकसित हुई?

आपका शौक आपको तनाव प्रबंधन या आपके व्यक्तित्व को बेहतर बनाने में किस प्रकार मदद करता है?

यदि आपका शौक पढ़ना है, तो किस पुस्तक ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया है और क्यों?

बेहतर प्रशासन के लिए जेपीएस अधिकारी जेएएस अधिकारियों के साथ किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं?

झारखंड में पुलिस भ्रष्टाचार को कम करने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?

आप जनजातीय समुदायों द्वारा विरोध प्रदर्शन से संबंधित स्थिति को कैसे संभालेंगे?

झारखंड में बाढ़ के दौरान आपदा प्रबंधन में जेपीएस की भूमिका पर चर्चा करें।

जेपीएस अधिकारी झारखंड में सड़क सुरक्षा को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं और दुर्घटनाओं को कैसे कम कर सकते हैं?

ग्रामीण झारखंड में पुलिस प्रतिक्रिया समय में सुधार के लिए आप क्या उपाय करेंगे?

आप झारखंड में बाल अपराध के मुद्दे को कैसे संबोधित करेंगे?

झारखंड में किशोर न्याय अधिनियम के कार्यान्वयन की चुनौतियों पर चर्चा करें।

जेपीएस अधिकारी आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास में किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं?

झारखंड के सांस्कृतिक विरासत स्थलों की सुरक्षा में जेपीएस क्या भूमिका निभा सकता है?

एक सिविल सेवक के रूप में आपकी भूमिका में आपका शौक किस प्रकार योगदान दे सकता है?

यदि आपका शौक खेल है, तो यह आपको टीम वर्क और नेतृत्व कैसे सिखाता है?

आज झारखंड के सामने प्रमुख सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ क्या हैं?

झारखंड अपनी उच्च गरीबी दर, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, का समाधान कैसे कर सकता है?

झारखंड में साक्षरता दर (2011 की जनगणना के अनुसार 66.41%) में सुधार के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

जनसंख्या की दृष्टि से झारखंड की सबसे बड़ी जनजाति का नाम बताइए तथा उसकी सांस्कृतिक प्रथाओं का वर्णन कीजिए।

उरांव जनजाति के बीच ₹धुमकुरियार₹ सामाजिक संगठन का क्या महत्व है?

संथाल जनजाति के ह्लमांझीह्व की उनकी सामुदायिक व्यवस्था में भूमिका पर चर्चा करें।

बहा त्योहार क्या है और कौन सा जनजातीय समुदाय इसे मनाता है?

करमा त्योहार झारखंड की जनजातियों की सांस्कृतिक पहचान को किस प्रकार प्रतिबिंबित करता है?

असुर जनजाति के पारंपरिक व्यवसाय क्या हैं?

झारखंड के विकास पर नक्सलवाद के प्रभाव और संभावित समाधान पर चर्चा करें।

झारखंड की खनिज संपदा का वहां के लोगों के लाभ के लिए स्थायी उपयोग कैसे किया जा सकता है?

झारखंड में प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे क्या हैं और उनसे कैसे निपटा जा सकता है?

झारखंड (वन क्षेत्र 29.54%) में वनों की कटाई से वहां के जनजातीय समुदायों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

आप अपने शौक और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन कैसे बनाते हैं?

क्या आपने कभी अपने शौक का उपयोग अपने समुदाय या समाज के लाभ के लिए किया है?

यदि आपका शौक कला या संगीत से संबंधित है, तो यह झारखंड की संस्कृति को कैसे दशार्ता है?

क्या आप अपने शौक से जुड़ी किसी प्रसिद्ध शख्सियत और उनकी उपलब्धियों का नाम बता सकते हैं?

आप अपने शौक में कैसे अपडेट रहते हैं या अपने कौशल में सुधार करते हैं?

ग्रामीण झारखंड में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

झारखंड में पुनर्वास और पुनर्स्थापन नीति के कार्यान्वयन की चुनौतियों पर चर्चा करें।

झारखंड की पर्यटन क्षमता (जैसे, हुंडरू जलप्रपात, नेतरहाट) का आर्थिक विकास के लिए किस प्रकार लाभ उठाया जा सकता है?

झारखंड की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में नवीकरणीय ऊर्जा क्या भूमिका निभा सकती है?

(अंकेक्षक अधिकारी, बिहार सरकार)

विमान हादसा...यह सरकार और सिस्टम को दोष देने का नहीं, प्रार्थना का समय है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से इस पर संवेदनाएं व्यक्त करनेवालों के साथ ही एक ऐसा वर्ग भी सोशल मीडिया पर दिखाई दे रहा है, जो लगातार इस घटना के बहाने अपनी सरकार और पूरे सिस्टम को दोषी करार दे रहा है। जिन्हें देश के बड़े उद्योगपतियों से आपत्ती है, उनका विरोध यहां तक पहुंच गया है कि वह उन्हें भी इस हादसे का दोषी करार दे रहे हैं। एयर इंडिया का निजीकरण करने की आलोचना कर रहे हैं और सरकार को इस दुर्घटना का कारण मानकर उसे कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। किंतु क्या यह व्यवहार ठीक है? जब देश के प्रत्येक नागरिक को इस दुखद प्रसंग में एक साथ खड़े होना चाहिए, जब उन्हें मृतकों के लिए शांति की प्रार्थना करनी चाहिए तब क्या इस प्रकार के लोगों का नकारात्मक व्यवहार उचित कहा जा सकता है?

कई पोस्ट पढ़ते वक्त लगा कि ये क्या लिखा जा रहा है? कहा जा रहा है कि अहमदाबाद सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट के ऑपरेशन और मेंटेनेंस का काम विदेशी कंपनी देखती है, जिसे 2020 में एयरपोर्ट का ठेका 50 साल के लिए मिला था। एयर इंडिया का मालिकाना हक टाटा ग्रुप के पास है। अक्टूबर 2021 में सरकार ने एयर इंडिया का निजीकरण करते हुए इसे टाटा ग्रुप को सौंप दिया था। निजीकरण के नाम पर जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है लेकिन सुविधाएं घटिया होती जा रही हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का जब से प्राइवेटाइजेशन हुआ है तब से स्थिति खस्ताहाल होती जा रही है रोडवेज बसे, ट्रेन और अब फ्लाइट...।

इसी तरह से किसी भी स्तर पर जाकर जिन्हें केंद्र की मोदी सरकार को कोसने का अवसर चाहिए, उन्होंने भी इस हादसे में अपने लिए अवसर ढूंढ़ लिया। अब जो यह लिख रहे हैं, उन्हें पूरी हकीकत भी पहले जान लेना चाहिए। क्योंकि समझनेवाली बात यह है कि अदानी कंपनी का काम एयरपोर्ट की देखभाल है, हवाई जहाज उड़ाने और लैंड कराने का काम एयरपोर्ट ऑथोरिटी का है। फिर भी उद्योगपति गौतम अडानी की जो प्रतिक्रिया सामने आई है, वह एक बार सभी को अवश?य देखना चाहिए। अडानी ने कहा,हम एयर इंडिया की फ्लाइट 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अकल्पनीय क्षति झेली है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं। इस वक्त अडानी समूह एयर इंडिया के विमान अक्1 71 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। एयरपोर्ट के ऑपरेटर के तौर पर, अडानी ग्रुप की ग्राउंड टीमें घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों में से थीं, जो एयरपोर्ट संचालन, आपातकालीन प्रतिक्रियाकताओं और राष्ट्रीय आपदा टीमों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए काम कर रही थीं।यहां इससे अधिक हम क्या अपेक्षा कर सकते हैं अडानी ग्रुप से जबकि वह तो अपना काम अच्छे से कर ही रहा है।

हालांकि यह गहन जांच का विषय है कि उक्त हादसा हुआ क्यों? पर हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि

यह पहला मौका नहीं है जब बोइंग का कोई विमान क्रैश हुआ है। हादसों के मामले में बोइंग विमानों का इतिहास दागदार है। इससे पहले 2024 में दक्षिण कोरिया में बोइंग का विमान क्रैश हुआ था, जिसमें लगभग 180 लोगों की जान चली गई थी। इसमें बोइंग का 737-800 एयरक्राफ्ट शामिल था, जो 737 मैक्स का नया वर्जन था। 2018 और 2019 में भी बोइंग 737 मैक्स का विमान क्रैश हुआ था, जिनमें लायन एयर फ्लाइट 610 और इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 शामिल थीं। इन दुर्घटनाओं में 346 यात्री और क्रू मेंबर्स की जान चली गई। इस संबंध में अभी तक सामने आए आंकड़ों के अनुसार, बोइंग विमान दुनिया भर में लगभग 6,000 दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं। इसमें 415 घातक थीं और 9,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है। दुनिया भर में हजारों यात्री विमानों में कम से 4,000 से ज्यादा विमान बोइंग 737-800 हैं। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में बोइंग विमानों का इस्तेमाल प्रमुखता से किया जाता है। वहीं, पिछले कुछ वर्षों में पायलटों ने इंजन में बर्फ जमने, ईंधन रिसाव, जनरेटर की विफलता और विद्युत प्रणाली में खराबी जैसी समस्याओं की भी शिकायत की है। इन?हीं कमियों के चलते 2024 में कंपनी के एक इंजीनियर, व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपुर ने ड्रीमलाइनर के मुख्य भाग में संरचनात्मक समस्याओं के बारे में अमेरिकी सीनेट को बताया था। इसके बाद बोइंग फिर से जांच के दायरे में आ गया। उन्होंने दावा किया था कि छोटी-छोटी खामियां और सही असेंबलिंग न होना विमान के जल्द खराब होने और संरचनात्मक विफलता का कारण बन सकते हैं। एफएए ने एक जांच शुरू की, जो अभी भी जारी है। स?वभाविक है जब तक जांच का कोई परिणाम नहीं आ जाता, ये विमान आसमान में पूरी दुनिया में उड़ते रहेंगे।

वस्तुतः यहां हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि इस विमान को आधुनिक ओर सक्षम विमान माना जाता है लेकिन इन विमानों का इतिहास सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा रहा है। यह विमान ही क्यों पूरा हवाई सेक?टर ही हमेशा से चिंताओं से भरा रहा है। लाख सावधानी और सुरक्षा के बाद भी घटना कहीं भी कभी भी घट सकती है। यह कोई दावा किसी भी स?तर पर नहीं कर सकता कि दुर्घटना का पता पहले से लगाया जा सकता है। इस केस में पहले प्लेन के पायलट सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर ने कॉल किया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हादसे के पहले यह बताने की कोशिश की थी कि विमान में कुछ गड़बड़ी है कॉल का मतलब पायलट के पास मदद मांगने का समय था, लेकिन प्लेन कंट्रोल करने का नहीं। इसका मतलब यह भी है कि इस विमान में अचानक से आई कोई बड़ी खराबी रही, जो इसके हादसे का कारण बना है। वास्तव में यह वक्त अपनी सरकार पर दोषारोपण करने का नहीं, जो मृत हुए हैं, उनके प्रति अपनी सांत्वना व्यक्त करने का है।

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। पति-पत्नी के साथ उनके दो जुड़वां बच्चे और एक बेटे की जो अंतिम फोटो सामने आई है, वह सभी को भावुक करती है। प्रतीक जोशी जो लंदन में पेशे से डॉक्टर थे, उनकी पत्नी कोमी व्यास, जुड़वां बेटियां मिराया जोशी और प्रद्युत जोशी, बेटा नकुल जोशी के साथ यात्रा कर रहे थे। प्लेन के टेकऑफ होने से पहले उन्होंने सेल्फी भी ली थी जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मरनेवालों में कई लोग तो अपनी बहुत जिंदगी जी चुके थे, लेकिन ये तीनों बच्चे तो अभी बहुत छोटे ही थे, जिन्हें जीवन में बहुत कुछ देखना था, पर अनहोनी के बारे में क्या भविष्यवाणी की जा सकती है! इस प्लेन क्रैश में नई नवेली दुल्हन खुशबू की पहली उड़ान ही उसके लिए आखिरी साबित हुई जोकि अपने पति के पास लंदन जा रही थी।

एक भारत की बेटी राजस्थान के उदयपुर की रहने वाली पायल खटीक जो अपने सपनों को उड़ान देने के लिए लंदन जा रही थी, उसके परिवार के लिए उसकी ये यात्रा अंतिम साबित हुई है। वस्तुतः इस तरह की अनेक कहानियां हैं, जिन्होंने अपना सब कुछ खो दिया, हर कहानी बहुत भावुक करती है और जिंदगी का सबक भी देती हैं कि जीवन में अंतिम क्षण कब, कहां आ जाए कोई भरोसा नहीं।

कैरो में फिर पहुंचा जंगली हाथियों का झुंड,कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

कैरो। प्रखंड क्षेत्र के खरता में बीती रात दर्जनों की संख्या में पहुँचा जंगली हाथियों का झुंड। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात करीब दो बजे हनहट के रास्ते खरता पहुँचा उस समय पूरा गांव नींद में सोया था कि अचानक ईश्वर महली पिता स्व दिलमोहन महली के घर पर धावा बोल दिया। जिसके बाद घर का दीवाल को तोड़ने लगा उस वक्त ईश्वर महली के अलावे उसका छोटा भाई उसकी पत्नी व बच्चे घर मे सो रहे थे। इतने में दीवाल टूटने की आवाज पर सभी जाग गए और डर के मारे घर के अंदर ही दुबक गए। परिजन जब बाहर निकलने की कोसिस कर रहे थे तो देखा कि घर के आंगन सहित चारो तरफ हाथी है इसके बाद घर का दीवाल तोड़कर खाद्य सामग्री को भी निकाला फिर कुछ देर बाद जंगल की ओर बढ़ गया। भगवान की कृपा रही कि घर का कुछ हिस्सा जहां सभी छुपे थे उस दीवाल को कुछ नही किया और और किसी तरह अपनी जान बचा सके। इसके अलावे गांव के अन्य कई घर जिसमे भूलन हजाम, गणेष लोहरा सहित घरों को नुकसान पहुचाया। इधर आये दिन इस क्षेत्र में जंगली हाथियों के आने से क्षेत्र के लोग दहसत के साये में जीने को विवश हैं। गनीमत रही कि उस समय मे बिजली था जिस कारण खबर फैलते ही लोग इधर उधर भागकर जान बचा सके शायद बिजली न होती तो और भी बड़ा हादसा हो सकता था। मामले पर अंचल अधिकारी कुमारी शिला उरांव ने कहा कि जैसे ही आवेदन जमा होगा उसके बाद रिपोर्ट भेजा जाएगा जिसके बाद बन विभाग द्वारा उचित लाभ दिलाया जाएगा। वहीं बनक्षेत्र पदाधिकारी बिपिन कुमार ने कहा कि पीड़ित परिवार जैसे ही अंचल कार्यालय को आवेदन देते हैं उसके बाद उचित कार्यवाही करते हुए लाभ दिलाया जाएगा।

क्षतिग्रस्त घर

जंगली हाथियों से प्रभावित गांव का जायजा लिया सांसद प्रतिनिधि ने

कुड़ू। सांसद सुखदेव भगत के निर्देश पर सांसद प्रतिनिधि लाल बिकास नाथ साहदेव ने टाटी पंचायत के जिदो गांव में हाथी द्वारा फसल को बर्बाद करने और घर को क्षतिग्रस्त करने की खबर मिलने पर जिदो गांव पहुंच कर ग्रामीणो से मिले। मौके पर उन्होंने मुआवजा दिलाने को लेकर अंचलाधिकारी से संपर्क कर जल्द से जल्द रिपोर्ट भेजने की बात कही। इस मौके पर राजिव टाना भगत, संजय उरांव, बसंत उरांव, संजीत उरांव, विश्वनाथ उरांव, मुस्तकीम अंसारी,सुरज साहदेव, विरेंद्र उरांव,चुमनु उरांव,खुशी तिग्गा आदि मौजूद थे

हाथियों द्वारा किए गए नुकसान का जायजा लेते प्रतिनिधि

दिन दहाड़े धान व्यापारी को बाइक सवार नौ अपराधियों ने मारी गोली

लगभग चार लाख रुपया लूटकर हुए फरार, गंभीर हालात में रिम्स रेफर

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के कांसीर साप्ताहिक बाजार में धान खरीद बिक्री करने गये गुमला तिर्रा हंसलता के व्यापारी राजकुमार साहू को अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने लूटपाट कर गोली मार दिया। तीन बाइक में सवार होकर नौ अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है और घटना को अंजाम देने के बाद व्यापारी से पैसो से भरा झोला लूटकर भाग निकले।व्यापारी को बाइक से उतरने के साथ ही अपराधियों ने दो गोली मार दी । गोली चलाते ही बाजार में अफरा तफरी का माहौल बन गया। लोग इधर-उधर भागते नजर आये। बताया जा रहा है कि राजकुमार साहू के पास 4 लाख 10 हजार रुपए थे। जिसको अपराधी लेकर फरार हो गये। वहीं थैली में रखा एक मोबाइल भी अपराधी लेते गए। घटना की सूचना पर स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल राजकुमार को सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना पर रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह दलबल के साथ गुमला पहुंचे। वहीं सदर थाना प्रभारी महेंद्र करमाली और एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव भी सदर अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इलाज के तत्काल बाद घायल को रिम्स भेजा गया। वहीं घायल के साथ रायडीह थाना की पुलिस भी रांची गई। इधर बताया जाता है कि पूर्व में भी अपराधियों ने व्यापारी से लेवी की मांग की थी और एक वर्ष पूर्व लूटपाट का प्रयास किया था। जिसके बाद धान व्यापारी दहशत में था ।लेकिन उसने इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी थी। व्यापारी होने के नाते उसे ग्रामीण क्षेत्र के कई बाजार में जाना पड़ता है इसलिए वह मामले को लेकर चुप था। इधर अपराधी घात लगाए बैठे थे । उन्हें पता था कि धान व्यवसाय मोटी रकम लेकर बाजार आता जाता है। इसी बीच शुक्रवार को जैसे ही राजकुमार कांसीर बाजार पहुंचकर बाजार लगाने की तैयारी कर रहा था। जैसे ही व्यापारी बाइक खड़ा किया। एक बाइक में सवार 9 अपराधी नजदीक आए और उसका थैला छीनने लगे और उनके बीच छीना झपटी होने लगी। इसी बीच पीछे से एक अपराधी ने पिस्टल सटाकर उसके पेट में 2 गोली मार दी। इसके बाद अपराधी बांसडीह बस्ती की ओर फरार हो गए।

घायल को सदर अस्पताल लेकर पहुंची पुलिस

स्पीड न्यूज

सेवानिवृत झलको कर्मी के देहांत से क्षेत्र में शोक

कैरो। प्रखंड क्षेत्र के खरता निवासी पूर्व प्रमुख मुन्नी उराईन का ससुर रिटार्यड झलको कर्मी 85 वर्षीय सुकरू उरांव का देहांत हो गया। जिसका अंतिम संस्कार पूरे विधि विधान के साथ दक्षिणी कोयल नदी किनारे किया गया। सुकरू उरांव पूर्व में झालको विभाग में कर्मी थे और अगल बगल क्षेत्र में एक सम्मानित और मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी थे। अंतिम संस्कार में परिजन ग्रामीण व अगल बगल के सैकड़ो लोग मौजूद हुए वहीं अलग अलग राजनीतिक दल व सामाजिक संस्था के लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त किया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

गुमला। सदर अस्पताल गुमला में मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा गुमला के द्वारा शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 8 यूनिट रक्तदान किया गया।
रक्तदान में भाग लेने वालों में नवीन अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, कांता साबू, मनोज कुमार, पंकज कुमार , प्रियांशु , करण और सत्यम दरगाड़. शामिल थे। इस तरह कुल आठ यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस कार्यक्रम की देखरेख सदर अस्पताल की सुनीता दीदी ने की और मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा गुमला की अध्यक्ष अंचल अग्रवाल, सचिव ज्योति फोगला, कांता साबू और शकुंतला मंत्री भी विशेष रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम में रोहित खंडेलवाल और राकेश जी ने भी अपना पूर्ण सहयोग दिया।

चेंबर सचिव ने गौशाला की मांग की

गुमला। चेंबर के सचिव बबलू वर्मा ने कहा है कि शहर में इन दिनों लावारिस गायों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे सड़कों पर आए दिन वाहन दुर्घटनाएँ हो रही हैं। कई गायें तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर घायल हो रही हैं। वहीं कुछ की मृत्यु भी हो चुकी है। इस गंभीर स्थिति से शहरवासियों में चिंता और रोष का माहौल है। विशेष रूप से गर्मी के इन भीषण दिनों में, जब तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है, जानवरों के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लावारिस पशु न केवल यातायात में बाधा बन रहे हैं, बल्कि स्वयं भी असुरक्षित स्थिति में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। स्थानीय जिला प्रशासन से अनुरोध किया जाता है कि :लावारिस पशुओं के लिए तत्काल गोशालाओं की व्यवस्था की जाए।

अकवन का फल खाकर युवक का स्थिति बिगड़ी, अस्पताल में हुआ भर्ती

घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के घुट्टी गांव में जहरीला अकवन का फल खाकर बहुरन राम की स्थिति गंभीर हो गई व। वहीं परिजनों द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से गंभीर स्थिति को देखते हुए। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लाया गया। जांच चिकित्सा क द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज हेतु गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बहुरन राम अपनी पत्नी से घरेलू विवाद में घर के बगल में लगे अकवन के फल को खा लिया। जहरीला फल होने के कारण उसकी स्थिति गंभीर हो गई। इसके बाद परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लेकर आए।

जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन

गुमला। डुमरी प्रखंड परिसर में जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों की प्राप्ति हुई तथा अधिकतर शिकायतों का त्वरित निष्पादन किया गया। जन शिकायत निवारण शिविर में कुल 46 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 40 आवेदनों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। प्राप्त आवेदनों में राशन कार्ड संबंधित 02, आवास योजना संबंधित 03 में से 2 का निपटारा, पेंशन संबंधित तीन आवेदन में से दो का निपटारा, जाति, आय व आवासीय प्रमाण पत्र के 28 आवेदन आए हैं और सभी का निपटारा किया

एक नजर में

गरीब बच्चा के इलाज के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मिला तीन लाख रूपये

लोहरदगा। लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत के अनुशंसा पर लोहरदगा कुरैशी मोहल्ला के रहने वाले जावेद कुरैशी का पुत्र वकार जावेद को वेल्लोर में इलाज हेतु प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से चिकित्सा उपचार हेतु तीन लाख रूपए स्वीकृत किया गया है उक्त जानकारी सांसद के निजी सचिव आलोक कुमार साहू ने दिया। श्री साहू ने बताया कि जावेद कुरैशी काफी गरीब व्यक्ति है अपने पुत्र के इलाज हेतु उनके पास राशि नहीं था ।कुछ दिन पूर्व वे सांसद सुखदेव भगत से मिलकर अपने पुत्र के इलाज हेतु सरकारी सहायता दिलाने का अनुरोध किया था ।सांसद ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से चिकित्सा उपचार हेतु प्रधानमंत्री कार्यालय को एक पत्र भेजा था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सांसद सुखदेव भगत को पत्र भेजकर सूचित किया गया कि आपका अनुशंसा के आलोक में वकार जावेद को वेल्लोर में इलाज हेतु तीन लाख रूपए स्वीकृत किया गया। जावेद कुरैशी का पूरा परिवार अपने पुत्र के इलाज हेतु 3 लाख की राशि दिलाने के लिए सांसद सुखदेव भगत का आभार प्रकट किया ।श्री साहू ने कहा कि इससे पूर्व भी सांसद के प्रयास से अनेकों गरीब परिवारों को सरकार से चिकित्सा अनुदान दिलाया गया है।

वार्षिक पत्थलगड़ी सह यात्रा समारोह का आयोजन

गुमला। बसिया प्रखंड स्थित ग्राम लोहड़ी में वार्षिक पत्थलगड़ी वर्षगांठ सह जतरा समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष चैतु उरांव शामिल हुए और ग्राम लोहड़ी पहुंचकर धरती मां का पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सद्भावना की कामना की? । मौके पर अपने संबोधन में कोंग्रेस जिलाध्यक्ष चैतु उरांव ने कहा कि पत्थलगढ़ी अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा कानून के तहत गांव का एक संवैधानिक अभिलेख है। इसमें ग्राम सभा को दी गई अधिकारों कर्तव्यों का वर्णन किया गया है। हमारे लिए यह पवित्र ग्रंथ एवं एक जीवित परंपरा और जातीय अस्मिता की पहचान है। उन्होंने कहा झारखंड में गठबंधन की सरकार चल रही है और यह सरकार झारखंड की आदिवासी एवं मूलवासी की भावनाओं के अनुरूप झारखंड में पेसा एक्ट लागू करने के लिए संकल्पित है ।उन्होंने कहा कि वर्तमान में पेसा कानून का ड्राफ्ट कांग्रेस पार्टी की ओर से तैयार किया जा रहा है। इस निमित्त एक सप्ताह के अंदर कार्यशाला जिला में आयोजित की जाएगी आप सभी से सुझाव एवं दावा आपत्ति प्राप्त करना चाहते हैं। इसमें आप सभी का महत्वपूर्ण भूमिका की उम्मीद रखते हैं। जिससे कि पेसा कानून को झारखंड राज्य में बेहतर से बेहतर एवं पूरे देश में रोल मॉडल के रूप में तैयार किया जा सके। गांवों में जाकर आदिवासी एवं मूलवासी समुदाय को पेसा नियमावली से अवगत कराया जायेगा। झारखंड का पेसा कानून देश का मॉडल बनेगा। पेसा नियमावली के ड्राफ्ट में संविधान में पांचवीं अनुसूची, भूमि अधिग्रहण, वन अधिकार कानून में किए गए प्रावधान परिलक्षित होंगे । हमारी परंपरागत ग्राम सभा ऊपर होगी और आदिवासियों एवं मुलवासीयों का विकास होगा। मौके पर जिला सचिव तरुण गोप,तारा मुन्नी उरांव, सरोजनी उरांव, राजु पहान, बंदी राम उरांव, तारा मुन्नी कच्छप, सोना उरांव, पुन्नी उरांव सहित काफी संख्या ग्रामीण उपस्थित थे।

स्कूली विद्यार्थियों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

गुमला। जिले में नशा के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता को सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन गुमला द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में उपायुक्त श्रीमती प्रेरणा दीक्षित के मार्गदर्शन में झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला के तत्वावधान में जिले के सभी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जिला प्रशासन द्वारा निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए तैयार की गई। जिसमें विद्यार्थियों को नशा उन्मूलन संबंधी विषयों पर 25 वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों का हल करना था। प्रश्न पत्र सभी विद्यालयों को उपलब्ध कराए गए थे। जिले भर के हजारों विद्यार्थियों ने इस क्विज में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। प्रतियोगिता के उपरांत प्रत्येक विद्यालय में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया है। जिन्हें 26 जून 2025 को आयोजित होने वाले विशेष सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

तंबाकू निषेध अधिनियम के तहत चलाया गया छापामारी अभियान

कई दुकानों पर लगाया गया जुमार्ना

अभियान के दौरान दुकान में जांच पड़ताल करने पहुंचे खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता एवं जिला तंबाकू निषेध सलाहकार वंदना स्मृति होरो एवं सदर थाने की पुलिस के द्वारा नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें विभिन्न दुकानों का निरीक्षण किया गया और साथ ही अंतिम चेतावनी दी गई टीम के द्वारा एसएस स्कूल के पास निरीक्षण किया गया। जहाँ कुछ नहीं पाया गया। फिर टीम के द्वारा संत इग्नासियुस विद्यालय , संत पात्रिक विद्यालय एवं उर्सु लाइन कॉन्वेंट विद्यालय के पास दुकानों में जांच अभियान चलाया गया। जांच के क्रम में कर्मवीर भारती, सूरज लकड़ा, मुकेश लकड़ा, भरत भगत के प्रतिष्ठानों में निकोटीन और तंबाकू युक्त उत्पादों की बिक्री करते हुए पकड़ा गया। साथ ही कोटा एक्ट के तहत फाइन लगाया गया` तत्पश्चात फिर टीम के द्वारा करम टोली के पास राजेंद्र अभ्यास विद्यालय,कस्तूरबा विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय के पास तंबाकू उत्पादों की दुकानों में जांच किया गया। जांच के क्रम में सुरेश सिंह, शुक्रारो उरांव, सपना कुजूर,माही जनेरल स्टोर के प्रतिष्ठानों में निकोटीन और तंबाकू युक्त उत्पादों की बिक्री करते हुए विक्रेताओं को पकड़ा गया साथ ही तंबाकू युक्त उत्पादन न बेचने की सख्त हिदायत दी गई और सभी प्रतिष्ठानों में कोटपा एक्ट के तहत जुमार्ना लगाया गया। वहीं माही जनेरल स्टोर और भोला भंडार के प्रतिष्ठान में साफ सफाई की कमी पाई गयी। अवधि समाप्त खाद्य सामग्री का विक्रय करते पाया गया। दुकान में प्रतिबंधित सोस की बोतल मिली। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत स्पष्टीकरण किया गया और निर्देश दिया गया कि भविष्य में इस प्रकार का लापरवाही नहीं बरते। वरना खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उस पर कार्रवाई की जाएगी और साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी लव कुमार गुप्ता के द्वारा बताया गया कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े सभी विक्रेताओं को आवश्यक रूप से लाइसेंस लेकर अपने प्रतिष्ठान को संचालित करने का निर्देश दिया।

एनजीटी के प्रतिबंध और उपायुक्त के निर्देश के बाद भी जारी प्रखंड में

बालू का अवैध उत्खनन जोरों पर

सरकार को लाखों का राजस्व घाटा

खबर मन्त्र संवाददाता

जारी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू खनन पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद गुमला जिले के जारी प्रखंड स्थित लावा नदी के कमलपुर बालू घाट से धड़ल्ले से अवैध बालू का उठाव जारी है। राज्य सरकार और उपायुक्त गुमला के स्पष्ट आदेशों की अवहेलना करते हुए यह गतिविधि बेरोकटोक जारी है। जिससे इलाके में कई तरह की चचाएं गरमा गई हैं ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि पूरे झारखंड में बालू खनन पर प्रतिबंध है। वहीं लावा नदी में मानो कोई विशेष निविदा (टेंडर) लगी हुई है। क्योंकि अवैध बालू उठाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। बताया जाता है कि अहले सुबह से ही अवैध बालू उठाव का धंधा शुरू हो जाता है, जो देर शाम तक जारी रहता है।

लावा नदी से उठाव किया गया। यह अवैध बालू ट्रैक्टरों के माध्यम से पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के जशपुर तक पहुंचाया जा रहा है, जो एनजीटी नियमों का सीधा उल्लंघन है। एनजीटी द्वारा मानसून के दौरान नदियों के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के लिए बालू खनन पर रोक लगाई गई है। इसके बावजूद, जारी प्रखंड में इस रोक का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्र में बालू का धंधा कभी मंदा नहीं होता, चाहे एनजीटी का नियम लागू हो या कोई और प्रतिबंध। बालू तस्करों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे किसी भी स्थिति में अपनी अवैध गतिविधियों से बाज नहीं आ रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिन अधिकारियों पर इस अवैध खनन को रोकने की जिम्मेदारी है, वे या तो निष्क्रिय बने हुए हैं या इसमें कोई दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। इस स्थिति से सरकार को प्रतिमाह लाखों रुपये के राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। एनजीटी के आदेशों और सरकारी निर्देशों की इस खुली अवहेलना पर प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। यह देखना होगा कि इस गंभीर मामले पर कब तक लगाम लगाई जाती है और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

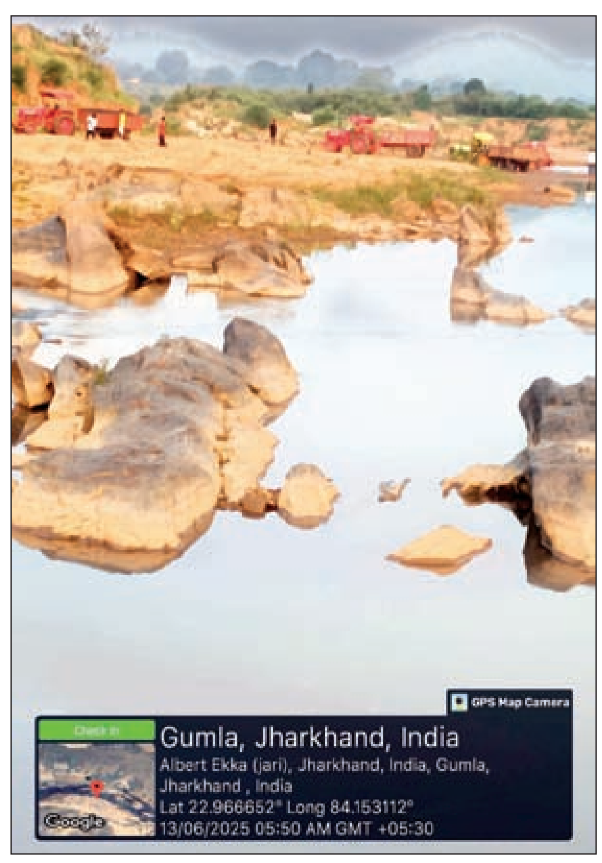

नदी तट पर बालू का उठाव के लिए खड़ी ट्रैक्टर

बॉक्साइट की नगरी के बाद अब लोहरदगा जिला को दूध की नगरी और आम की भी नगरी बनाएंगे : डॉ ताराचंद

जिला स्तरीय आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा बॉक्साइट की नगरी के रूप में जाना जाता रहा है। जिले से सब्जियों का भी बहुतायत मात्रा में निर्यात दूसरे जिलों और पड़ोस के राज्यों में भी किया जाता रहा है। साथ ही लोहरदगा जिला में आम की बड़ी पैदावार होती है। एक सप्लाई चैन बनाकर पड़ोसी सीमावर्ती राज्यों में भी यहां उपजाए आमों की मांग होने लगे तो अगके पांच वर्षों में यहां के किसान बिजनेसमैन का दर्जा पा सकते हैं। किसान भावी पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर बन सकते हैं। साथ ही यहां दुग्ध उत्पादन की भी काफी संभावनाएं हैं। हम लोहरदगा को आनेवाले वर्षों में आम और दूध की नगरी बनाएंगे। उक्त बातें उपायुक्त डॉ ताराचंद ने समाहरणालय मैदान में आयोजित आम उत्सव-सह-बागवानी मेला में मुख्य अतिथि के रूप में कही।
उन्होंने कहा कि लोहरदगा जिला के ज्यादातर आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्य से जुड़ी है। यह अच्छा मौका है जब आप किसी भी बाजार तक पहुंच बना सकते हैं और अपने उत्पादों की अच्छी कीमत पा सकते हैं। अपने मिट्टी के अनुसार फसल का चयन करें। एक सफल व्यवसायी बनने के लिए आपको निवेश भी करना है। आपको जहां भी जरूरत होगी जिला प्रशासन आपके साथ खड़ा है। उप विकास आयुक्त ने यहां के किसानों के क्षमता पर कहा कि किसान पेड़ो के साथ-साथ सब्जियां भी उगाएं। कार्यक्रम में वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने कहा कि यहां बंजर भूमि पर खेती कर बिरसा हरित ग्राम योजना का लाभ उठाना चाहिए। जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना से गांव की दीदियां जुड़ रही हैं। इससे पलायन रुकेगा और रोजगार के अवसर प्राप्त होगा। मेला में जिला कृषि कार्यालय, जिला उद्यान कार्यालय, जेएसएलपीएस, नाबार्ड, प्रदान (एफपीओ), आदित्य हाईटेक नर्सरी सभी सातों प्रखंड कार्यालयों की ओर से कुल 19 स्टॉल लगाये गए थे। इनमें संबंधित विभागों/एनजीओ/नर्सरी द्वारा लोहरदगा जिला में उत्पादित सभी प्रजाति के आम, आम के उत्पाद, अन्य फलों की प्रजातिवार प्रदर्शनी और बिक्री भी की गयी। उपायुक्त व अतिथियों ने बेहतर उत्पादन करने वाले किसानों और मेला में भाग लेने वाले किसानों को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि, कार्यक्रम में मौजूद लोग व आम स्टॉल का निरीक्षण करते डीसी

भीषण गर्मी में राहत : बरवाडीह में चापाकल और जलमीनारों की मरम्मती तेज, विभागीय अधिकारियों की निगरानी में युद्धस्तर पर हो रहा काम

हमारी टीम धरातल पर विकास कार्य कराने में विश्वास रखती हैं फोटो में नहीं : अतुल

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। भीषण गर्मी और पानी की किल्लत से जूझ रहे बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र में लोगों को राहत देने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने युद्धस्तर पर पहल शुरू कर दी है। क्षेत्र के चापाकलों और जलमीनारों की मरम्मती का कार्य तेजी से चल रहा है। विभागीय कार्य सहायक अभियंता प्रशांत पांडेय और कनीय अभियंता पीयूष रंजन की देखरेख में विभिन्न पंचायतों में तकनीकी टीमों द्वारा निरीक्षण और

दुरुस्त कराए गये चापानल

सुधार कार्य जारी है। सहायक अभियंता प्रशांत पांडेय ने बताया कि जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और आम लोगों की शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए तकनीकी टीम भेजी जा रही है। जिन चापाकलों में पाइप, हैंडल या अन्य गड़बड़ी पाई जाती है, वहां तुरंत मरम्मत कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के कारण हैंडपंप और जलमीनारों की मांग काफी बढ़ गई है, ऐसे में विभाग पूरी तत्परता से काम कर रहा है ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल सके। कनीय अभियंता पीयूष रंजन ने बताया कि जलसंकट से प्रभावित गांवों में विभागीय टीमों का गठन कर दिया गया है जो लगातार दौरा कर रही हैं। इधर जिला परिषद के भावी प्रत्याशी अतुल सिंह और व्यवसायिक समिति के अध्यक्ष दीपक राज ने विभाग की सक्रियता की सराहना की है।

अतुल सिंह ने बताया कि छेंचा पंचायत में खराब पड़े अधिकांश चापाकल व जलमीनार अब दुरुस्त कर दिए गए हैं। इसकी सूची उन्होंने विभाग को लगभग एक माह पूर्व उपलब्ध कराई थी। उन्होंने कहा कि उनकी टीम जनसमस्याओं के हर पहलू पर गंभीरता से काम कर रही है। हमलोग फोटो में नहीं बल्कि धरातल पर विकास कार्य कराने में विश्वास रखते है।

बेहतर कार्य करने वाले डाल्टनगंज धर्म प्रांत के शिक्षा निदेशक फादर मॉरिस टोप्पो का निधन

रांची से चियांकी शव लेकर जाने के क्रम में चंदवा पल्ली में लोगों ने नम आंखों से किया अंतिम दर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। चंदवा लगभग एक दशक तक शिक्षा के क्षेत्र में काफी बेहतर कार्य करने वाले डाल्टनगंज धर्म प्रांत के शिक्षा निदेशक गोठगांव महुआडांड़ पारिष के पल्ली पुरोहित सह शिक्षक फादर मॉरिस टोप्पो का निधन बुधवार की रात रांची स्थित गुरु नानक अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार हार्ट अटैक के बाद उन्हें रांची स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। शुक्रवार की सुबह उनका पार्थिव शरीर को रांची से चियांकी के लिए लेकर जाने के क्रम में चंदवा स्थित कैथोलिक आश्रम परिसर में बड़ी संख्यक में लोगो ने उनके अंतिम दर्शन किए।

फादर मॉरिस टोप्पो फाईल फोटो

इस दौरान फादर फबियानुस सिंदुरिया, फादर संजय, फादर धोती के नेतृत्व में सामूहिक रूप से प्रार्थना की गई। फादर मॉरिस के पार्थिव शरीर के दर्शन के बाद चंदवा पल्ली से जुड़े लोगों एवं विद्यार्थियों की आंखे नम थी। विदित हो कि फादर मॉरिस टोप्पो ने चंदवा स्थित पल्ली में वर्ष 2011 से 2019 तक अपनी सेवा दी थी। इसके अलावे फादर मॉरीश खीस्त राजा उच्च विद्यालय के प्राचार्य भी रहे थे। उनके निधन एवं पार्थिव शरीर के चंदवा आने की सूचना के बाद बड़ी संख्या में लोग एवं स्कूली बच्चे यहां पहुंचे थे। उपस्थित सभी लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। लोगों ने कहा कि फादर मॉरिस हमेशा दिलों में रहेंगे। उन्होंने खीस्त राजा उच्च विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में काफी मेहनत की थी। उनके शिक्षक काल के बाद ही यहां के बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन करना शुरू किया था। यहां के बच्चे हमेशा टॉपर रहे थे। उनके प्रयास से ही कैथोलिक आश्रम परिसर में इंग्लिश मीडियम स्कूल की शुरूआत हुई थी। मौके पर खीस्त राजा उच्च विद्यालय के प्राचार्य सेलेस्टिन डुंगडुंग, सुमन सुनील सोरेंग, धवल कुजूर, स्टीफन मिंज, किरण लकड़ा, सिस्टर नीलम कालरा खलको, नील सुमन, अगाथा सुरीन, प्रतिमा खलखो, कुलदीप लकड़ा समेत बड़ी संख्या में लोग एवं स्कूली बच्चे मौजूद थे।

अंतिम दर्शन करते लोग।

पति ने ही ट्रेन से धक्का देकर की थी जुही देवी की हत्या

मृतका के पति ने स्वीकार की हत्या में संलिप्तता

जुही देवी फाईल फोटो

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। बरकाकाना बरवाडीह रेलखंड अंतर्गत टोरी चेटर के बीच कठपुलिया के समीप गुरुवार को संदिग्ध अवस्था में ट्रेन से गिरकर जुही देवी नामक महिला की मौत मामले में पुलिस ने मृतका के पति महादेव सिंह पिता जितनारायण सिंह (नगर उतरी गढ़वा) को गिरफ्तार किया है।

मामले का उद्भेदन करते हुए पुलिस ने बताया कि जूही देवी की मौत ट्रेन से गिरकर नहीं हुई थी बल्कि उसके पति महादेव सिंह ने ट्रेन से धक्का देकर उसकी हत्या की थी। मृतका के पति द्वारा पारिवारिक क्लेश के कारण आवेश में आकर उसने उक्त कांड हो अंजाम दिया था। पत्नी को ट्रेन से धक्का देने के पश्चात वह हत्या को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास करते हुए धुरकी थाना में पत्नी के ट्रेन से गिरने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, हालांकि पुलिस को संदेह होने के बाद उससे कड़ाई से पूछताछ की गई तो वह टूट गया व हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। धुरकी पुलिस के द्वारा सूचना दिए जाने के बाद चंदवा पुलिस आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लिया व अग्रतर कार्रवाई के बाद आरोपी को मंडल कारा लातेहार भेज दिया गया। पुलिस ने यह भी बताया कि हत्या का आरोपी महादेव सिंह पूर्व में भी जेल जा चुका है।

महिला दीदियों के बीच किट का वितरण

खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार। पांच पंचायतों में सफल क्रियान्वयन और जागरूकता अभियान के बाद, अब जिला प्रशासन, लातेहार और लेंसकार्ट फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में इस पहल को लातेहार ब्लॉक की सभी 13 पंचायतों तक बढ़ाया जा रहा है। इस विस्तार के हिस्से के रूप में, पूरे ब्लॉक में डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग की सुविधा के लिए 26 दीदियों को प्राथमिक नेत्र जांच किट से लैस किया गया है। 13 जून को उपायुक्त लातेहार उत्कर्ष गुप्ता और प्रवीण गगरई लातेहार के द्वारा सर्वे किट वितरित किए गए। उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, दीदियाँ 14 जून से सामुदायिक जांच शुरू करेंगी। प्रारंभिक जांच के दौरान दृष्टि संबंधी समस्याओं वाले व्यक्तियों की पहचान एक विशेष नेत्र देखभाल शिविर में की जाएगी, जहाँ योग्य नेत्र रोग विशेषज्ञ विस्तृत जाँच करेंगे। निदान के आधार पर, जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मा प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें बिना किसी खर्च के आवश्यक दृष्टि सहायता मिल सके। गौरतलब है निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन प्रथम चरण में लातेहार प्रखंड के पांच पंचायतों में किया गया था जिसमें 352 लोगों के आंखों की जांच की गई थी, जिसमें अब तक कुल 1800 मरीजों का परीक्षण हुआ है।

आईटीडीए निदेशक किट वितरण करते हुए।

बीडीओ ने की समीक्षा बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

बारियातू। प्रखंड कार्यालय सभागार परिसर मे बीडीओ अमित कुमार पासवान की अध्यक्षता मे समीक्षा बैठक किया गया। बैठक मे मुख्य रूप से पीएम आवास, अबुआ आवास व मनरेगा योजना को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जहाँ कृषि मे 60 प्रतिशत सामुदायिक योजना मे 10 प्रतिशत सम्बंधित योजना को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

वहीं हाल मे हुए सामाजिक आंकेक्षण को ऑनलाइन करने का निर्देश दिया। मिट्टी मोरम रोड योजना को प्रगति मे लाने की बात कही। लंबित पीएम आवास योजना 2023-24 को लाभुकों से मिलकर कार्य पूर्ण करवाने का निर्देश दिया साथ ही बताया की पंचायत कर्मी लाभुकों से मिलकर आवास योजना कार्य मे तेजी लाएं।

किसी प्रकार कोई परेशानी हो तो लाभुक सीधे मुझसे मिले हर संभव समस्या समाधान कराया जायेगा। वहीं बताया की जो लाभुक 2023-24 के पूर्व के पीएम आवास योजना का कार्य लंबित रखें उन्हें पंचायत सचिव चिन्हित कर नोटिस जारी कराएं। ससमय सभी योजना को पूर्ण करने का निर्देश दिया। पीएम आवास योजना लाभुक को मनरेगा की भुगतान को लेकर कहा की अपना जॉब कार्ड बैंक पासबुक सहित अन्य दस्तावेज लेकर बीपीओ व रोजगार से मिलकर मनरेगा योजना द्वारा मिलने वाली राशि भुगतान कराना सुनिश्चित करे।

बैठक करते बीडीओ

ग्रामसभा में मनमानी, सेविका चयन में गड़बड़ी का आरोप

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। प्रखण्ड के उकामांड पंचायत अंतर्गत पैरा में आंगनबाड़ी सेविका चयन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने चयन प्रक्रिया को नियमविरुद्ध और पूरी तरह से मनमाना बताते हुए उपायुक्त लातेहार को एक लिखित शिकायत सौंपी है। ग्रामीणों का आरोप है कि 31 मई 2025 को राजकीय प्राथमिक विद्यालय, पैरा में ग्रामसभा के माध्यम से सेविका चयन की प्रक्रिया सिर्फ दिखावे के लिए की गई। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, ग्रामसभा में आवेदकों से शैक्षणिक प्रमाणपत्र जमा कराए गए, ग्रामसभा रजिस्टर पर हस्ताक्षर भी लिए गए, लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि पर्यवेक्षिका (सुपरवाइजर) बिना किसी स्पष्ट निर्णय के सीधे प्रखंड मुख्यालय लौट गईं।

पंचायत समिति की बैठक आज

बरवाडीह। प्रखंड कार्यालय के सभागार में आज शनिवार को पंचायत समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी करेंगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस बैठक में सभी विभागों के पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। लेकिन अब तक अधिकांश विभागीय अधिकारी बैठक में शामिल होने से कतराते रहे हैं, जिसकी अब कोई गुंजाइश नहीं होगी। सभी को समय पर उपस्थित रहने की लिखित सूचना पहले ही भेजी जा चुकी है। प्रमुख सुशीला देवी ने शुक्रवार को पोखरी पंचायत का दौरा कर जर्जर व झूलते हुए बिजली के तारों और गायब हो चुके आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान पंचायत समिति की सदस्य असमिना बीबी भी मौजूद थीं।

वार्डन और हेडमास्टर से मिलकर ली स्कूल की जानकारी, कहा

समस्याओं को समाधान कराना प्राथमिकता

अर्द्धनिर्मित भवन का विधायक प्रतिनिधी ने लिया जायजा

खबर मन्त्र संवाददाता

बारियातू। विधायक प्रतिनिधि आदर्श रविराज ने शुक्रवार को बालूमाथ और बारियातू में संचालित आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया।

निरिक्षण के दौरान कई व्यवस्थाओं का जायजा किया। उन्होंने विद्यालय की कक्षाएं, भोजन कक्ष, पुस्तकालय, और आवासीय व्यवस्थाओं सहित अन्य की जानकारी वार्डन और हेडमास्टर से लिया।

बारियातू की वार्डन कांति कुजूर ने अपना भवन नहीं होने के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। रविराज बरियातू में बन रहे झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के अर्द्धनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। धीमी गति कार्य को देख विभाग के कनीय अभियंता को फोन कर कार्य में तेजी लाने को कहा। रविराज ने कहा कि नये सत्र में विद्यालय को अपना भवन मिल जाना चाहिए ताकि अध्यनरत छात्रा को परेशानी ना हो। इसके अलावा रविराज बालूमाथ स्थित गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचे जहां के हेडमास्टर चन्दन दास ने रवि राज को स्कूल की जानकारी देते हुए सत्र 2024-25 रिजल्ट बताया। शिक्षकों की कमी के पानी समेत और समस्याओं को भी रखा जिसपर रविराज समस्या के समाधान हेतु संबंधित विभाग को पत्राचार करने की बात कही। वही कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बालूमाथ के निरिक्षण के क्रम में वार्डन सीखा कुमारी ने कमरा, लाइट और मेडिकल सुविधा हेतु वाहन की बात रखी। जिसपर विधायक प्रतिनिधि ने उचित पहल करने का आश्वासन दिया। विधायक प्रतिनिधि रविराज ने वार्डन को मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने की भी बात कही। निरिक्षण के क्रम में रविराज के साथ विधायक प्रतिनिधि अनिल महेंद्र प्रसाद (पेयजल एवं स्वच्छता) और विनय कुमार वर्मा रिक्की शामिल थे।

विधायक प्रतिनिधि विद्यालय का निरीक्षण करते हुए

स्पीड न्यूज

मोटरसाइकिल से गिरकर युवक घायल

बालूमाथ। बालूमाथ-चतरा मुख्य पथ पर शुक्रवार को मोटरसाइकिल से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अजित कुमार 25 वर्ष सुरेंद्र दांगी ग्राम चतरा निवासी पलामू से अपने घर वापस मोटरसाइकिल से लौट रहा था। बरियातू स्थित शाहदेव पेट्रोल पंप के समय मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद बारियातू पुलिस के सहयोग से घायल युवक को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर प्रकाश बड़ाइक के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत, मचा कोहराम

महुआडांड़। नेतरहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत दुरूप पंचायत के झिकाम नाला में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर चालक रोशन बृजिया (उम्र 23 वर्ष), पिता स्व. अनिल बृजिया की जान चली गई। घटना उस वक्त घटी जब रोशन ट्रैक्टर लेकर ग्राम पुरानडीह से महुआडांड़ की ओर आ रहा था। इसी दौरान झिकाम नाला के पास स्थित एक पुलिया पर ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया और पुलिया के नीचे जा गिरा। दुर्घटना में रोशन ट्रैक्टर के नीचे दब गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों और परिजनों की मदद से रोशन को गंभीर स्थिति में महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के उपरांत चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु रिम्स रांची रेफर कर दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश, रांची ले जाने के क्रम में नटावल के पास ही रास्ते में उसकी मौत हो गई।पुलिस ने शव को महुआडांड़ थाना लाकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया। इधर घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांजा बेचने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार, भेजा गया जेल

महुआडांड़। थाना क्षेत्र के डाल्टनगंज रोड स्थित विजय किराना दुकान में पुलिस ने वरीय अधिकारी के निदेश पर छापामारी कर 270 ग्राम गांजा कुल 32 पैकेट 17 पीस गांजा भरा रोल जप्त किया।साथ ही गांजा बेचने वाले विजय प्रसाद पिता स्वo बटेश्वर साहु ग्राम महुआडांड़ को गिरफ्तार कर भेजा जेला।इस छापामारी टीम में सीओ संतोष बैठा,थाना प्रभारी मनोज कुमार, पुअनी इन्द्रदेव रजवार, आनंद कुमार रवि,सअनी उमेश प्रसाद महेता आरक्षी गजेन्द्र यादव सहित सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।इस संबंध में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि लगातार मिल रही सुचना के आधार पर छापामारी चलाकर गांजा बेचने वाले के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंनें कहा गांजा बेचने के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

सीढ़ी से गिरकर मासूम घायल, रेफर

चंदवा। थाना क्षेत्र के मालहन पंचायत अंतर्गत लोहरसी गांव निवासी मो. माजीद का दो वर्षीय पुत्र खेलने के दौरान सीढी से गिर गया जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई है। परिजनों ने आनन फानन में बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा लाया गया जहां डॉ तरुण जोश लकड़ा ने बच्चे का प्राथमिक उपचार कर बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया।

एक नजर में

15 से 25 जून तक चलेगा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

चंदवा। प्रखंड के 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी जनसंख्या बाहुल्य वाले पंचायतों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आगामी 15 जून से 25 जून तक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसकी निमित प्रखंड प्रशासन के द्वारा प्रचार प्रसार तेज कर दिया गया है। शुक्रवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए बीडीओ चंदन प्रसाद ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अनुसूचित जनजाति समाज तक पहुंचाना शिविर का उद्देश्य है। शिविर में आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति, आवासीय, आय प्रणाम पत्र, केसीसी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मनरेगा, मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना समेत अन्य योजनाओं के लाभ को लेकर आवेदन कर सकते है। शिविर में पंचायत के पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, जन सेवक, राजस्व कर्मचारी, बैंक मित्र मौजूद रहेंगे जो ऑन द स्पॉट आवेदनों का निष्पादन करेंगे।

इन ग्राम पंचायतों में लगेगा विशेष शिविर : 15 जून को चकला, 16 जून सासंग, 17 जून को सेरक पंचायत के सेरक व किता, 18 जून को बनहरदी पंचायत के डडैया, रेंची व बनहरदी, 19 जून को कामता पंचायत के हिसरी दामोदर, 20 जून को जमीरा पंचायत के जमीरा व महुआ मिलान, 21 जून को हुटाप पंचायत के बोरसीदाग व हुटाप, 22 जून को लाधुप पंचायत के लाधुप व मनातू, 23 जून को माल्हन पंचायत के लोहरसी, 24 जून को डुमारो पंचायत के डुमारी, काली व निंद्रा व 25 जून को चेटर पंचायत के लिए विशेष शिविर आयोजित होगी।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

लातेहार। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक एक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। शुक्रवार को जन शिकायत निवारण में कुल 08 आवेदन प्राप्त हुए जो मुख्य रूप से जमीन विवाद, प्रधानमंत्री आवास, आंगनबाड़ी केंद्र में गलत तरीके से चयन से संबधित जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए ,समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें।

नावाडीह हाई स्कूल में नामांकन की शंखध्वनि, विधायक ने पूरा किया वादा

बरवाडीह। प्रखण्ड के अति नक्सल प्रभावित और सुदूरवर्ती क्षेत्र चुंगरू पंचायत के नावाडीह गांव के लिए बहुप्रतीक्षित घड़ी आ गई है। विधायक रामचंद्र सिंह शनिवार को नावाडीह उच्च विद्यालय में कक्षा 9 के नामांकन की औपचारिक शुरूआत करेंगे। इस स्कूल को हाई स्कूल का दर्जा दिलाने की वर्षों पुरानी माँग अंततः झारखंड सरकार से स्वीकृत हुई है। राज्य के 34 मध्य विद्यालयों को अपग्रेड करने के प्रस्ताव में विधायक द्वारा बरवाडीह के तीन विद्यालय नावाडीह, मंडल और मुंडू शामिल कराए गए थे। विधायक ने भरोसा दिलाया कि मंडल और मुंडू को भी शीघ्र ही हाई स्कूल का दर्जा मिलेगा यह मेरा वादा है। वरिष्ठ नेता अनिल सिंह ने कहा कि यह सिर्फ स्कूल का उद्घाटन नहीं बल्कि भविष्य के सपनों के दरवाजे खोलने का पर्व है। विधायक के सतत प्रयास से ही यह संभव हो पाया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक कन्हाई राम ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि अब हमें संसाधनों का विस्तार मिलेगा। विज्ञान व कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ विकसित कर विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी माहौल दे सकेंगे।

मवेशी बचाने की प्रयास मे हाईवा अनियंत्रित होकर पेंड़ से टाकरया, चलाक घायल

बारियातू। थाना क्षेत्र अंतर्गत नचना ग्राम स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के समीप चतरा रांची मुख्य सड़क एनएच 99 पर शुक्रवार सुबह हाइवा वाहन जेएच जीरो 2बीएस 4155 जानवर बचाने के क्रम में अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गया। जिससे चालक स्ट्रिंग में काफी देर तक दबा रहा। जिसे गस्ती दल के पुलिस कर्मी व ग्रामीणों के सहयोग से काफी मुश्किल के बाद चालक को घायल अवस्था में निकाला और तत्काल बालुमाथ समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि शुक्रवार को सुबह खाली हाइवा बालुमाथ के ओर से बगरा चतरा रोड की ओर जा रही थी कि अचानक आयुष्मान आरोग्य मंदिर के समीप एक जानवर सड़क पर अचानक आ गया जिसे बचाने की कोशिश मे वाहन असंतुलित होकर पेड़ से जा टकराया और एक बड़ा हादसा होने से बचा। दुसरी घटना दोपहर बाद की है जो एक बाइक चालक शाहदेव ब्रदर्स पेट्रोल पंप के समीप सड़क पर गढ्ढे के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नाली के स्लेप में जा टकराया और घायल हो गया। घायल बाइक चालक को स्थानीय गस्ती दल के पुलिस ने तत्काल अपने वाहन से बालुमाथ समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया जिसका प्राथमिक उपचार किया गया और स्थिति समान्य बताया जा रहा है। जिसकी पहचान अजित कुमार दांगी पिता सुरेन्द्र दांगी चतरा के रूप में किया गया। आपको बताते चले की बारियातू मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे चिकित्सीय सुविधा नहीं रहने के कारण घटना दुर्घटना होने पर बालूमाथ हॉस्पिटल ले जाना पड़ता है जिससे विलम्ब होता है। समय पर समुचित प्राथमिक उपचार नहीं मिलने से अनहोनी का भी सम्भवना बनी रहती है।

बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर दो ऑडिटर गंभीर रूप से घायल

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के डुरंगी मोड़ के पास शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे बोलेरो ने बाइक की टक्कर मार दी जिसमें मनरेगा ऑडिटर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना एनएच 39 अंतर्गत डुरंगी गांव के समीप सड़क दुर्घटना मे मनरेगा सोशल ऑडिट टीम के तीन सदस्य घायल हो गए। घायलों में रघुनाथ परहिया मुगीर्डीह बरवाडीह, कलारा टूटी केड़ छिपादोहर, दिनेश उरांव तुलबुल लातेहार शामिल है। इस घटना में रघुनाथ परहिया और फलरा टूटी के पैर टूट गया है। वहीं दिनेश उरांव को हल्की चोट आई है। घटना का संबंध में जानकारी देते हुए रघुनाथ ने बताया कि तीनों एक बाइक पर सवार होकर तुलबुल गांव से मनरेगा योजना की जांच कर वापस पंचायत सचिवालय लौट रहे थे। इसी दौरान डुरंगी गांव से होते हुए पंचायत सचिवालय जाने वाले रास्ते के ओर जैसे ही मुड़े तेज गति से आ रही एक बोलोरो वाहन ने बाइक सवारो को जोरदार टक्कर मार दी।

स्पीड न्यूज

नागरिक अधिकार मंच ने पूर्व सीएम रघुवर दास को सौंपा ज्ञापन

बोकारो। बोकारो हवाई अड्डा से व्यवसायिक उड़ान जल्द प्रारंभ कराने हेतु विशेष पहल करने के लिए नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा मुकुल द्वारा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल रहे माननीय रघुवर दास को एक ज्ञापन रांची स्थित उनके आवासीय कार्यालय में मिल कर दिया गया तथा इस विषय पर पूरी चर्चा की गई। ज्ञात हो कि रघुवर दास जी के मुख्यमंत्रित्व काल में ही इनके द्वारा ही बोकारो हवाई अड्डा का विस्तारीकरण करते हुए इसे व्यावसायिक उड़ानों के लिए निर्माण हेतु उड़ान योजना के तहत शिलान्यास किया गया था। वार्ता के दौरान ही रघुवर दास ने मुख्य सचिव झारखंड को फोन लगाकर कहा कि आखिर क्यों राज्य सरकार बोकारो हवाई अड्डा को चालू करने हेतु जरूरी कार्यों को पूरा नहीं करना चाहती है जबकि 2022 से ही यह हवाई अड्डा लगभग बन कर तैयार है। इसे जल्द से जल्द चालू कराने हेतु उचित करवाई की जाय। मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया कि जल्द ही राज्य सरकार द्वारा बाकी बचे कार्यों को पूरा कराया जाएगा और बोकारो से उड़ान प्रारंभ करने हेतु प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा।

हिसीम मुखिया के भतीजा का सड़क दुर्घटना में मौत

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के हिसीम पंचायत मुखिया बबीता देवी व समाजसेवी फणींद्र मुंडा के भतीजा मनु मुंडा (18) की सड़क दुर्घटना में घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मनु अपने दोस्त सुरेन टुडू के साथ बोकारो कॉलेज से लौट रहा था। इस दौरान जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बोकारो-रामगढ़ राष्ट्रीय उच्च पथ-23 बहादुरपुर-बकसपुरा स्थित सोना-सोबरन पेट्रोल में ईंधन भराने के लिए जैसे ही बाईं ओर घुमा पीछे से आ रहे सीमेंट लदे ट्रक ने धक्का मारते हुए चढ़ा कर पार दिया। जिससे मनु की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे बीजीएच में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पाकर पहुंची जरीडीह थाना पुलिस बल परिजनों को सूचना दी उसके बाद परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा मुआवजा की मांग को लेकर कुछ देर तक लिए सड़क जाम कर दिया। जरीडीह पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। वहीं शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। मृतक मनु मुंडा समाजसेवी फणींद्र मुंडा के बड़े भाई तुलसी मुंडा का पुत्र था।

सदर अस्पताल से 14 दिन के बच्चे की हुई चोरी, जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

गुमला। सदर अस्पताल गुमला में शुक्रवार की देर शाम 7:30 बजे एसएनसीयू में भर्ती 14 दिन के एक बच्ची की चोरी कर ली गई है। घटना की जानकारी के बाद सदर अस्पताल प्रबंधन के होश उड़ गए। तत्काल घटना की सूचना वरीय पदाधिकारी को दी गई। घटना की सूचना पर सिविल सर्जन नवल कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और तत्काल सीसीटीवी खंगालना शुरू कर दिया। वहीं घटना की सूचना गुमला थाना को भी दी गई। सीसीटीवी फुटेज में महिला बच्चे को लेकर भागते दिखाई दी। जांच के क्रम में एक महिला को मुख्य गेट से अंदर आते हुए देखा गया जो नर्स के ड्रेस में थी, वहीं अपने मुंह में उसने मास्क लगा रखा था। वह सीधे एसएनसीयू वार्ड पहुंची और बच्ची की मां, जो सोई हुई थी उसे उठाई और पूछने लगी तुम्हारी बच्ची को टीका लगा है। महिला ने हां में जवाब दिया। इसके बाद वह बच्ची को उठाकर जाने लगी और बोली कि तुम्हारे पति को नीचे भेज देना तुम मत आना। जिसके 5 मिनट बाद महिला नीचे आई और महिला को खोजने लगी। वहीं अपने पति को पूरी बात बताई। जिसके बाद दोनों मिलकर अपनी बच्ची को ढूंढने लगे। जब बच्ची नहीं मिली तो इसकी जानकारी अस्पताल प्रबंधन को दी गई। महिला रतनी इंदवार पति नागो खड़िया, सिसई प्रखंड के रेडवा के रहने वाले हैं।

बासुकीनाथ मंदिर स्थित सभागार में मंत्री ने श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा की

बाबा के भक्तों की सेवा कर लें, पूजा का फल प्राप्त हो जायेगा : सुदिव्य कुमार सोनू

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। मंत्री नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग सुदिव्य कुमार की अध्यक्षता में आयोजित राजकीय श्रावणी मेला, की तैयारियों को लेकर किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन बासुकीनाथ मंदिर स्थित सभागार में किया गया। मंत्री ने राजकीय श्रावणी मेला के दौरान किये जाने वाले कार्यों को लेकर विभिन्न विभागों से जानकारी प्राप्त की एवं सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से

निरीक्षण करते मंत्री एवं अन्य

पूर्ण करने का निदेश दिया।कहा कि किसी प्रकार की समस्या हो तो मुझे अवगत कराएं लेकिन श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो इसे सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को श्रावणी मेला के दौरान बासुकीनाथ में कठिनाई नहीं होगी। राजकीय श्रावणी मेला का आयोजन सभी के सहयोग से बेहतर होगी,विश्वास है श्रद्धालु एक बेहतर अनुभूति के साथ वापस जाएंगे।कहा कि श्रावणी मेला के दौरान आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति बासुकीनाथ में की जायेगी।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को 5 जुलाई तक सभी कार्यों को पूर्ण करने का निदेश दिया।कहा कि 11 जुलाई को किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहे इसे सुनिश्चित करें। बाबा की सेवा भक्तों की सेवा में निहित है।कहा कि बाबा के भक्तों की सेवा कर लें,बाबा की पूजा का फल प्राप्त हो जाएगा। इस दौरान उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने पीपीटी के माध्यम से बासुकीनाथ में राजकीय श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं के लिए की गयी व्यवस्था, विधि व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया। इससे पूर्व मंत्री ने रुट लाइन का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने उन्हें रुट लाइन की व्यवस्था सहित श्रद्धालुओं के मंदिर में प्रवेश एवं निकास,शिवगंगा में सुरक्षा के दृष्टिकोण से की जाने वाली व्यवस्थाओं से अवगत कराया। इस दौरान उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार मेला में 3051 रिक्तियों के विरूद्ध 131 अभ्यार्थी हुए शॉट लिस्ट

दुमका। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वाधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय, कार्यालय परिसर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन हुआ। नियोजन पदाधिकारी द्वारा रोजगार मेले की जानकारी देते हुए नियोजनालय द्वारा बेरोजगार युवक-युवतियों को उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रत्येक नियोजकों द्वारा बारी-बारी से अपने रिक्तियों का विस्तृत जानकारी साझा किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के 08 नियोजकों एवं नियोजक प्रतिनिधियों द्वारा कुल 3051 रिक्तियों के साथ उक्त मेले में भाग लिया गया।

विद्यालय समयावधि में अपने बच्चों से भी स्वयं के प्रतिष्ठान में कार्य कराना नियमानुकूल नहीं

बाल श्रम निषेध अधिनियम के तहत है अपराध : डीसीपीओ

दुमका। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी गीता कुमारी की अध्यक्षता में गठित धावदल द्वारा जरमुंडी थाना क्षेत्रांतर्गत बासुकीनाथ मन्दिर परिसर, जरमुंडी बाजार एवं नोनीहाट चौंक स्थित होटलों, ढाबों, गैरेजों एवं विभिन्न प्रतिष्ठानों में बाल श्रम कराये जाने वाले नियोक्ता के विरुद्ध रेस्क्यू अभियान किया गया। एलईओ गीता कुमारी ने बताया कि धावदल ने कुल चार बालकों को बाल श्रम कराते हुए रेस्क्यू किया है। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र ने बताया बाल श्रम कराना कानूनन अपराध है। बर्ष 14 वर्ष से कम उम्र के बालकों से विद्यालय समयावधि में नियोक्ता द्वारा स्वयं के प्रतिष्ठान में कार्य कराना नियमानुकूल नहीं है। बाल श्रम निषेध अधिनियम के तहत नियोक्ता द्वारा बाल श्रम नहीं कराया जा सकता है। समिति सदस्य डॉ राजकुमार उपाध्याय ने कहा कि बाल श्रम से मुक्त कराये गये प्रस्तुत बालकों को किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत बाल श्रम की श्रेणी में सीएनसीपी घोषित कर तीन बालकों को आवश्यक कार्रवाई कर अंडरटेकिंग लेकर बालक के अभिभावक को सुपुर्द कर दिया गया है एवं शेष एक बालक को अगले आदेश तक के लिए बाल गृह (बालक) श्रीअमडा में आवासित किया गया है। रेस्क्यू टीम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र, श्रम विभाग से श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी गीता कुमारी, मो ताज, संतोष कुमार, बाल संरक्षण कार्यालय से निक्कू कुमार साह, संजू कुमार, पवन कुमार मंडल, सुनीता मरांडी, डिस्ट्रिक्ट प्रॉजेक्ट एसोसिएट अमलेश कुमार,ग्राम साथी से देवानंद कुमार, तारा प्रसाद, ज्योति चौधरी, रोजी दास, रेणु सोरेन एवं ग्राम ज्योति से मुकेश कुमार दुबे शामिल थे।

सीएसपी लूटकांड एवं संचालक की हत्या मामले का उद्भेदन, एक गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। दुमका-भागलपुर मुख्य सड़क के किनारे स्थित महेन्द्र टुडू के सीएसपी में बीते 02 जून 2025 को चार हथियार बन्द अपराधियों के द्वारा घुसकर करीब चार लाख रुपए लूट लिया गया था एवं सीएसपी संचालक महेन्द्र टुडू को गोली मार दी गयी, जिसकी ईलाज के क्रम में मृत्यु हो गई। इस संदर्भ में पोड़ैयाहाट थाना काण्ड संख्या 76/25 दिनांक 03.06.2025 धारा 309 (6)/103(1) बी०एन०एस० एवं 27 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत काण्ड दर्ज किया गया था। वहीं पुलिस ने उक्त मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अभियुक्त की गिरफ्तारी के पश्चात पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने प्रेस वार्ता कर मामले की जानकारी दी। वहीं बताया गया कि उनके द्वारा उक्त कांड में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं उद्भेदन हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा के नेतृत्व में एक विशेष टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित (एसआईटी) टीम द्वारा लगातर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी एवं आसूचना संकलन किया जा रहा था। इस क्रम में गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि इस लूट काण्ड में सिंहनी के मुन्ताज अंसारी उर्फ लखपतिया, पिता मो० साजिद अंसारी, थाना हँसडीहा, जिला दुमका भी शामिल है। उक्त सूचना के आधार पर मुन्ताज अंसारी उर्फ लखपतिया को गिरफ्तार किया गया तथा कड़ाई से पूछताछ करने पर इनके द्वारा बताया गया कि मेरे साथ तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के निशानदेही पर कमराडोल स्थित बंद पड़ा क्रेसर के बगल में झाड़ी में छिपाकर रखा गया कट्टा एवं गोली बरामद किया गया। फिरार अभियुक्त के विरूद्ध छापामारी जारी है।

गिरफ्तारी अभियुक्त की पहचान मुन्ताज अंसारी उर्फ लखपतिया, पिता-मो० साजिद अंसारी, थाना हँसडीहा, जिला दुमका के तौर पर हुई। वहीं बताया गया कि गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में अपराधिक इतिहास रहा है जिसमें दुमका हँसडीहा थाना काण्ड संख्या 43/2023 दिनांक 18.06.2025 धारा 302/201/34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

डकैती एवं हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोड्डा। आज पुलिस अधीक्षक गोड्डा मनोज कुमार के द्वारा अपने कार्यालय में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता के माध्यम से एक लूट और हत्या के मामला पर कांड का उद्भेदन करते हुए कांड के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किए जाने की घोषणा की। दिनांक 2/6/ 2025 भागलपुर दुमका मार्ग पर कुछ अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने सी एस पी के मालिक महेंद्र टुडू से 4 लाख रुपए छीनकर महेंद्र टुडू को गोली मार दी जिसकी

इलाज के क्रम मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक गोड्डा ने इस घटना की जांच के लिए एक एस आई टी टीम की गठन करते हुए एसडीपीओ गोड्डा को इसकी जांच का जिम्मा सौंपा गया। जांच के क्रम में गठित टीम को इस लूट और हत्या कांड में शामिल सिंहनी के मुमताज अंसारी उर्फ लखपतिया पिता मो साजिद अंसारी ग्राम हंसडीहा जिला दुमका का नाम सामने आया।

महिला अधिकारी चुनौतियों से लोहा लेने को सदैव रहें तैयार: निदेशक प्रभारी

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बीएसएल की महिला अधिकारियों के लिए निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ रुबरु नामक संवाद कार्यक्रम का आयोजन बोकारो निवास में आयोजित किया गया। अपनी पसंद महत्वाकांक्षा विकास और करियर के माध्यम से खुद को सशक्त बनाना की थीम पर आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में बीएसएल के 60 महिला अधिकारी शामिल रहीं। इस संवाद कार्यक्रम के आरम्भ में एक लघु फिल्म के माध्यम से देश की अग्रणी भू-तकनीकी इंजीनियर तथा वर्तमान में आईआईएससी बेंगलुरु में प्रोफेसर डॉ जी माधवी लता का चिनाब ब्रिज के निर्माण में उनकी भूमिका व्यक्तिगत चुनौतियाँ तथा अनुभवों को साझा किया गया। प्रोफेसर डॉ जी माधवी लता की उपलब्धियों की पृष्ठभूमि में निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने कहा कि महिलाएं देश और समाज की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान कर रहीं हैं। उन्होंने महिला अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस्पात उद्योग में भी महिलाएँ अपनी पहचान बना चुकी हैं तथा उन्हें सभी बाधाओं को तोड़ने और चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने ज्ञानार्जन एवं विकास की अहमियत को रेखांकित करते हुए सभी को सीखने के अवसरों का भरपूर लाभ उठाने ज्ञानार्जन द्वारा सेल्फ डेवलपमेंट बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाने तथा डिजिटलाइजेशन एवं एआई के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास से अवगत होने पर बल दिया। प्रतिभागियों ने भी इस विषय से सम्बंधित अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की वरीय प्रबंधक प्रीति कुमारी ने किया। कार्यक्रम में सीजीएम- तकनीकी लक्ष्मी दास तथा नीता बा भी उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो में किशोरावस्था शिक्षा पर क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षकों को पूर्णतया तैयार करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में आयोजित दो-दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला संपन्न हुई। सीबीएसई के पटना उत्कृष्टता केन्द्र के तत्वावधान में किशोरवय शिक्षा के विषय पर आयोजित उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के 60 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला की रिसोर्स पर्सन श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल की प्राचार्या पी शैलजा जयकुमार एवं एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका चंदा कुमारी ने किशोर-शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यशाला का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार एवं दोनों रिसोर्स पर्सन ने किया। अपने संबोधन में दोनों रिसोर्स पर्सन एवं कार्यशाला के सभी प्रतिभागी शिक्षकों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ गंगवार ने किशोरवय शिक्षा को वर्तमान समय का एक ज्वलंत विषय बताया। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था वह समय है जब एक बच्चे में शारीरिक मानसिक वैचारिक सामाजिक और भावनात्मक रूप से तेजी के साथ बदलाव आते हैं। बच्चे उस अवस्था की चुनौतियों से निपटें- इस दिशा में शिक्षकों का सहयोग और उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में किशोरवय शिक्षा से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। विभिन्न समूहों में बांटकर शिक्षकों को अलग-अलग गतिविधियों में शामिल किया गया। शिक्षकों ने किशोरवय की चुनौतियों पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। रिसोर्स पर्सन श्रीमती जयकुमार एवं चंदा कुमारी ने किशोरावस्था के प्रत्येक गुण-अवगुण सोशल मीडिया के प्रभाव लिंगभेद नशापान की लत आदि से संबंधित बिन्दुओं को विस्तार से रेखांकित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन भी विभिन्न प्रकार की गतिविधियां हुईं तथा उनके मूल्यांकन के साथ सत्र का समापन हुआ।

एक नजर में

जागरूकता अभियान का आयोजन

बेरमो। निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध 10 जून से 26 जून 2025 तक आयोजित हो रही राज्यव्यापी जागरूकता कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग झारखंड सरकार रांची के निदेर्शानुसार नशा मुक्त झारखंड अभियान के तहत फुसरो नगर परिषद (बोकारो) के शहरी क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आम लोगों को निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरूपयोग को लेकर जागरूक किया गया। जिसमें शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया साथ ही आम लोगों को निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरूपयोग को लेकर प्रचार-प्रसार वाहनों से प्रचार करने हेतु हरी झंडी दिखाई गई। उक्त कार्यक्रम में नगर प्रबंधक, विधि सहायक, सीएलटीसी, राजस्व निरीक्षक, राजीव कुमार,देवोजीत कुमार, सपना कुमारी, सामुदायिक संगठनकर्ता, सीआरपी, स्वयं सहायता समूह कि महिलाएं एवं कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

बीएसएल के विस्तारीकरण व अन्य मुद्दों पर प्रभारी निदेशक से मिले कुमार अमित

बोकारो। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित निदेशक प्रभारी वीरेन्द्र कुमार तिवारी से मिले और बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारीकरण की परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने की मांग की। कुमार अमित ने इस सम्बंध में प्रभारी निदेशक को ज्ञापन भी सौंपा। कुमार अमित ने श्री तिवारी से कहा कि बोकारो स्टील प्लांट में 2.5 मिलियन टन उत्पादन का विस्तारीकरण बोकारो के विकास और यहाँ के स्थानीय युवाओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के द्वारा बनायी गयी राष्ट्रीय इस्पात नीति के तहत देश में स्टील उत्पादन की क्षमता को बढ़ाना है। बीएसएल का विस्तारीकरण मोदी सरकार के द्वारा बोकारो वासियों सहित झारखंड को दिया गया सौगात है। इसे हर हाल में सेल प्रबंधन को धरातल पर उतारने का प्रयास करना चाहिए। कुमार अमित ने बोकारो जेनरल अस्पताल को सुपरस्पेशियलिटी के रूप में विकसित करने और अस्पताल परिसर में मरीजों को सस्ती दवाई उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का काउंटर खोलने की भी माँग की। प्रभारी निदेशक में इन विषयों पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर भाजपा माराफारी मंडल अध्यक्ष धनंजय चौबे भाजयुमो बोकारो नगर महामंत्री लालबाबू और करण गोराई भी उपस्थित थे।

बीएसएल में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन संयंत्र के विभिन्न विभागों के कुल 55 अधिकारी कर्मचारीगण तथा निविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा विभाग के जीएम विकास गुप्ता एजीएम सुखदेव महतो तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग से सहायक प्रबंधक सुशील कुमार साल्वी उपस्थित थे। जीएम विकास गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। तत्पश्चात गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी के साथ कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा स्टील प्लांट के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व के बारे में बताया एवं सभी प्रतिभागियो से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। सहायक प्रबंधक सुशील कुमार साल्वी ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को गैस सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान था।

बीएसएल में आईटीआर व टीडीएस के नवीनतम प्रावधानों पर सेमिनार का आयोजन

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में आयकर विभाग व टीडीएस वार्ड- बोकारो एवं बीएसएल के संयुक्त तत्वावधान में टीडीएस एवं आईटीआर से संबंधित नवीनतम प्रावधानों पर आधारित एक सेमिनार-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को टीडीएस एवं आईटीआर से जुड़े अद्यतन नियमों की जानकारी प्रदान करना तथा विवरणी दाखिल करते समय सामान्य त्रुटियों से बचाव हेतु मार्गदर्शन करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन बीएसएल के ईडी-वित्त एवं लेखा सुरेश रंगानी प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार एवं झारखंड) जयंत मिश्रा अपर आयकर आयुक्त टीडीएस रेंज-2 रांची आशीष कुमार देहरिया एवं आयकर उपायुक्त धनबाद शशि रंजन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर बीएसएल के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में उपस्थित रहे। मौके पर ईडी श्री रंगानी ने आयकर विभाग द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यशाला अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक है जिससे प्रतिभागियों को अद्यतन प्रावधानों को समझने एवं अनुपालन में सुविधा प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान आयकर विभाग के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विवरणी भरने में पारदर्शिता व सटीकता और समयबद्धता बनाए रखने पर बल देते हुए गलत कटौती अथवा त्रुटिपूर्ण विवरण से बचने की सलाह दी। आयकर विभाग के अधिकारी कमलेश कुमार सिन्हा दीपक कुमार एवं अमरेन्द्र प्रसाद ने टीडीएस एवं आईटीआर से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की।

अहमदाबाद विमान हादसे पर मंत्री दीपिका पांडेय ने जताया शोक

गोड्डा। महगामा अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे को लेकर झारखंड सरकार ग्रामीण विकास मंत्री सह महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे की खबर ने भीतर तक झकझोर कर रख दिया है।उन्होंने संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि जिन परिवारों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है, उनका दुःख शब्दों से परे है।हम इस असीम पीड़ा की घड़ी में उनके साथ हैं।ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और घायल लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने आगे कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं बल्कि सैकड़ों सपनों के एक साथ टूट जाने जैसी पीड़ा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस दुःखद क्षण में एकजुट होकर पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

डीसी ने नीति आयोग से संबंधित समीक्षा बैठक कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

गोड्डा। उपायुक्त गोड्डा अंजली यादव की अध्यक्षता में नीति आयोग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने नीति आयोग के सूचकांकों की बारीकी से जांच करते हुए, विभागवार प्रगति की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नीति आयोग द्वारा प्राप्त राशि के व्यय के संबंध में विभिन्न विभागों को कार्ययोजना तैयार करने का निदेश दिया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों में चल रही योजनाओं में तेजी लाएं।नीति आयोग की राशि से बन रहे पूर्व की योजनाओं को मिशन मोड में पूरा करें।

आम उत्सव सह बागवानी मेला आयोजित

गोड्डा /ठाकुरगंगटी। ठाकुरगंगटी प्रखंड के चपरी पंचायत अंतर्गत देवघर चौक हटिया में आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार मंडल ने की यह आयोजन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम बागवानी से लाभान्वित किसानों, लाभुकों को मंच प्रदान करने को लेकर किया गया।

स्पीड न्यूज

विमान हादसे में पटना की रहने वाली एयर होस्टेस थापा की मौत

पटना। मां..! प्लेन टेकऑफ होने वाला है, लौटकर आएंगे तब बात करेंगे। ठीक है बेटा... हम भी जा रहे घर का काम समाप्त कर लें। गुरुवार को उड़ान से पहले मनीषा थापा की मां से यही अंतिम बात हुई। अब वह लौटकर बात करने कभी नहीं आएगी। अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसमें वह भी सवार थी। मनीषा तीन वर्षों से एअर इंडिया में एयर होस्टेस थी। गुरुवार को लंदन के लिए उड़ान भरे विमान पर वह भी क्रू की एक सदस्य थी, जिसकी मौत हो गई। मां लक्ष्मी थापा से बातचीत के थोड़ी ही देर बाद उसके भाई को विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली गई, जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। उसके माता-पिता, भाई व अन्य रिश्तेदार तत्काल अहमदाबाद निकल गए। घर में क्रंदन और सभी के अचानक अहमदाबाद जाने से मनीषा की दादी शांति देवी को किसी अनहोनी की आशंका हुई।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

लंदन। अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और मशहूर व्यवसायी संजय कपूर का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 53 वर्षीय संजय कपूर पोलो खेलते समय अचानक बेहोश हो गए थे। अभिनेता सुहेल सेठ ने संजय कपूर के निधन की सूचना एक्स हैंडल पर साझा की। 2003 में 29 सितंबर को दोनों ने मुंबई में अभिनेत्री के पैतृक घर कृष्णा राज बंगले में धूमधाम से शादी की थी। संजय और करिश्मा के दो बच्चे हैं -बेटी समायरा और बेटा कियान। 2016 में इस जोड़े का तलाक हो गया। इसके बाद संजय ने प्रिया सचदेव से शादी की।

बांग्लादेश के 23 हज यात्रियों की मौत

ढाका। बांग्लादेश से इस वर्ष सऊदी अरब हज करने गए 87,100 जायरीन में से 23 की मौत हो गई। इनमें 21 पुरुष और दो महिलाएं हैं। पिछले साल 65 और 2023 में 121 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। सऊदी अरब से बांग्लादेश के हाजियों की वापसी शुरू हो चुकी है। इस साल जेद्दा, मीना या मुजदलिफा से किसी के मरने की सूचना नहीं है।

बिहार में 223 जगहों पर बनेंगे रेलवे ओवर ब्रिज

पटना। बिहार सरकार के आग्रह पर रेल मंत्रालय ने प्रदेश के 223 रेल फाटकों पर रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। आरओबी के निर्माण से राज्य की सड़कों पर आवागमन निर्बाध होगा। राज्य सरकार ने 223 रेल फाटकों पर आरओबी निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र भी दे दिया है। पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, रेलवे बोर्ड के सदस्य आधारभूत संरचना नवीन गुलाटी, महाप्रबंधक छत्रशाल सिंह, के साथ हुई बैठक में आरओबी निर्माण पर सहमति बनी।गया जिले में पहाड़पुर से गुरपा के बीच तथा परैया से गुरारू, औरंगाबाद जिले में फेशर-बधोई कुशा तथा जाखिम-बधोई कुशा के बीच बनेगा रेलवे ओवर ब्रिज।

सोना फिर एक लाख रुपये के पहुंचा पार

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की वजह से सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। सोने की प्रति 10 ग्राम का भाव फिर एक लाख रुपये के पार पहुंच गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान पर इजराइल के सैन्य हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमत 2,200 रुपये उछलकर 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई। चांदी की कीमत भी 1,100 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलो के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंची।

ईरान के परमाणु ठिकानों पर इजरायल का हमला

रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख समेत कई अधिकारी व वैज्ञानिक मारे गये

एजेंसी

ऑपरेशन राइजिंग लॉयन

- 200 इजरायली लड़ाकू विमानों ने करीब 100 जगहों पर किया हमला
- ईरान ने भी 100 से ज्यादा ड्रोन दागे
- इजरायल के अस्तित्व का खतरा है परमाणु हथियार : नेतन्याहू
- इजरायल को कड़ी सजा दी जायेगी : खामनेई

तेल अवीव/तेहरान। इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने भी दागे ड्रोन। इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए शुक्रवार को सुबह देश की राजधानी पर हमले किए जिनमें कम से कम दो शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। इजरायल के मुख्य सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि पिछले कुछ घंटों में ईरान ने इजरायल की ओर 100 से अधिक ड्रोन दागे हैं। सभी रक्षा प्रणालियां हमलों को रोकने के लिए काम कर रही हैं। डेफ्रिन ने कहा कि लगभग 200 इजरायली लड़ाकू विमान अभियान में शामिल थे और लगभग 100 लक्ष्यों पर हमला किया गया तथा हमले अब भी जारी हैं। ईरान भर में कई स्थानों हमला किया गया जिसमें ईरान का मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र भी शामिल है। हमले के बाद वहां से काला धुआं उठता देखा गया। इजरायल के हमले में ईरान के अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी की मौत हो गई। देश के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने अपनी एक खबर में यह भी बताया कि इस्राइली हवाई हमले में ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी भी मारे गए। माना जा रहा है कि इन हमलों में शीर्ष सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। इजरायली नेताओं ने इस हमले को राष्ट्र के अस्तित्व की लड़ाई बताया और कहा कि इस बात का खतरा था कि ईरान परमाणु बम बना सकता है और इस आसन्न खतरे को रोकने के लिए यह हमला आवश्यक था। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान इस लक्ष्य को प्राप्त करने के कितने करीब है या क्या ईरान वास्तव में निकट भविष्य में हमला करने की योजना बना रहा था। इजरायल ने शुक्रवार सुबह ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के उद्देश्य से ऑपरेशन राइजिंग लॉयन प्रारंभ करने की घोषणा की। साथ ही इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को दावा किया कि नतांज स्थित ईरान के मुख्य संवर्धन केंद्र सहित अन्य ठिकानों पर हमला किया गया है। नेतन्याहू ने कहा कि हाल के महीनों में ईरान ने ऐसे कदम उठाए हैं जो उसने पहले कभी नहीं उठाए। जैसे संवर्धित यूरेनियम से हथियार बनाने का कदम, और अगर इसे नहीं रोका गया तो ईरान बहुत कम समय में परमाणु हथियार बना सकता है। यह एक साल में हो सकता है, यह कुछ महीनों में हो सकता है, या एक साल से भी कम समय में हो सकता है। यह इजरायल के अस्तित्व के लिए एक स्पष्ट खतरा है। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान में परमाणु और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों को भी निशाना बनाया गया। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने पुष्टि की है कि हमले में ईरान के नतांज स्थित यूरेनियम संवर्धन केंद्र को निशाना बनाया गया और कहा कि वह विकिरण के स्तर पर बारीकी से नजर रख रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस्राइली विमान ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे या उन्होंने ईरान पर केवल स्टैंडऑफ मिसाइल दागीं। हमले के समय इराक में लोगों ने लड़ाकू विमानों की आवाज सुनी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा कि इजरायल को कड़ी सजा दी जाएगी।

सावधानी बरतें भारतीय नागरिक : विदेश मंत्रालय

भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह ईरान और इजरायल के बीच हाल के घटनाक्रमों को लेकर बहुत चिंतित है और उभरते हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है। नयी दिल्ली ने दोनों देशों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा परामर्श का पालन करने की सलाह दी गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम ईरान और इजरायल के बीच घटनाक्रमों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। हम परमाणु स्थलों पर हमलों से संबंधित खबरों के साथ ही उभरती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। भारत ने दोनों पक्षों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि तनाव कम करने के लिए कूटनीति और संवाद के मौजूदा माध्यमों का इस्तेमाल करना चाहिए।

मोसाद ने ईरान में स्थापित किया ड्रोन बेस

इजरायल के मोसाद ने ईरान के अंदर ही विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों को निशाना बनाया। मोसाद ने गुरुवार रात को इन ड्रोन को एक्टिव किया और ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। इजरायल ने यह ऑपरेशन कई वर्षों की खुफिया जानकारी, योजना और तकनीक के आधार पर किया। ईरान को भारी नुकसान किया। इजरायल के सैन्य और खुफिया एजेंसियों ने मिलकर ईरान के खिलाफ निर्णायक हमला करने के लिए विस्तृत खुफिया जानकारी इकट्ठा की। इस तैयारी में ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठान और परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख व्यक्तियों पर केंद्रित वर्षों की मेहनत और निगरानी शामिल थी। इनमें से कई को ऑपरेशन में निशाना बनाया गया और उनके घरों पर ही उनको मार दिया गया। मोसाद के एजेंटों ने ये ऑपरेशन तीन चरणों में किया। पहले चरण में मोसाद कमांडो टीमों ने ईरान के सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइटों के पास खुले क्षेत्रों में ड्रोन प्रणालियों को तैनात किया। ये तब काम आए, जब इजरायल का व्यापक अभियान शुरू हुआ। इन प्रणालियों को इजरायली वायु सेना के हमलों के साथ तालमेल में सक्रिय किया गया। उन्होंने असाधारण सटीकता के साथ अपने लक्ष्यों को भेदने वाली मिसाइलें लॉन्च कीं।

ट्रंप बोले, समझौता करे या विनाश का सामना करे ईरान

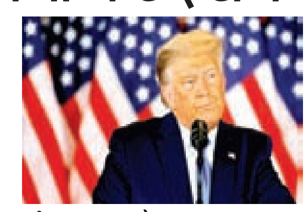

वाशिंगटन। इजराइल के ईरान पर हुए हमले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान को अब अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करना चाहिए। उन्होंने चेताया कि ईरान को या तो समझौता करना होगा या इससे अभी ज्यादा विनाशकारी और घातक सैन्य कार्रवाई का सामना करना होगा। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि पहले से ही बहुत ज्यादा मौतें और विनाश हो चुका है। इस नरसंहार को समाप्त करने के लिए अभी भी समय है। इससे पहले कि कुछ बाकी न रहे ईरान को एक समझौता करना चाहिए। यह समय ईरानी साम्राज्य को बचाने का है। उन्होंने कहा कि ईरान को कई बार सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी गई। फिर भी उसने समझौते पर सहमत होने से इनकार कर दिया। उन्होंने लिखा कि मैंने ईरान को समझौता करने के लिए कई मौके दिए।

नया कलेवर : ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीएसएफ की वर्दी में हुआ बदलाव

जैसलमेर। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब बीएसएफ में भी बदलाव का दौर जारी हो चुका है। जवान अब नए कलेवर में नजर आ रहे हैं। बीएसएफ की वर्दी में अब बदलाव किया गया है। नई ड्रेस दिखने में आकर्षित होने के साथ-साथ काफी सुविधाजनक भी है। बीएसएफ नार्थ के डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि नई ड्रेस डिजिटल पैटर्न की है। इसे लूज और टाइट आसानी से किया जा सकता है। इसके अलावा पुरानी ड्रेस के कपड़े की मोटाई बहुत ज्यादा थी।

मुकेश अंबानी परिवार की जेड प्लस हटाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक वादी द्वारा बार-बार याचिका दायर करने पर उसे फटकार लगाई और उद्योगपति मुकेश अंबानी तथा उनके परिवार के सदस्यों को प्रदान की गई जेड प्लस सुरक्षा वापस लेने के अनुरोध वाली उसकी याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने कहा कि न्याय प्रक्रिया पर दबाव डालने की इजाजत नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की आंशिक कार्य दिवस वाली पीठ ने याचिकाकर्ता विकास साहा को इस मुद्दे पर एक के बाद एक तुच्छ और परेशान करने वाली याचिकाएं दायर करने के लिए चेतावनी दी और कहा कि यदि वह भविष्य में ऐसी याचिकाएं दायर करते हैं तो अदालत उन पर जुर्माना लगाने के लिए बाध्य होगी। साहा ने एक निस्तारित याचिका में एक आवेदन दायर कर फरवरी 2023 के आदेश के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा रद्द करने की उनकी याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि इस मामले में उनका कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति मनमोहन ने साहा के वकील से कहा कि न्याय प्रक्रिया पर दबाव डालने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसा मत कीजिए। यह बहुत गंभीर मुद्दा है और हम आपको चेतावनी दे रहे हैं। ऐसा मत सोचिए कि यहां कोई सोने की खान है जिसे छीना जा सकता है और हम आपकी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए यहां हैं। यह एक पवित्र चीज है, चाहे वह कोई राजनीतिक व्यक्ति हो या कोई व्यवसायी, राज्य को जो भी एहतियात बरतना होगा, वह करेगा।

न्याय प्रक्रिया पर दबाव डालने की इजाजत नहीं दी जा सकती

कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू

नयी दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला जत्था शुक्रवार को रवाना किया गया। विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने यात्रियों को उनके चयन पर बधाई दी और सुखद व सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की भूमिका की सराहना की। इनमें रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, दिल्ली, उत्तराखंड और सिक्किम राज्य सरकारें तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र शामिल हैं। उन्होंने यात्रा के फिर से आरंभ होने में चीनी पक्ष के सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया। कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल जून से अगस्त के बीच आयोजित की जा रही है। इस वर्ष 15 जत्थों को रवाना किया जाएगा। इनमें उत्तराखंड से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से 5 जत्थे और सिक्किम राज्य से नाथू ला दर्रे के माध्यम से 10 जत्थे शामिल हैं।

ओडिशा में दो कुख्यात माओवादी गिरफ्तार

भुवनेश्वर। मलकानगिरी पुलिस ने शुक्रवार को दो कुख्यात माओवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किये गये माओवादियों की पहचान केशा कवासी और राकेश उर्फ सानू कुंजम के रूप में हुई है, जो छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। कवासी बस्तर जिले के दरबा थाना का निवासी है, जबकि सानू कुंजाम उर्फ राकेश बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र का निवासी है।

बाबा विश्वनाथ की शरण में तेज प्रताप

वाराणसी। परिवार व पार्टी से बेदखल होने के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े पुत्र व पूर्व मंत्री विधायक तेज प्रताप यादव ने काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। बाबा के दरबार में दर्शन पूजन कर कुछ देर धाम में टहलने के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं और सुरक्षा कर्मियों से मुस्करा कर बातचीत की और सेल्फी भी ली। पूजा के बाद तेज प्रताप ने शुक्रवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद हो, मां गंगा का निर्मल पवित्र घाट हो, पूरी दुनिया को मैं भूल जाऊं और बनारस में मेरा भोला मुझे याद हो, हर-हर महादेव बोलना ही होगा। तेज प्रताप ने बाबा विश्वनाथ की शरण में पहुंच कर अपने मन को शांत करने और सही दिशा तलाशने की कोशिश की है। माना जा रहा है कि अपने राजनीतिक करियर और निजी जिंदगी में छाये विवाद से उबरने के लिए तेज प्रताप ने बाबा के दरबार में विशेष पूजा अर्चना की। उन्होंने स्वीकार भी किया कि काशी आकर मन को बहुत शांति मिलती है। कई दिन से मन भटक रहा था। बाबा विश्वनाथ ने बुलाया, इसलिए काशी चला आया।

ईरान-इजराइल तनाव से सहमा शेयर बाजार

सेंसेक्स 573 व निफ्टी 170 अंक लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव से सहमे निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन लुढ़क गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 573.38 अंक का गोता लगाकर 81,118.60 अंक और निफ्टी 169.60 अंक की गिरावट लेकर 24718.60 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.32 प्रतिशक लुढ़ककर 45,681.28 अंक और स्मॉलकैप 0.30 प्रतिशत टूटकर 53,370.29 अंक रह गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4123 कंपनियों में से 2469 में बिकवाली जबकि 1516 में लिवाली हुई वहीं 138 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2964 कंपनियों के शेयरों में से 1824 में गिरावट जबकि 1059 में तेजी रही वहीं 81 में टिकाव रहा।

बीएसई में हेल्थकेयर और रियल्टी की 0.13 प्रतिशत तक की बढ़त को छोड़कर अन्य 19 समूहों में बिकवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.58, सीडी 0.40, ऊर्जा 0.63, एफएमसीजी 0.94, वित्तीय सेवाएं 0.85, इंडस्ट्रियल्स 0.05, आईटी 0.09, दूरसंचार 0.67, यूटिलिटीज 0.91, ऑटो 0.33, बैंकिंग 1.01, कैपिटल गुड्स 0.01, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.49, धातु 0.81, तेल एवं गैस 0.57, पावर 0.75, टेक 0.08, सर्विसेज 2.06 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.01 प्रतिशत लुढ़क गए। वैश्विक स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इससे ब्रिटेन का एफटीएसई 0.42, जर्मनी का डैक्स 1.49, जापान का निक्केई 0.89, हांगकांग का हैंगसेंग 0.59 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.75 प्रतिशत उतर गया।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 1264 अंक का गोता लगाकर 80,427.81 अंक पर खुला और बिकवाली जारी रहने से थोड़ी देर बाद ही 80,354.59 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से यह दोपहर बाद 81,238.68 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 81,691.98 अंक के मुकाबले 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,118.60 अंक पर आ गया।

इसी तरह निफ्टी भी 415 अंक उतरकर 24,473.00 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,473.00 अंक के निचले जबकि 24,754.35 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,888.20 अंक की तुलना में 0.68 प्रतिशत कमजोर रहकर 24,718.60 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में अदानी पोर्ट्स 2.71, आईटीसी 1.67, एसबीआई 1.64, इंडसइंड बैंक 1.59, एचडीएफसी बैंक 1.15, टाइटन 0.95, कोटक बैंक 0.85, रिलायंस 0.83, अल्ट्रासिम्को 0.83, पावरग्रिड 0.81, बजाज फिनसर्व 0.79, इटरनल 0.78, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.65, आईसीआईसीआई बैंक 0.64, एक्सिस बैंक 0.56, टाटा स्टील 0.43, एलटी 0.43, एचसीएल टेक 0.43, टाटा मोटर्स 0.41, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.39, इंफोसिस 0.36, एनटीपीसी 0.34, बजाज फाइनेंस 0.32, नेस्ले इंडिया 0.30, एशियन पेंट 0.14 और भारती एयरटेल 0.07 प्रतिशत शामिल रही।